नई दिल्ली । शुक्रवार, 15 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :129 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
# विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल थाईलैंड ओपन : पीवी सिंधु, सात्विक-चिराग ने ...
@ विचार प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर राजनीति कितनी...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ...

# कार्यपालिका सब कुछ कंट्रोल कर रही : सुप्रीम कोर्ट

## मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर की टिप्पणी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश में चुनाव आयोग के शीर्ष पदों मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के कानून पर सवाल खड़े किए हैं। अदालत ने कहा कि मौजूदा चयन प्रणाली में कार्यपालिका का प्रभाव इतना अधिक दिखाई देता है कि यह चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर सवाल खड़ा करता है।

यह टिप्पणी उस समय आई जब सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा शामिल थे, 2023 के उस कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसके तहत सीईसी और ईसीएस की नियुक्ति प्रक्रिया तय की गई है। सुनवाई अभी पूरी नहीं हुई है और मामले की अगली तारीख पर आगे विचार किया जाएगा।

**चयन समिति पर उठाए सवाल**

वर्तमान कानून के अनुसार चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री शामिल होते हैं। इसी संरचना पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें किसी भी स्वतंत्र सदस्य को शामिल क्यों नहीं किया गया। अदालत ने टिप्पणी की कि इस व्यवस्था

में निर्णय प्रक्रिया लगभग तय हो जाती है, क्योंकि दो सदस्य सरकार से जुड़े होते हैं और तीसरे सदस्य का प्रभाव सीमित रह जाता है।

**'विपक्ष का नेता केवल औपचारिक भूमिका में'**

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि चयन समिति में विपक्ष के नेता की भूमिका केवल प्रतीकात्मक बनकर रह जाती है। कोर्ट ने सवाल किया कि यदि अंतिम निर्णय 2:1 के अनुपात में पहले से ही तय है, तो इस समिति में संतुलन का दावा कितना वास्तविक है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या किसी कैबिनेट मंत्री से यह उम्मीद की जा सकती है कि वह प्रधानमंत्री के निर्णय के खिलाफ जाएगा।

**'आयोग केवल स्वतंत्र नहीं दिखना चाहिए, वास्तव में होना चाहिए'**

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि केवल स्वतंत्रता का दावा पर्याप्त नहीं है, बल्कि चुनाव आयोग की स्वतंत्रता वास्तविक और स्पष्ट रूप से दिखाई भी देनी चाहिए। कोर्ट ने दोहराया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर का हिस्सा हैं और इसके लिए चुनाव आयोग की स्वतंत्रता अनिवार्य है।

**सरकार का पक्ष: कानून पर संसद का अधिकार**

केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कानून का बचाव करते हुए कहा कि संसद को कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है और इसे अदालत में केवल संभावित आशंकाओं के आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पहले के निर्देश अंतरिम व्यवस्था थे, जो संसद द्वारा बनाए गए कानून को बाधित नहीं कर सकते। सरकार के वकील ने यह भी तर्क दिया कि जब तक यह साबित न हो जाए कि चुनाव आयोग वास्तव में पक्षपाती है, तब तक कानून को असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता।

**'स्वतंत्र सदस्य क्यों नहीं जोड़ा गया ?'**

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह यह नहीं कह रहा कि चयन समिति में मुख्य न्यायाधीश को ही शामिल किया जाए, लेकिन सवाल यह जरूर है कि कोई भी स्वतंत्र सदस्य क्यों नहीं रखा गया। अदालत ने कहा कि अन्य संस्थाओं में, जैसे जांच एजेंसियों के प्रमुखों की नियुक्ति में स्वतंत्र सदस्य शामिल होते हैं, तो चुनाव आयोग जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में ऐसा क्यों नहीं किया गया। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि उसका काम नीति बनाना नहीं है, बल्कि यह देखना है कि क्या 2023 का कानून संविधान के अनुच्छेद 14 और 324 के अनुरूप है या नहीं।

# वीडी सतीशन सोमवार को लेंगे सीएम की शपथ

एजेंसी ■ तिरुवनंतपुरम

केरल के नए मुख्यमंत्री के तौर पर वी.डी सतीशन के नाम की घोषणा के साथ ही सीएम फेस को लेकर सस्पेंस खत्म हो गया है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने अब अपना ध्यान राजनीतिक खींचतान से हटाकर सत्ता हस्तांतरण पर केंद्रित कर लिया है। मुख्यमंत्री पद के लिए नामित वी.डी सतीशन सोमवार को शपथ ग्रहण करेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री का मुद्दा सुलझने के बाद यूडीएफ के भीतर नए मंत्रिमंडल की संरचना को लेकर गहन चर्चा शुरू हो गई।

सूत्रों के अनुसार, यह सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं कि सभी 20 मंत्री सतीशन के साथ शपथ लें, जिससे मंत्रिमंडल के चरणबद्ध विस्तार की संभावना समाप्त हो जाएगी और इसके बजाय पहले ही दिन पूर्ण पैमाने पर राजनीतिक शुभारंभ का विकल्प चुना जाएगा।

केरल में परंपरागत रूप से गठबंधन के सहयोगी दलों के नेता शपथ समारोह के दौरान मुख्यमंत्री के साथ शपथ लेते हैं, हालांकि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को अंतिम रूप देने में हुई देरी के बाद बची हुई

## मंत्रिमंडल की संरचना को लेकर गहन चर्चा शुरू

अनिश्चितता की जरा सी भी आशंका से बचने के लिए कांग्रेस नेतृत्व उत्सुक नजर आ रहा है। यूडीएफ जो संदेश देना चाहता है वह स्पष्ट है। अशांति समाप्त हो गई है, सरकार तैयार है और गठबंधन एकजुट है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेतृत्व और प्रमुख सहयोगियों, जिनमें इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और केरल कांग्रेस गुट शामिल हैं, के बीच पोर्टफोलियो आवंटन और मंत्री पदों पर प्रतिनिधित्व को लेकर गहन विचार-विमर्श जारी है।सत्ता बंटवारे का व्यापक फार्मूला काफी हद तक तय हो चुका है, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण विभागों और कैबिनेट के भीतर क्षेत्रीय संतुलन को लेकर अभी भी चर्चा जारी है। कांग्रेस नेतृत्व इस बात से भी अवगत है कि 102 सीटों का भारी जनादेश हासिल करने के बाद सुचारू और स्थिर शुरुआत की उम्मीदें असाधारण रूप से अधिक हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने निजी तौर पर स्वीकार किया है कि मंत्रिमंडल गठन में किसी भी देरी से अनावश्यक अटकलों को फिर से हवा मिल सकती है, ऐसे समय में जब गठबंधन निर्णायकता और प्रशासनिक तत्परता प्रदर्शित करना चाहता है।

# 16 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर कराने की घोषणा

**आयोग ने कहा कि यह एक बड़ा देशव्यापी अभियान होगा**

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को 16 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत करने की घोषणा की। आयोग ने कहा कि यह एक बड़ा देशव्यापी अभियान होगा, जिसका उद्देश्य मतदाता सूचियों की सटीकता और पारदर्शिता को मजबूत करना है।

आयोग के अनुसार, एसआईआर के तीसरे चरण का कार्यक्रम वर्तमान में जनगणना के तहत चल रहे मकानों की सूचीकरण प्रक्रिया में लगी साझा फील्ड मशीनरी की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए तय किया गया है।

तीसरे चरण की शुरुआत के साथ एसआईआर प्रक्रिया पूरे देश में प्रभावी रूप से लागू हो जाएगी, हालांकि इसमें हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और लद्दाख शामिल नहीं होंगे। आयोग ने कहा कि इन तीन क्षेत्रों का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। यह निर्णय जनगणना के दूसरे चरण के पूरा

होने और ऊंचाई वाले तथा बर्फ से ढके क्षेत्रों में मौसम संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे इस संशोधन अभियान के तहत 3.94 लाख से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) गणना चरण में लगभग 36.73 करोड़ मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। इन बीएलओ की मदद विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नामित लगभग 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) करेंगे।

ईसीआई ने एसआईआर को एक 'सहभागी और पारदर्शी प्रक्रिया' बताया है, जिसमें कई स्तरों पर मतदाता, राजनीतिक दल और चुनाव अधिकारी शामिल होते हैं। राजनीतिक भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए आयोग ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे संशोधन प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता, समावेशिता और प्रभावी जांच सुनिश्चित करने के लिए हर मतदान केंद्र पर बूथ स्तर के एजेंट नियुक्त करें।

# पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं : केंद्र

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और सरकारी तेल विपणन कंपनियों के बिक्री केंद्रों पर भी कीमतें नहीं बढ़ाई गई हैं। अपने दैनिक ब्रीफिंग में पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा, 'मौजूदा स्थिति को देखते हुए सभी नागरिकों से अपील है कि वे रोजमर्रा के जीवन में ऊर्जा की बचत करने का प्रयास करें।' अधिकारी ने कहा, 'लोग पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की घबराकर खरीदारी न करें, क्योंकि सरकार इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। अफवाहों से बचें और सही जानकारी के लिए केवल सरकारी स्रोतों पर भरोसा करें।' सरकार ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद घरेलू रसोई गैस, पीएनजी और सीएनजी (परिवहन) की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। पिछले तीन दिनों में करीब 1.90 लाख पांच किलोग्राम वाले छोटे रसोई गैस सिलेंडर बेचे गए। केवल बुधवार को ही लगभग 67,600 छोटे सिलेंडरों की बिक्री हुई।

# मोदी की रूसी विदेश मंत्री लावरोव से अहम चर्चा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों के शिखर सम्मेलन के दौरान ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। यह मुलाकात 14 से 15 मई तक राजधानी में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों की दो दिवसीय बैठक के दौरान हुई। प्रधानमंत्री ने सदस्य और सहयोगी देशों के मंत्रियों और प्रतिनिधियों के साथ आधिकारिक ब्रिक्स पारिवारिक तस्वीर में भी भाग लिया।

**जयशंकर ने विदेश मंत्रियों का स्वागत किया**

इससे पहले दिन में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शिखर सम्मेलन स्थल भारत मंडपम में कई विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ राजनयिकों का स्वागत किया। औपचारिक चर्चा से पहले जयशंकर द्वारा स्वागत किए गए पहले नेताओं में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी शामिल थे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी उच्च स्तरीय बैठक के लिए स्थल पर पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान बीजिंग में ही रहे चीनी विदेश मंत्री वांग यी की जगह भारत में चीनी

राजदूत जू फीहोंग ने बीजिंग का प्रतिनिधित्व किया।

**ब्रिक्स और सहयोगी देशों की भागीदारी**

जयशंकर ने इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो, दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला और इथियोपिया के विदेश मंत्री गेदियन तिमोथियोस हेसेबोन का भी स्वागत किया। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री खलीफा शाहीन अल मरार भी शिखर सम्मेलन में उपस्थित थे। बैठक से पहले, जयशंकर ने नई दिल्ली में इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो से बातचीत की। इस सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों और पर्यवेक्षक देशों के विदेश मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए एक साथ आए हैं।

# भारत आ रहे एलपीजी के दो जहाज

## होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार किया : केंद्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को बताया कि भारत आने वाले दो एलपीजी जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर चुके हैं और अगले कुछ दिनों में भारत पहुंचने की उम्मीद है।

**18 मई को न्यू मैंगलोर पहुंचने की संभावना**

सरकार ने अपने दैनिक ब्रीफिंग में बताया कि मार्शल द्वीप समूह के ध्वज वाला एसवाईएमआई नामक एलपीजी कैरियर जहाज भारत के लिए 19,965 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो लेकर आ रहा है। इस जहाज पर 21 विदेशी चालक दल सदस्य मौजूद हैं। यह जहाज 13 मई को सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है और 16 मई को कांडला पहुंचने की उम्मीद है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एलपीजी वाहक और वियतनाम-ध्वज वाला दूसरा जहाज एनवी सनशाइन 46,427 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो लेकर भारत आ रहा है। इस जहाज पर 24 विदेशी चालक दल सदस्य सवार हैं। यह जहाज 14 मई 2026 को सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है और 18 मई को न्यू मैंगलोर पहुंचने की संभावना है।

इस बीच, एक भारतीय ढाऊ जहाज 'एमएसवी हाजी अली' सोमालिया से यूएई के शारजाह की यात्रा के दौरान 13 मई की सुबह ओमान के समुद्री क्षेत्र में हादसे का शिकार हो गया। जहाज में आग लग गई, जिसके बाद वह डूब गया। मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद सभी 14 चालक दल सदस्यों को ओमानी तट रक्षक ने सुरक्षित बचा लिया। सभी लोग ओमान के डिब्बा पोर्ट पहुंच चुके हैं। चालक दल पूरी तरह सुरक्षित है और स्थानीय अधिकारियों के साथ जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

# ममता बनर्जी के वकील की पोशाक में कोर्ट आने पर विवाद

## बार काउंसिल ने मांग ली प्रैक्टिस डिटेल, वकालत पर उठे सवाल

एजेंसी ■ कोलकाता

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने पश्चिम बंगाल बार काउंसिल से ममता बनर्जी के पंजीकरण और प्रैक्टिस की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। दरअसल, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील के वस्त्र पहनकर राज्य में कथित चुनावोत्तर हिंसा से संबंधित जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई में उपस्थित हुई थीं, जिसके बाद बीसीआई ने यह जानकारी मांगी है।

वकीलों को नियंत्रित करने वाली सर्वोच्च वैधानिक संस्था ने पश्चिम बंगाल राज्य बार काउंसिल के सचिव को लिखे पत्र में निर्देश दिया है कि ममता बनर्जी के पंजीकरण, राज्य अधिवक्ता सूची में उनके नाम की निरंतरता, मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान प्रैक्टिस का निलंबन या समाप्ति, और उसके बाद प्रैक्टिस की पुन: शुरुआत से संबंधित रिकॉर्ड दो दिनों के भीतर उपलब्ध कराए जाएं।

विज्ञप्ति में कहा गया कि विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से बार काउंसिल ऑफ

इंडिया के संज्ञान में आया है कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज कलकत्ता हाईकोर्ट के समक्ष अधिवक्ताओं के वस्त्र/कानूनी पोशाक पहनकर उपस्थित हुईं।

वकीलों के पेशेवर आचरण और ड्रेस कोड से संबंधित बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमों का हवाला देते हुए बीसीआई के प्रधान सचिव श्रीरामंतो सेन ने कहा कि ममता बनर्जी द्वारा 2011 से 2026 तक संवैधानिक पद पर रहने के मद्देनजर, राज्य बार काउंसिल द्वारा रखे गए आधिकारिक अभिलेखों से उनकी पंजीकरण, वकालत, निलंबन (यदि कोई हो) और पुन: शुरुआत (यदि कोई हो) की वास्तविक स्थिति का सत्यापन करना आवश्यक है।

बीसीआई ने उनके पंजीकरण संख्या, पंजीकरण की तिथि, क्या उनका नाम अधिवक्ताओं की राज्य सूची में अभी भी दर्ज है, और क्या उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वकालत के निलंबन या समाप्ति की सूचना दी थी, सहित विवरण मांगे हैं। इसमें यह भी पूछा गया कि क्या बाद में वकालत फिर से शुरू करने के लिए कोई आवेदन दायर किया गया था और क्या उनके पक्ष में वर्तमान में कोई वैध वकालत प्रमाण पत्र मौजूद है।

इस पत्र में पश्चिम बंगाल राज्य बार काउंसिल को सभी सहायक अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया, जिनमें राज्य रोल, नामांकन रजिस्टर, निलंबन या पुन: आरंभ अभिलेख, आवक रजिस्टर, पत्राचार फाइलें और संबंधित फाइल नोटिंग शामिल हैं।

बीसीआई ने आगे निर्देश दिया कि मामले से संबंधित सभी मूल अभिलेखों को उनके वर्तमान स्वरूप में संरक्षित किया जाए और उत्तर प्रस्तुत किए जाने तक अभिलेखों में कोई परिवर्तन, अतिलेखन, प्रक्षेप या पुनर्निर्माण न किया जाए।

यह घटनाक्रम ममता बनर्जी के हाल ही में संपन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद बड़े पैमाने पर हुई हिंसा के आरोपों से संबंधित एक जनहित याचिका के संबंध में मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की खंडपीठ के समक्ष पेश होने के कुछ घंटों बाद सामने आया।

# रिलायंस कम्युनिकेशंस केस : मुंबई समेत 7 ठिकानों पर तलाशी अभियान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को कहा कि उसने रिलायंस एडीए ग्रुप की कंपनियों में से एक रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) से जुड़े एक मामले में सात ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया है।

सीबीआई ने एक बयान में कहा कि यह छापेमारी मुंबई, गुरुग्राम और बेंगलुरु में स्थित परिसरों पर की गई। जांच एजेंसी ने बयान में कहा, 'तलाशी कंपनी के उस समय के सीईओ, सीएफओ और डायरेक्टर्स के घरों पर की गई, जिन्होंने 2015 से 2017 के दौरान कंपनी में काम किया था। यह कार्रवाई 14 मई 2026 को मुंबई की सीबीआई मामलों की विशेष अदालत द्वारा जारी सर्च वारंट के आधार पर की गई।'

सीबीआई ने बताया कि तलाशी के दौरान कई अहम और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं और मामले की जांच आगे भी जारी है। सीबीआई ने पिछले कुछ महीनों में अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस ग्रुप के खिलाफ सात मामले

**तलाशी के दौरान कई अहम और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद**

दर्ज किए हैं। ये मामले विभिन्न सरकारी बैंकों और एलआईसी की शिकायतों के आधार पर दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में हजारों करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी का आरोप है। सीबीआई के अनुसार, इन मामलों में कुल कथित नुकसान 27,337 करोड़ रुपए का है।

जांच एजेंसी ने बताया कि इन मामलों के दर्ज होने के बाद पिछले कुछ महीनों में 31 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा चुका है। पहले 20 अप्रैल को रिलायंस कम्युनिकेशंस के दो वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें डी. विश्वनाथ और अनिल काल्या शामिल हैं। सीबीआई के मुताबिक, डी. विश्वनाथ समूह के बैंकिंग संचालन के प्रभारी थे, जबकि अनिल काल्या बैंकिंग संचालन और फंड के उपयोग से जुड़े कार्यों में उनकी मदद कर रहे थे। दोनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने कहा कि अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामलों की जांच की निगरानी सर्वोच्च न्यायालय कर रहा है। पिछले शनिवार को भी सीबीआई ने मुंबई में 17 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

# केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मत्स्य निर्यात को बढ़ावा देने के उपायों पर की चर्चा

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह से मुलाकात की और देश के मत्स्य निर्यात को बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

दोनों मंत्रियों ने देश के मछुआरों की आय बढ़ाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया। गोयल ने मत्स्य मंत्री के साथ सह-अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी।

गोयल ने कहा, 'हमने इस क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए अपनी निरंतर प्रतिबद्धता भी दोहराई।'

इससे पहले रंजन सिंह ने कहा था कि भारत के समुद्री खाद्य निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका मुख्य कारण अमेरिका के अलावा अन्य बाजारों में बेहतर प्रदर्शन रहा है। उन्होंने बाजार और उत्पादों में विविधता बढ़ाने के साथ-साथ कड़े नियामकीय अनुपालन की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें एंटीबायोटिक प्रतिबंधों का पालन और ट्रेसबिलिटी सिस्टम को मजबूत करना भी शामिल है।

हाल ही में जारी समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का समुद्री खाद्य निर्यात रिकॉर्ड 72,325.82 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इस दौरान निर्यात की मात्रा 19.32 लाख मीट्रिक टन रही।

फ्रोजन झींगा इस वृद्धि का सबसे बड़ा आधार बना रहा। इससे 47,973.13 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जो कुल निर्यात आय का दो-तिहाई से अधिक है।

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अनुसार, झींगा निर्यात की मात्रा में 4.6 प्रतिशत और मूल्य में 6.35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे समुद्री उत्पाद निर्यात में इसकी मजबूत हिस्सेदारी बनी रही।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अमेरिका भारत के समुद्री उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना रहा, जहां कुल आयात 2.32 अरब डॉलर रहा। हालांकि, अमेरिका को होने वाले निर्यात में मात्रा के लिहाज से 19.8 प्रतिशत और मूल्य के लिहाज से 14.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

# ओडिशा सरकार की दूसरी वर्षगांठ सादे ढंग से मनाई जाएगी: सीएम माझी

**भुवनेश्वर।** ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गुरुवार को निर्देश दिया कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के दो साल पूरे होने का जश्न सादे ढंग से मनाया जाए।

भुवनेश्वर के लोक सेवा भवन में मुख्यमंत्री माझी की अध्यक्षता में राज्य सरकार के दो साल पूरे होने के जश्न से संबंधित एक तैयारी बैठक आयोजित की गई।

तैयारी बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री माझी ने निर्देश दिया कि पश्चिम एशिया में चल रही स्थिति के कारण पूरा देश एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है, इसलिए जश्न सादे और संयमित तरीके से मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय () के अनुसार, मुख्यमंत्री माझी ने इस बात पर जोर दिया कि इस अवसर को मनाने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों का आयोजन करने के बजाय, पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार की उपलब्धियों को उजागर करने पर अधिक बल दिया जाना चाहिए।

यह भी निर्णय लिया गया कि राज्य सरकार की उपलब्धियों का प्रचार प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से, साथ ही पुस्तिकाओं के प्रकाशन द्वारा किया जाएगा।

तैयारी बैठक के दौरान, प्रतिभागियों ने इस बात पर भी बल दिया कि ओडिशा सरकार द्वारा कार्यान्वित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से आम जनता को किस प्रकार लाभ हो रहा है, इसे प्रदर्शित करना आवश्यक है। ओडिशा सरकार की दूसरी वर्षगांठ 12 जून को मनाई जाएगी।

# अगले 5 वर्षों में बिहार में एयर कनेक्टिविटी को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य है: सीएम सम्राट चौधरी

**दरभंगा।** बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गुरुवार को दरभंगा हवाई अड्डा की सुरक्षा के केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के हस्तांतरण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पुलिस महानिदेशक प्रवीर रंजन को सीआईएसएफ का झंडा एवं सांकेतिक चाबी प्रदान कर उन्हें दरभंगा हवाई अड्डा की सुरक्षा की कमान सौंपी।

सीएम सम्राट चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और काफी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को ध्यान में रखते हुए यहां छोटे स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री ने देशवासियों से हरसंभव सहयोग करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि इससे ईंधन की बचत होगी और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सीएम ने कहा कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा मिथिलांचल में कराए गए विकास कार्यों के कारण ही यहां का पूरा परिदृश्य बदल गया है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2005-06 में बिहार से प्रति वर्ष हवाई यात्रा करने वालों की संख्या मात्र 2.5 लाख के करीब थी, जो अब बढ़कर 50 लाख से अधिक हो गई है। अगले 5 वर्षों में बिहार में एयर कनेक्टिविटी को 10 गुना बढ़ाना हमारा लक्ष्य है। हम ऐसी व्यवस्था बना रहे हैं कि अगले पांच वर्षों में बिहार से 4 से 5 करोड़ लोग हवाई यात्रा कर सकें।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने न सिर्फ बिहार में सड़कों का जाल बिछाने का काम किया, बल्कि एयरपोर्ट का विस्तार करने की दिशा में भी काफी काम किया है। बिहार में एम्स स्थापित करने के लिए भूमि की व्यवस्था भी सुनिश्चित की। उनके इस काम को हम आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दरभंगा का यह एयरपोर्ट मात्र एक स्थान नहीं है, बल्कि यह मिथिलांचल के उत्पादों को दुनिया के मार्केट में पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। अगले पांच वर्षों में राज्य सरकार यहां बंद पड़ी अशोक पेपर मिल की जगह नया उद्योग स्थापित करने की दिशा में काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने भरोसा देते हुए कहा कि सभी जिलों में एयर ट्रैफिक का विस्तार करना है, वह चाहे एयरपोर्ट के रूप में हो, एयर स्ट्रिप के रूप में हो या हेलीपोर्ट के रूप में हो।

# राहुल गांधी की आय से अधिक संपत्ति का मामला: हाई कोर्ट ने सीबीआई और ईडी से मांगा जवाब

**नई दिल्ली/लखनऊ।** इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने सीबीआई, ईडी, गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) और अन्य अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित तौर पर अनुपातहीन संपत्ति होने के आरोप वाली एक याचिका पर आठ हफ्तों के भीतर अपना जवाब दाखिल करें।

जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जफर अहमद की डिवीजन बेंच ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर की क्रिमिनल रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। शिशिर खुद कोर्ट में पेश हुए थे। चैंबर में हुई सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश वकील ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को 11 मई के लिखित निर्देशों के आधार पर बताया कि जांच एजेंसी को याचिकाकर्ता की शिकायत मिल गई है और वह आठ हफ्तों के भीतर अपना जवाब दाखिल करेगी।

इसी तरह, ईडी के वकील ने जस्टिस चौहान की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने 9 मई के निर्देशों के आधार पर बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकने वाली इस केंद्रीय एजेंसी को भी शिकायत मिल गई है और वह आरोपों की जांच कर सकती है।

लीलों को रिकॉर्ड करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह उम्मीद की जाती है कि यदि याचिकाकर्ता की शिकायत प्राप्त हुई है, तो शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कानून के अनुसार की जाएगी। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि सीबीआई या ईडी कानून के तहत अनुमत उचित कदम उठा सकती हैं।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इस मामले में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के माध्यम से भारत संघ को अतिरिक्त पक्ष के रूप में शामिल करने की भी अनुमति दी।

इसमें निर्देश दिया गया कि सभी पक्ष, जिनमें नए शामिल किए गए अधिकारी भी शामिल हैं, आठ हफ्तों के भीतर अपने-अपने जवाबी हलफनामे दाखिल करें और याचिकाकर्ता की शिकायत के संबंध में हुई प्रगति का ब्योरा रिकॉर्ड पर रखें।

जस्टिस चौहान की अध्यक्षता वाली बेंच ने आगे आदेश दिया कि मामले में दाखिल की गई पेपर-बुक और दस्तावेज सीलबंद लिफाफे में ही रहें और इलाहाबाद हाई कोर्ट के सीनियर रजिस्ट्रार की सुरक्षित हिरासत में रखे जाएं। इस मामले की अगली सुनवाई 20 जुलाई को तय की गई है और इस पर फिर से इन-चैंबर कार्यवाही के दौरान विचार किया जाएगा।

# मुख्यमंत्री फडणवीस ने मंत्रियों और अधिकारियों को ईंधन बचत के दिए निर्देश: चंद्रशेखर बावनकुले

**मुंबई।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सीएम देवेंद्र फडणवीस बाइक से विधानसभा पहुंचे। इस दौरान उनके काफिले में बहुत कम गाड़ियां शामिल थीं। इसे लेकर महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और अधिकारियों से ईंधन बचत करने के निर्देश दिए हैं।

चंद्रशेखर बावनकुले ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पीएम मोदी की अपील पर मुख्यमंत्री खुद बाइक से विधानसभा पहुंचे और मंत्रिमंडल की बैठक में उन्होंने मंत्रियों को काफिले में गाड़ियों की संख्या कम करने, गैरजरूरी गाड़ियों को हटाने, पीए और अन्य अधिकारियों की गाड़ियों को कम करने और उन्हें मंत्री की ही गाड़ी में जगह देने के लिए निर्देशित किया है।

उन्होंने बताया कि अधिकारियों को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। एयरपोर्ट पर रिसीव करने के लिए पहुंचने वाले लोगों को भी मना कर दिया गया है।

सार्वजनिक कार्यक्रम कम करने, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से मीटिंग करने, अधिकारियों को मंत्रालय में न बुलाने समेत कई निर्देश सीएम ने दिए हैं। इसका पालन करना हमारी जिम्मेदारी है।

चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीएम ने इलेक्ट्रिक व्हीकल और सोलर सिगड़ी का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। उन्होंने कई मुद्दों पर हमें निर्देश दिए हैं।

विपक्ष द्वारा इस अपील को 'नाटक' कहे जाने पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मुख्यमंत्री ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या कम कर दी है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी इलेक्ट्रिक व्हीकर के इस्तेमाल का फैसला लिया है। हम सभी ने ईंधन बचत को लेकर संदेश दिया है। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि बचत से देश चलता है। जो देश में मौजूद है, उसका उपयोग अधिक करना चाहिए। विदेश में पैसा भेजने से बचना चाहिए।

# इंदर सिंह परमार ने दामोह जेल में दो मंजिला बैरक का किया उद्घाटन, कैदियों से की मुलाकात

**दामोह।** मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार गुरुवार को ट्रेन से दामोह पहुंचे, जहां उन्होंने दो मंजिला जेल बैरक का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कैदियों से मुलाकात भी की।

इस दौरान दामोह के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि दामोह की जिला जेल में डबल मंजिला बैरक का लोकार्पण हुआ है। कैदियों का मानवीय पक्ष होता है। उसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने जेलों में सुविधाओं को ठीक करने का फैसला लिया है। जेल में बंद कैदी भी समाज का हिस्सा हैं, और वे किसी कारण से यहां पहुंच गए हैं।

उन्होंने कहा कि जेलों में शिक्षा की भी सुविधाएं दी जा रही हैं। आने वाले समय में हम कैदियों के जीवन में और सुधार लाने के लिए सरकार के जो संकल्प हैं, उनके अनुसार काम करते रहेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी चीजों के इस्तेमाल को बढ़ाने की अपील की है। इसके पीछे बड़ा संदेश यही है कि लोकल चीजों को बढ़ावा दें। इससे देश के लोगों को फायदा होगा। इससे रोजगार बढ़ेगा और आत्मनिर्भर भारत को और आगे बढ़ाएंगे।

# नई रक्षा परियोजनाएं, पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट 'एमका' को मिलेगा बढ़ावा

**नई दिल्ली।** भारत द्वारा विकसित किए जा रहे पांचवीं पीढ़ी के 'एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट' (एमका) के निर्माण में तेजी लाने की तैयारी की जा रही है। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस फाइटर जेट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शुक्रवार को इसी एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के विमान एकीकरण और उड़ान परीक्षण केंद्र की आधारशिला रखी जाएगी। यह पहल आंध्र प्रदेश में की जा रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू 15 मई को आंध्र प्रदेश के श्रीसत्य साईं जिले के पुट्टपर्थी में कई एयरोस्पेस और रक्षा परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं को भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता, स्वदेशी सैन्य तकनीक और आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण को नई गति देने वाला माना जा रहा है। इस दौरान एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के विमान एकीकरण और उड़ान परीक्षण केंद्र की आधारशिला भी रखी जाएगी।

यह अत्याधुनिक सुविधा भारत के स्वदेशी 'उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान' यानी एएमसीए (एमका) प्रोग्राम के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस केंद्र में विमान एकीकरण, परीक्षण, सत्यापन और प्रमाणन से जुड़े कार्य किए जाएंगे। इससे भारतीय फाइटर जेट एमका परियोजना के विकास और परीक्षण प्रक्रिया में तेजी आएगी। 'एमका' भारत की पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी स्टील्थ लड़ाकू विमान परियोजना है। इसे भारतीय वायुसेना की भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अनाकापल्ली जिले के टी. सिरासपल्ली गांव में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की अत्याधुनिक नौसेना प्रणाली निर्माण सुविधा की भी आधारशिला रखेंगे। यह नया परिसर उन्नत जलमग्न हथियार प्रणालियों और नौसैनिक युद्ध प्रणालियों के निर्माण के लिए विकसित किया जाएगा। माना जा रहा है कि यह सुविधा भारतीय नौसेना की बढ़ती सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी और समुद्री सुरक्षा क्षमता को और मजबूत करेगी। इसके अलावा कई निजी रक्षा और प्रौद्योगिकी कंपनियों की परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया जाएगा। इनमें कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड की सहायक कंपनी अग्नेयास्त्रा एनर्जेटिक्स लिमिटेड की डिफेंस एनर्जेटिक्स फैसिलिटी प्रमुख है। यह परियोजना रक्षा क्षेत्र में उन्नत ऊर्जा और विस्फोटक प्रणालियों के स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देगी।

श्रीसत्य साईं जिले के मदाकासिरा में एचएफसीएल लिमिटेड के गोला-बारूद और इलेक्ट्रिक फ्यूज प्लांट की आधारशिला भी रखी जाएगी। यह संयंत्र आधुनिक सैन्य गोला-बारूद और इलेक्ट्रॉनिक फ्यूज निर्माण क्षमता को बढ़ाने में मदद करेगा। कुरनूल में प्रस्तावित ड्रोन सिटी परियोजना का भी शिलान्यास होगा। यह परियोजना ड्रोन प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, विनिर्माण और परीक्षण के लिए एक समर्पित केंद्र के रूप में विकसित की जाएगी। इससे रक्षा, कृषि, निगरानी, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक उपयोगों के लिए ड्रोन तकनीक को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

समारोह के दौरान आंध्र प्रदेश सरकार और विभिन्न रक्षा एवं औद्योगिक संस्थाओं के बीच कई समझौता ज्ञापनों यानी एमओयू पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है। इन समझौतों के माध्यम से राज्य में रक्षा विनिर्माण, एयरोस्पेस निवेश, रोजगार सृजन और उच्च तकनीकी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं से आंध्र प्रदेश देश के प्रमुख रक्षा एवं एयरोस्पेस विनिर्माण केंद्रों में तेजी से उभर सकता है। साथ ही, यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत' और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण के लक्ष्य को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

## नवा रायपुर में जनजातीय संग्रहालय में लगी आग

**रायपुर।** करोड़ों की लागत से नवा राजपूत में बने पूर्णत: वातानुकूलित संग्रहालय में आग लग गई। यह अग्नि विस्फोट के साथ संग्रहालय की छत पर एसी के बाहरी मशीन में लगी। आग तेज थी। गनीमत रही कि आग के पास के अन्य आउटर स्टोर में नहीं लगी। जो इन्टरनेट से जुड़े हुए हैं। इसी प्रकार आग एसी के पाइप लाइन या बिजली कनेक्शन के माध्यम से नीचे संग्रहालय तक भी नहीं पहुँचा। संग्रहालय के कर्मचारियों ने बताया कि आग बुझाने के लिए नवा रायपुर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां रखी गई थीं। जिसे आग बुझाने का कारखाना घंटा लग गया।

## शादी समारोह में हर्ष फायरिंग, रायपुर पुलिस ने दर्ज किया एफआईआर

**रायपुर।** राजधानी में बीते 7 अप्रैल को शादी समारोह में हर्ष फायरिंग के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है. हर्ष फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। बता दें कि 7 अप्रैल को महादेवघाट, रायपुरा स्थित शादी के दौरान हॉल में हर्ष फायरिंग की गई थी। डीडी नगर थाना में शादी में मौजूद व्यक्तियों का जीवन संकट में डालने और लायसेंस का उल्लघंन करने की धारा 30, 125, 3(5) के तहत आरोपी दीपक सिंह एवं अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है।

## समयबद्धता के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों का हुआ सम्मान

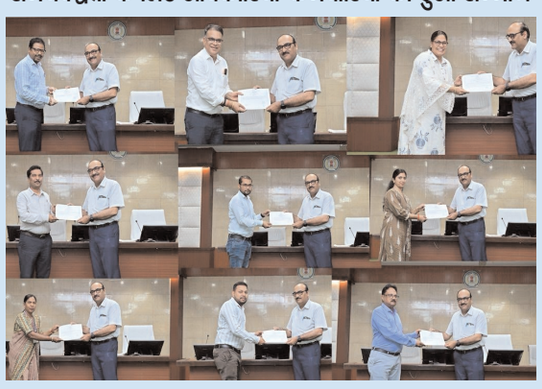



**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय (महानदी भवन) में एक विशेष गरिमामयी कार्यक्रम में मंत्रालयीन अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए। यह सम्मान ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों (नस्तियों) के त्वरित निराकरण और कार्यालयीन समय की प्रतिबद्धता (उपस्थिति) में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया। मुख्य सचिव विकासशील ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ई-ऑफिस न केवल कार्य में पारदर्शिता लाता है, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया को भी गति देता है। उन्होंने समयबद्धता को बेहतर कार्य-संस्कृति का आधार बताया और अन्य कर्मचारियों को भी इनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभाग ई-ऑफिस के प्रभावी उपयोग में मंत्रालय के तीन विभागों ने बाजी मारी। प्रथम स्थान समाज कल्याण विभाग, द्वितीय स्थान गृह विभाग, तृतीय स्थान परिवहन विभाग का रहा। ई-ऑफिस श्रेणी में व्यक्तिगत सम्मान में विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों की सूची इस प्रकार है:- संयुक्त/अपर सचिव भूपेन्द्र कुमार राजपूत (आदिम जाति विकास) प्रथम, अनुपम त्रिवेदी (अल्पसंख्यक विकास) द्वितीय, सचिदानंद आलोक (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) तृतीय स्थान पर रहे।

# छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीलज पर छाया संकट

## राजधानी समेत अन्य जिलों में कई पेट्रोल पंप बंद, नो पेट्रोल नो डीजल के लगे बोर्ड, लोग परेशान

**रायपुर।** राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में पेट्रोल-डीजल की भारी किल्लत हो गई है। सप्लाई नहीं होने से कई पेट्रोल पंप बंद हो चुके हैं, जिसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिन पंपों में पेट्रोल-डीजल मिल रहे वहां गाड़ियों की लंबी कतारें लगी है और लिमिट में पेट्रोल-डीजल दिया जा रहा है।




**बिलासपुर : 13 पेट्रोल पंपों में ईंधन खत्म**

बिलासपुर जिले में भी पेट्रोल-डीजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। जानकारी के अनुसार बिलासपुर के 13 पेट्रोल पंपों में ईंधन पूरी तरह खत्म हो चुका है। कई पंपों पर 'नो पेट्रोल' और 'नो डीजल' के बोर्ड लगाए गए हैं। बाकी बचे पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिल रही है। लोग घंटों इंतजार कर ईंधन भरवा रहे हैं। आम लोगों के साथ-साथ परिवहन, निजी संस्थानों और सरकारी विभागों पर भी इसका असर दिखाई देने लगा है।

**दंतेवाड़ा में गहराया डीजल संकट**

दंतेवाड़ा में डीजल संकट गहरा गया है। अधिकतर पेट्रोल पंपों में डीजल खत्म हो गई है। इसके चलते सुबह से पेट्रोल पंपों में सन्नाटा पसरा हुआ है। डीजल नहीं मिलने से ट्रांसपोर्टर परेशान हैं। मालवाहक वाहन खड़े करने की नौबत आ गई है। सप्लाई प्रभावित होने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। जल्द सप्लाई नहीं पहुंची तो परेशानी बढ़ सकती है।

**महासमुंद : सिर्फ मचेवा पंप में मिल रहा पेट्रोल-डीजल**

महासमुंद में पेट्रोल-डीजल का संकट गहराता जा रहा है। शहर और आसपास संचालित 8 पेट्रोल पंपों में से अधिकांश ड्राई हो चुके हैं। केवल मचेवा स्थित शंकरा फ्यूल्स में सीमित मात्रा में पेट्रोल और डीजल उपलब्ध है, जहां वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिल रही है। शहर के पुष्पा फ्यूल्स और चाणक्य पेट्रोल पंप पहले से बंद हैं, जबकि पुलिस वेलफेयर, उत्तम फ्यूल्स, संगीता फ्यूल्स और ओजस फ्यूल्स का स्टॉक भी खत्म हो चुका है। केवल मचेवा स्थित शंकरा फ्यूल्स में स्टॉक है, जहां लोगों को घंटों लाइन में लगकर पेट्रोल-डीजल लेना पड़ रहा है। पंप संचालक स्टाक लिमिट होने के कारण बाइक को 2 लीटर एवं कार को 05 लीटर पेट्रोल दे रहे हैं।

### प्रदेश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, अफवाहों से बचें : खाद्य सचिव रीना कंगाले

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आम नागरिकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले द्वारा स्पष्ट किया गया है कि प्रदेश के ऑयल डिपो को नियमित रूप से आवश्यकतानुसार पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति हो रही है तथा वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। खाद्य सचिव ने जानकारी दी कि प्रदेश में वर्तमान में कुल 2516 पेट्रोल/डीजल पंप संचालित हैं। राज्य में पेट्रोल का 45,474 किलोलीटर तथा डीजल का 84,654 किलोलीटर स्टॉक उपलब्ध है। वहीं पेट्रोल की दैनिक आवश्यकता 3,635 किलोलीटर तथा डीजल की दैनिक आवश्यकता 5,873 किलोलीटर है। आज प्रदेश के विभिन्न ऑयल डिपो में 6,551 किलोलीटर पेट्रोल तथा 4,760 किलोलीटर डीजल प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि रायपुर शहर में कुल 326 पेट्रोल/डीजल पंप हैं, जिनमें से 35 पंप अस्थायी रूप से ड्राई आउट हैं। इसी प्रकार बिलासपुर शहर में कुल 156 पेट्रोल/डीजल पंप हैं, जिनमें से 13 पंप ड्राई आउट हैं। इन सभी ड्राई आउट पंपों को यथाशीघ्र स्टॉक उपलब्ध कराने के लिए ऑयल कंपनियों के डिपो से लगातार आपूर्ति की जा रही है। विगत दो दिनों में कुछ पेट्रोल/डीजल पंपों के ड्राई आउट होने के कारण अफवाह एवं घबराहट की स्थिति बनी, जिससे आम लोगों द्वारा पेट्रोल एवं डीजल की खपत में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई।

## मुख्य सचिव ने की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा, डेटा आधारित निगरानी पर जोर

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय (महानदी भवन) में विभिन्न विभागों की जनोन्मुखी और महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने पांचवें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन की अनुशंसाओं पर हुई कार्रवाई की जानकारी ली और अधिकारियों को विकास कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।



**डेटा आधारित निगरानी और सुशासन**

ॅमुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुँचना चाहिए। इसके लिए उन्होंने डेटा आधारित निगरानी प्रणाली (Data-driven Monitoring System) को और मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक में सुशासन और प्रौद्योगिकी के माध्यम से क्षमता विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का प्रस्तुतिकरण भी दिया गया।

**शिक्षा और आंगनबाड़ी बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण**

शिक्षा और बच्चों के पोषण को प्राथमिकता देते हुए मुख्य सचिव ने महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिन क्षेत्रों में आंगनबाड़ी भवनों की समस्या है, वहां प्राथमिक शालाओं के अतिरिक्त कक्षों में आंगनबाड़ी संचालित करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कलेक्टरों के साथ समन्वय करने को कहा। समग्र शिक्षा के तहत जिन स्कूलों में कमरों की कमी है, वहां प्राथमिकता के आधार पर अतिरिक्त कक्षों के निर्माण की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

**विभागीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा**

बैठक के दौरान स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, कौशल विकास, खेल एवं युवा कल्याण, तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। साथ ही स्वास्थ्य, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, आदिम जाति विकास, पर्यटन, ऊर्जा और राजस्व जैसे महत्वपूर्ण विभागों की परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया गया। उच्च स्तरीय बैठक में गृह विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक, विधि विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती सुषमा सावंत, आदिम जाति विकास के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार सहित स्कूल शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन, और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

## पूर्व विधायक देवजी भाई का मुख्यमंत्री को पत्र, बस सेवा अनिवार्य करने की मांग



**रायपुर।** पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से दो पन्ने के पत्र में मोदी से मंत्रालय, संचालनालय और नए रायपुर स्थित अन्य कार्यालयों के लिए बस सेवा अनिवार्य करने की अपील की है।

सीएम का ध्यान आकर्षित करते हुए पटेल ने कहा कि महानदी भवन, इंद्रावती भवन और अन्य कार्यालयों में अधिकारी बड़ी संख्या में का उपयोग करते हैं। संकट के इस दौर में पेट्रोल डीजल के खर्च में कमी के लिए सभी अधिकारियों के लिए अन्य कर्मचारियों की तरह की यात्रा में आना-जाना अनिवार्य किया जाए। जब कर्मचारी बैकपैक का उपयोग कर सकते हैं, तो अधिकारियों के लिए अलग से काफिला राज्य के कोषागार में कार्मिक सामान रखा जाता है।

देवजी भाई ने यह भी कहा था कि जिन अधिकारियों को सार्वजनिक परिवहन या बस में यात्रा करने में 'शर्म' महसूस होती है, उन्हें तत्काल 'अनिवार्य सेवानिवृत्ति' (अनिवार्य सेवानिवृत्ति) दे दी जानी चाहिए। राष्ट्र सेवा और राष्ट्र की एकमात्र सीमा पर सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सशस्त्र बलों के अधिकारियों का भी यह कर्तव्य है कि वे संकट के समय निर्देश और मिटव्यिता का परिचय दें। देवजी ने यह भी कहा था कि कागजों में चलने वाली गाड़ियों की संख्या भी सीमित हो जायेगी। मुख्यमंत्री रायपुर से नया रायपुर 50 से 60 कि.मी. (आना-जाना) एक सरकारी गाड़ी पर रोजाना करीब 5 से 6 लीटर पेट्रोल का खर्च यानी 600 रुपये का खर्च होता है। इस प्रकार एक अधिकारी की गाड़ी पर शासन प्रतिमाह करीब 125 से 150 लीटर डीजल खर्च होता है यानी लगभग 14,000 रुपये सिर्फ पेट्रोल-डीजल पर खर्च होता है।

## कृषि विश्वविद्यालय का ग्यारहवां दीक्षांत समारोह आज

**रायपुर।** इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर का ग्यारहवां दीक्षांत समारोह कल दिनांक 15 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा। कृषि महाविद्यालय रायपुर स्थित कृषि मंडपम में प्रात: 11 बजे से आयोजित इस दीक्षांत समारोह में 1 हजार 880 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जाएगी। दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री रमेन डेका की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम मौजूद रहेंगे। दीक्षांत समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व निर्देशक डॉ. अशोक कुमार सिंह दीक्षांत भाषण देंगे। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल विद्यार्थियों को दीक्षोपदेश देंगे। दीक्षांत समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण, 7 रजत एवं 2 कांस्य पदक प्रदान किये जाएंगे। इस दौरान भव्य दीक्षांत शोभायात्रा भी निकाली जाएगी।

ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में कृषि विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पदक एवं उपाधियाँ वितरित की जाएँगी। स्नातक कृषि पाठ्यक्रम के 1234 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएँगी। स्नातकोत्तर स्तर पर 518 एवं पी.एचडी. स्तर पर 128 पंजीकृत विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए अकादमिक परिधान निर्धारित किया गया है। छात्र कोसे रंग अथवा ऑफ वाईट रंग का कुर्ता तथा सफेद पायजामा पहनेंगे, वहीं छात्राएं कोसे रंग या ऑफ वाईट रंग की साड़ी पहनेंगी। दीक्षांत समारोह के अतिथि कोसे रंग का जैकेट पहनेंगे। दीक्षांत समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, प्रबध मण्डल, विद्या परिषद तथा प्रशासनिक परिषद के सदस्यों सहित विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष भी शामिल होंगे।

## आइकॉन सोलर ने पूरे किए गौरवशाली 12 साल

**रायपुर।** मई 2014 को छत्तीसगढ़ की धरती से एक छोटे से सपने, अटूट विश्वास और स्वच्छ ऊर्जा के संकल्प के साथ शुरू हुई 'आइकॉन सोलर-एन पावर टेक्नोलॉजीज़ प्रा. लि.' आज अपने 12 गौरवशाली वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा पूर्ण कर रही है। यह सफर केवल एक उद्योग की सफलता नहीं, बल्कि मेहनत, समर्पण, विश्वास और निरंतर विकास की जीवंत कहानी है।



एक छोटे से उत्पादन संयंत्र से प्रारंभ हुई हमारी यात्रा आज अत्याधुनिक पूर्णत: स्वचालित निर्माण इकाइयों, उन्नत तकनीकों तथा 3.2 गीगावॉट वार्षिक उत्पादन क्षमता तक पहुँच चुकी है। पॉलीक्रिस्टलाइन मॉड्यूल से शुरू होकर आज अत्याधुनिक टॉपकॉन त्र2त्र एवं त्र12क्र श्रृंखला के सोलर मॉड्यूल निर्माण तक का यह परिवर्तन हमारे निरंतर नवाचार और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज 'आइकॉन सोलर' केवल भारत ही नहीं, बल्कि अपने सम्मानित वितरकों एवं व्यावसायिक सहयोगियों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भी अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। हमारे सोलर मॉड्यूल देश की सीमाओं से आगे बढ़कर विभिन्न देशों तक पहुँच रहे हैं और 'मेड इन इंडिया' की गुणवत्ता, विश्वसनीयता एवं तकनीकी क्षमता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हमारे पूरे परिवार की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं अपने समर्पित कर्मचारियों, इंजीनियर्स, वितरकों, डीलर्स, व्यावसायिक सहयोगियों, विक्रेताओं, सप्लायर्स एवं उन सभी ग्राहकों का, जिन्होंने हर परिस्थिति में हम पर विश्वास बनाए रखा और हमारी इस यात्रा का अभिन्न हिस्सा बने।

आप सभी के सहयोग, विश्वास और साथ ने ही 'आइकॉन सोलर' को 'छत्तीसगढ़ से वैश्विक मंच' तक पहुँचाने की शक्ति दी है। आने वाले वर्षों में भी हम स्वच्छ ऊर्जा, उच्च गुणवत्ता, नवीन तकनीक और राष्ट्र निर्माण के अपने संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे।

## फसलों में खरपतवार रोकने के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने बनाई रणनीति

**रायपुर।** इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की त्रिदिवसीय 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक का आज यहां समापन हुआ। बैठक के तृतीय दिवस में उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों के साथ विशेष संवाद सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान खरपतवार प्रबंधन से संबंधित आधुनिक तकनीकों, कृषि उपयोगी उत्पादों, नवाचारों एवं अनुसंधान आधारित समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। उद्योग प्रतिनिधियों ने कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों के उपयोग, प्रभावी खरपतवार नियंत्रण उपायों तथा किसानों तक उन्नत तकनीक पहुंचाने के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। इस तीन दिवसीय समीक्षा बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न फसलों को हानि पहुंचाने वाले खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण की विभिन्न विधियों पर सारगर्भित चर्चा की तथा फसलों को इनसे होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने हेतु मंथन किया। इस दौरान विभिन्न रासायनिक खरपतवारनाशकों से मिट्टी, जल एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की गई और इसे रोकने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। हानिकारक हर्बिसाइड के उपयोग को सीमित करते हुए खरपतवार प्रबंधन की वैकल्पिक विधियों को प्रोत्साहन देने पर जोर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आगामी 12 से 14 मई 2026 तक अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना' की 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (ह्रञ्जरू) डॉ. ए. के. नायक द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में किया गया। यह परियोजना देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में फसलों में खरपतवार नियंत्रण पर अनुसंधान तथा नवीनतम तकनीकों के विकास एवं उनके किसानों के बीच प्रसार हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जबलपुर स्थित खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के माध्यम से चलाई जा रही है।

इस समीक्षा बैठक में देश भर के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालय में संचालित 17 प्रमुख केंद्रों, तथा 7 स्वयंसेवी केंद्रों में खरपतवार अनुसंधान में लगे कार्यरत वैज्ञानिकों के अलावा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (ड्ड), ड्डष्टक्रसंस्थानों तथा हर्बीसाइड उद्योगों लगभग 100 वैज्ञानिकों के शामिल हुए। समीक्षा बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 में किए गए अनुसंधान कार्यों एवं विस्तार गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों की समीक्षा की गई तथा आगामी दो वर्षों के लिए तकनीकी कार्यक्रम पर गहन विचार विमर्श करते हुए अंतिम रूप दिया गया।

## राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला ने कांग्रेस नेताओं से की मुलाकात

**आईपीएल मैच देखने के लिए रायपुर पहुंचे थे**

**रायपुर।** नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बुधवार को खेले गए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के मुकाबले को देखने बीसीसीआई उपाध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला रायपुर पहुंचे थे। मैच का रोमांच देखने के बाद गुरुवार को वे कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन पहुंचे, जहां उन्होंने कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदू से संगठन और छत्तीसगढ़ के विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की।

राजीव भवन में कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत किया और कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस दौरान राज्य के राजनीतिक मुद्दों को लेकर भी बातचीत हुई। इस बीच राजीव शुक्ला से मुलाकात करने कांग्रेस के कई वरिष्ठ और दिग्गज नेता राजीव भवन पहुंचे। बता दें कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले में बेंगलुरु ने केकेआर को 6 विकेट से हरा दिया। रायपुर के मैदान में विराट कोहली ने नाबाद 105 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है।

## संक्षिप्त खबरें

# सीबीएसई 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों का भिलाई इस्पात संयंत्र में सम्मान

**दुर्ग जिले के टॉपर आयुष प्रिया और शहर की तृतीय रैंक प्राप्त अर्पिता यादव**

**भिलाई।** स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के भिलाई स्टील प्लांट द्वारा शिक्षा एवं प्रतिभा प्रोत्साहन की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल करते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इस्पात भवन में आयोजित सम्मान समारोह में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने मेधावी छात्र आयुष प्रिया एवं छात्रा अर्पिता यादव को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं विभाग) ए. बी. श्रीनिवास, महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जे. एन. ठाकुर, महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सौमिक डे तथा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 की प्राचार्य सुमिता सरकार सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी एवं विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली पब्लिक स्कूल, भिलाई के छात्र आयुष प्रिया ने सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 99.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दुर्ग जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं, सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 की छात्रा अर्पिता यादव ने 97.20 प्रतिशत अंक अर्जित कर शहर में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आयुष प्रिया, जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव प्रिया के पुत्र हैं। उन्होंने संवाद के दौरान बताया कि वे आगे चलकर बैचलर ऑफ साइंस इन इकोनॉमिक्स के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। वहीं अर्पिता यादव ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में आगे बढ़ने की इच्छा व्यक्त की। राष्ट्रीय स्तर की कराटे प्रतिभागी रह चुकी अर्पिता को स्केचिंग, पेंटिंग एवं हैंडीक्राफ्ट में विशेष रुचि है।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने विद्यार्थियों की सफलता को उनके परिश्रम, अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अभिभावकों एवं शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन ने विद्यार्थियों को इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने दोनों विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम को भिलाई इस्पात संयंत्र की शिक्षा, प्रतिभा संवर्धन एवं युवा प्रोत्साहन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

# शादी का झांसा देकर नाबालिग से अनाचार, आरोपी गिरफ्तार

**कांकेर।** जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवक ने नाबालिग को शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ अनाचार किया। जब नाबालिग ने शादी करने की बात कही तो युवक अपने वादे से मुकर गया। नाबालिग के पिता ने तुरंत मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की।

प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना कांकेर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1), 64(2), 65(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी की पता तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने ग्राम धनोरा, जिला कोंडागांव में घेराबंदी की। इसके बाद आरोपी समीर नाग को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी समीर नाग ने नाबालिक के साथ इस कृत्य को करने की बात स्वीकार की। आरोपी समीर नाग निवासी धनोरा, जिला कोंडागांव को गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल कर दिया है।

# संपत्ति विवाद में एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

**जांजगीर-चांपा।** जिले के भवंतरा गांव में चार लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि इस जघन्य हत्याकांड की साजिश के तहत रची और मुख्य मृत व्यक्ति का बेटा निकला था।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान मेदनी प्रसाद कश्यप, पितांबर कश्यप, शांति बाई और कुमारी मोगरा के रूप में हुई है। यह पूरी तरह से सार्वभौमिक संपत्ति विवाद से जुड़ी हुई बताई जा रही है, जो लंबे समय से चल रही थी।

जांच में खुलासा हुआ कि मृतक के बेटे सोना साय कश्यप ने अपने बेटे के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया। आरोप है कि संपत्ति को लेकर विवाद लगातार बढ़ रहा था, जिसके बाद यह संकटपूर्ण कदम उठाया गया।



पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक नाबालिग का आपराधिक इतिहास भी सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि वह पहले भी अपने बड़े भाई की हत्या के मामले में दोषी ठहराई गई थी और करीब 15 साल जेल में रही थी और उसके बाद हाल ही में रिहा हो गई थी।

घटना का खुलासा उस समय हुआ जब गुरुवार की सुबह पठारी मकान में मिस्त्री ने चार शव देखे और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद परमाणु पुलिस, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने जांच शुरू की। जांच पुलिस ने मामले में पूछताछ शुरू कर दी है और अन्य आरोपियों की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद गांव में तनाव और तनाव का माहौल बन गया। बता दें कि संपत्ति को लेकर पिछले कई दिनों से परिवार में तनाव का माहौल देखा जा रहा था, जो घटना के स्वरूप में सामने आया है।

# तीन मजदूरों की मौत के मामले में बीएसपी के दो अधिकारी निलंबित

**बालोद।** छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के दल्ली राजहरा में सीवरेज पाइप लाइन निर्माण कार्य के दौरान हुए दर्दनाक हादसे के बाद क्ष्स्क ने बड़ी कार्रवाई की है। गड्ढे में दबने से तीन मजदूरों की मौत के मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में Steel Authority of India Limited (SAIL) के अधीन संचालित भिलाई इस्पात संयंत्र के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया है, जबकि पुलिस भी पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है। दल्ली राजहरा क्षेत्र में सीवरेज पाइप लाइन डालने का कार्य चल रहा था। इसी दौरान गहरे गड्ढे में काम कर रहे मजदूर अचानक मिट्टी धंसने से उसके नीचे दब गए। हादसा इतना भयावह था कि तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और मजदूरों के परिजनों में भारी आक्रोश फैल गया।

# कोयला गैसीकरण को मिली नई गति : केंद्र सरकार की 37,500 करोड़ की योजना को मंजूरी

**बिलासपुर।** प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में सतही(सरफेस) कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी प्रदान की है। यह योजना वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन कोयला गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य को गति देने, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने तथा एलएनजी, यूरिया, अमोनिया और मेथेनॉल जैसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।



इस योजना के अंतर्गत लगभग 75 मिलियन टन कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के तहत नई परियोजनाओं को प्लांट एवं मशीनरी लागत का अधिकतम 20 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। परियोजनियों का चयन पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

केंद्र सरकार द्वारा कोयला गैसीकरण क्षेत्र में दी जा रही इस नई गति का प्रभाव देश की प्रमुख कोयला कंपनियों में भी दिखाई दे रहा है। इसी क्रम में साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (स्श्वष्टरु) द्वारा भी कोयला गैसीकरण की संभावनाओं पर कार्य किया जा रहा है। स्श्वष्टरु के भटगांव क्षेत्र स्थित महामाया खदान में कोल गैसीफिकेशन की संभावनाओं का परीक्षण एवं अध्ययन किया जा रहा है। यह पहल भविष्य में कोयले के वैकल्पिक एवं स्वच्छ उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कोयला गैसीकरण तकनीक के माध्यम से कोयले को 'सिंथेसिस गैस' (स्4ठ्ठद्दड्डह्य) में परिवर्तित किया जाता है, जिसका उपयोग उर्वरक, रसायन, ईंधन तथा अन्य औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में किया जा सकता है। इससे न केवल आयातित ईंधनों पर निर्भरता घटेगी, बल्कि देश में वैल्यू एडिशन एवं औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

# आम के ट्रे में हो रही थी गांजा तस्करी

## 1.3 करोड़ का गांजा जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

**जशपुर।** छत्तीसगढ़ की जशपुर पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पिकअप वाहन से एक करोड़ रुपए से ज्यादा का गांजा बरामद किया है, जिसे आम के ट्रे के बीच में छिपाकर ओडिशा ले जाया जा रहा था। इसी के साथ ही एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। यह पूरा मामला कांसाबेल थाना अंतर्गत दोकड़ा चौकी क्षेत्र का है।



**विशेष अभियान ऑपरेशन आघात जारी**

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ लाल उमेद सिंह के नेतृत्व में नशे के सौदागरों के खिलाफ विशेष अभियान ऑपरेशन आघात चलाया जा रहा है, जिसके तहत जशपुर पुलिस लगातार नशे के कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में दोकड़ा चौकी क्षेत्र में एक पिकअप वाहन से दो क्विंटल से ज्यादा गांजा सहित एक आरोपी को पकड़ा है।

**कब और कैसे हुई कार्रवाई ?**

दरअसल, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सफेद रंग के पिकअप वाहन में गांजे की तस्करी की जा रही है, जिसके बाद एक्शन में आई टीम ने देवरी गांव के पास नाकेबंदी की। इस दौरान तस्कर पुलिस की नाकेबंदी देखकर गाड़ी लेकर भागने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे बगिया दोकड़ा मुख्य मार्ग के पास पकड़ लिया।

**कैसे की जा रही थी तस्करी ?**

पुलिस की टीम ने जब उस वाहन की चेकिंग की, तो आम के ट्रे के बीच में 207 पैकेट 207 किलो गांजा मिला। इस गांजे को टेप में लपेटकर छिपाया गया था, जिसकी कीमत 1 करोड़ 3 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। साथ ही पिकअप वाहन, एक मोबाइल और 550 रुपए नगद जब्त किया गया है।

**कहां से कहां हो रही थी तस्करी ?**

वही पुलिस ने बगीचा थाना क्षेत्र के विमड़ा गांव में रहने वाले प्रेम नाथ सिंह (36) को भी गिरफ्तार किया है। टीम ने जब उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने गांजा को ओडिशा के सुंदरगढ़ से लाया था, जिसे वो अंबिकापुर लेकर जा रहा था और वहां से एक अन्य व्यक्ति उस गांजा को उत्तर प्रदेश लेकर जाने वाला था।

# साप्ताहिक मिलन हिंदू समाज को संगठित करने का प्रमुख केंद्र : नाग

**जगदलपुर।** बजरंग दल के प्रांत संयोजक शुभम नाग का गुरूवार को एक दिवसीय बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर स्थित सीताराम शिवालय में एक बैठक आहूत की गई थी। बैठक की शुरुवात संघठन के पद्धति के अनुसार दीप प्रज्ज्वलित कर ब्रह्मनाद एवं विजय महामंत्र के पश्चात शुभम नाग ने कार्यकर्ताओं को अपने उद्बोधन में युवाओं को संगठन से जुड़कर राष्ट्र एवं धर्म सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होने कहा कि बजरंग दल की ध्येय वाक्य सेवा, सुरक्षा, संस्कार है, जिस पर बजरंग दल पर कार्य करता है।



बजरंग दल हिंदू समाज की अपमान कतई बर्दाश्त नहीं करेगा उन्होंने विशेष रूप से साप्ताहिक मिलन केंद्र को और मजबूती से करने को कहा क्यों कि साप्ताहिक मिलन हिंदू समाज को संगठित करने का प्रमुख केंद्र है, इससे मठ मन्दिरों की सुरक्षा भी होगी। प्रांत संयोजक शुभम नाग ने कहा कि बस्तर में हो रहे अवैध कफन दफन के मामले आए दिन देखने को मिलते है ईसाई मिशनरी जानबूझकर गांव का माहौल खराब करने में कार्य करता है, और कई बार कांकेर आमाबेड़ा, नारायणपुर जैसे अप्रिय घटनाओं को अंजाम देने के फिराक में रहते है। जिससे प्रदेश का छवि धूमिल होती है।

बस्तर क्षेत्र माता दंतेश्वरी माता मावली की पवित्र भूमि है, जिसमें भगवान राम ने वनवास काल में अपनी वनवास काल अधिकता समय यही पर काटी बस्तर देवी देवताओं की भूमि है यहां के लोग माटी को अपनी मां मानते है, मां के साथ कोई खिलवाड़ करे बर्दास्त योग्य नहीं है। माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करना चाहिए मिशनरी अपने हरकतों से बाज आ जाए अन्यथा भोगने के लिए तैयार रहे। बैठक के दौरान संघठन की आगामी कार्य योजना एवं गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा कर रायपुर में होने वाले बजरंग दल प्रशिक्षण वर्ग में सभी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण लेने का आग्रह किया। विभाग संयोजक सिकंदर कश्यप ने बस्तर में हो रहे अवैध धर्मांतरण का पुरजोर विरोध करके कहा कि बजरंग दल अब बर्दाश्त करने वाला नहीं है हमारे आदिवासी समाज को गुमराह करना बंद करे। जिला बस्तर शंकर लाल गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं को धर्म विरोधी तत्व जैसे लोगों को निपटने के लिए हमेशा तत्पर रहने को कहा।

# वरिष्ठ भाजपा नेता व अपैक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष महावीर सिंह राठौड़ का निधन

**कांकेर।** भाजपा के वरिष्ठ नेता व व अपैक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष महावीर सिंह राठौड़ का बुधवार की देर रात निधन हो गया। उनके निधन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, पूर्व मुख्यमंत्री व छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डा. रमन सिंह समेत कई बड़े नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महावीर सिंह राठौड़ के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राठौड़ ने अपने सार्वजनिक जीवन में हमेशा संगठन और समाज सेवा के लिए समर्पित भाव से काम किया। उनका सरल, सहज और कर्मठ व्यक्तित्व हमेशा लोगों की स्मृतियों में जीवित रहेगा। अपने शोक संदेश में कहा कि महावीर सिंह राठौड़ का निधन न सिर्फ भाजपा, बल्कि पूरे राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने भगवान श्रीराम से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डा. रमन सिंह ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि राजनीतिक जीवन से अलग उनका महावीर सिंह राठौड़ से आत्मीय संबंध था। उनका मिलनसार स्वभाव और संगठन के प्रति समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि राठौड़ का निधन उनके लिए व्यक्तिगत क्षति है।

# बिलासपुर में एसएसपी का एक्शन मोड ऑन... सड़कों पर गुंडागर्दी करने वालों पर सीधा प्रहार, 513 पर कार्रवाई से मचा हड़कंप

**बिलासपुर।** शहर की सड़कों पर गुंडागर्दी करने वालों, चाकू लेकर दहशत फैलाने वालों, शराब पीकर उत्पात मचाने वालों और कानून की धज्जियां उड़ाने वालों के लिए अब बिलासपुर में कोई जगह नहीं बची है। एसएसपी रजनेश सिंह के सख्त निर्देश के बाद पुलिस ने ऐसा 'एक्शन मोड' दिखाया है कि असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है। अप्रैल 2026 से 12 मई 2026 तक जिलेभर में कुल 513 व्यक्तियों/प्रकरणों पर वैधानिक और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

**सड़कों पर उतरा पुलिस का अभियान, बदमाशों में दहशत**

अभियान के दौरान जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग मचाने वालों, शराबखोरों, निगरानी बदमाशों और बिना नंबर प्लेट वाहनों पर चलने वालों को टारगेट किया। कई जगहों पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए बदमाशों की 'खातिरदारी' भी की और उठक-बैठक कराकर सरेआम माफी मंगवाई, ताकि जनता में सुरक्षा का भरोसा मजबूत हो और अपराधियों में पुलिस का खौफ कायम रहे।

थाना सिविल लाइन में धारा 151 के तहत 55, धारा 107/116 के 76, आर्म्स एक्ट के 11, धारा 128 के 09 और धारा 129 के 08 मामलों में कार्रवाई की गई। थाना कोतवाली में धारा 151 के 21, धारा 107/116 के 93 और आर्म्स एक्ट के 02 प्रकरण दर्ज हुए।



थाना तोरवा क्षेत्र में धारा 151 के 11, आर्म्स एक्ट के 03 और चाकूबाजी के 02 मामले सामने आए। थाना सरकंडा में सबसे अधिक कार्रवाई दर्ज की गई, जहां धारा 151 के 55, धारा 107/116 के 130 और आर्म्स एक्ट के 15 मामलों में कार्रवाई हुई।

थाना कोनी में धारा 151 का 01 मामला, चकरभाठा में धारा 151 के 13 और आर्म्स एक्ट का 01 मामला तथा सिरगिट्टी में धारा 151 के 03 और आर्म्स एक्ट के 04 मामलों में कार्रवाई की गई।

**पुलिस का एक्शन अवतार और सख्त संदेश**

एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान में पुलिस ने साफ कर दिया है कि शहर में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों, हथियार लेकर घूमने वालों और दहशत फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस का स्पष्ट संदेश है— 'या तो सुधर जाओ, वरना सड़कों पर ही हिसाब होगा।'

**शहर में लौट रहा भरोसा, लोगों ने ली राहत की सांस**

लगातार बढ़ती चाकूबाजी, सड़क पर हुड़दंग और असामाजिक गतिविधियों के बीच पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से आम जनता ने राहत की सांस ली है। लोगों का कहना है कि इस अभियान से शहर में डर नहीं, बल्कि कानून का राज मजबूत हो रहा है।

# शराब दुकान बंद करने तीन गांव के ग्रामीण धरने पर बैठे

**राजनांदगांव।** गेंदाटोला स्थित शराब दुकान को बंद करने की मांग लेकर लुलीकसा, लोनाटोला और कोयलारी के ग्रामीण गुरुवार को धरने पर बैठ गए। हालांकि शराब दुकान के मुद्दे को लेकर गैंदाटोला के लोग समर्थन में है। बताया जा रहा है कि प्रदर्शन की वजह से पुलिस ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। प्रदर्शनकारियों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक गैंदाटोला में शराब दुकान बंद कराने को लेकर ग्रामीणों के बीच मतभेद उभरे हैं। तीन गांव के लोगों ने शराब दुकान बंद कराने के लिए सीधे प्रशासन से मांग की है। आवाज उठाने वाले लुलीकसा, लोनाटोला और कोयलारी के ग्रामीण शराब दुकान के संचालन से गांव में माहौल खराब होने की शिकायत कर रहे हैं। प्रशासन से भी लिखित तौर पर उक्त गांव के ग्रामीणों ने शराब दुकान बंद करने की मांग की थी। जबकि गैंदाटोला के रहवासी इस मामले को लेकर मौन साधे हुए हैं। पिछले दिनों गैंदाटोला के लोगों ने खुलकर शराब दुकान संचालन के लिए सहमति जताई थी।

## संपादकीय

# नीट पेपर लीक विवाद और टूटता परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा

महेन्द्र तिवारी

देश में हर साल करोड़ों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं। कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, कोई सरकारी अधिकारी। इन परीक्षाओं के साथ केवल अंक नहीं जुड़े होते, बल्कि परिवारों की उम्मीदें, कई वर्षों की मेहनत और भविष्य की दिशा भी जुड़ी होती है। यही कारण है कि जब किसी बड़ी परीक्षा में पेपर लीक होने की खबर आती है तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो जाते हैं। हाल के वर्षों में नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा को लेकर जो विवाद सामने आए, उन्होंने लाखों छात्रों का भरोसा हिला दिया।

फिजिक्स वाला के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अलख पांडे ने दावा किया कि बच्चों से लगातार ऐसी बातें सुनने को मिल रही थीं कि 50,000 रुपये में पेपर उपलब्ध कराया जा रहा है। बाद में अलग अलग जांचों और मीडिया रिपोर्टों में इससे भी बड़े दावों की चर्चा हुई। कुछ जगहों पर कथित तौर पर 10 लाख से 25 लाख रुपये तक में प्रश्नपत्र बेचे जाने की बात सामने आई। बिहार पुलिस की शुरुआती जांच में यह भी कहा गया कि कुछ अभ्यर्थियों से 30 लाख से 50 लाख रुपये तक लिए गए। यह पूरा मामला केवल एक परीक्षा का विवाद नहीं रहा, बल्कि इसने देश की परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर कर दिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब परीक्षा केंद्र के बाहर छात्रों की इतनी कड़ी जांच होती है तो फिर प्रश्नपत्र लीक कैसे हो जाता है। परीक्षा देने पहुंचे छात्र को कई स्तरों की जांच से गुजरना पड़ता है। प्रवेश पत्र की जांच होती है। पहचान पत्र मिलाया जाता है। बायोमेट्रिक सत्यापन होता है। मेटल डिटेक्टर से जांच होती है। जूते तक उतरवाए जाते हैं। लड़कियों के हेयर क्लिप और लड़कों की बेल्ट तक जांची जाती है। कई जगहों पर पानी की बोतल तक पारदर्शी रखने की शर्त होती है। छात्रों को घड़ी, मोबाइल, ब्लूटूथ, पेन ड्राइव जैसी चीजें ले जाने की अनुमति नहीं होती।

इतनी सख्ती के बाद भी यदि पेपर लीक हो जाता है तो इसका अर्थ साफ है कि समस्या परीक्षा केंद्र के बाहर कम और व्यवस्था के भीतर ज्यादा है। असली कमजोरी वहां है जहां प्रश्नपत्र तैयार होता है, छपता है, पैक होता है, भेजा जाता है और परीक्षा शुरू होने तक सुरक्षित रखा जाता है।

एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा का प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया बहुत लंबी होती है। सबसे पहले विशेषज्ञों की टीम प्रश्न तैयार करती है। फिर उनका चयन और संपादन होता है। उसके बाद अंतिम प्रश्नपत्र तैयार किया जाता है। फिर उसे गोपनीय तरीके से छपाई केंद्र तक भेजा जाता है। वहां प्रिंटिंग होती है। इसके बाद पैकेजिंग और सीलिंग होती है। फिर अलग अलग राज्यों और जिलों तक ट्रांसपोर्ट के जरिए पहुंचाया जाता है। परीक्षा केंद्रों में इन्हें मजबूत कमरों में रखा जाता है। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले सील खोली जाती है।

यही पूरी यात्रा सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। इस दौरान यदि किसी एक चरण में भी मिलीभगत हो जाए तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था बेकार हो जाती है। समस्या यह है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। प्रश्नपत्र बनाने वाले विशेषज्ञ, तकनीकी कर्मचारी, प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी, ट्रांसपोर्ट एजेंसियां, प्रशासनिक अधिकारी, केंद्र अधीक्षक, गोदाम कर्मचारी और कई अन्य लोग। जितने अधिक लोग जुड़ेंगे, उतना अधिक रिसाव का खतरा रहेगा।

नीट मामले में अलग अलग प्रकार के दावे सामने आए। कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि परीक्षा से पहले कुछ कोचिंग संस्थानों द्वारा बांटे गए प्रश्नों का बड़ा हिस्सा असली पेपर से मेल खा रहा था। कुछ जगहों पर टेलीग्राम चैनलों और सोशल मीडिया समूहों में प्रश्नपत्र बिकने की चर्चा हुई। कुछ गिरफ्तारियों में ऐसे लोगों का नाम सामने आया जो खुद छात्र थे या काउंसलिंग से जुड़े काम करते थे। बिहार और अन्य राज्यों में पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया। बाद में जांच केंद्रीय एजेंसी तक पहुंची।

इस पूरे विवाद में एक और बात ने छात्रों को परेशान किया। लाखों छात्रों के बीच अचानक असामान्य रूप से अधिक टॉपर सामने आए। कुछ छात्रों को 718 और 719 जैसे अंक मिले, जिसने लोगों को हैरान कर दिया क्योंकि परीक्षा के अंकन पैटर्न में ऐसे अंक सामान्य रूप से संभव नहीं माने जाते। बाद में ग्रेस मार्क्स को लेकर भी विवाद हुआ। सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचा। अदालत ने परीक्षा की पवित्रता पर सवाल उठाए और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी से जवाब मांगा। हालांकि बाद में अदालत ने यह भी कहा कि पूरे देश में बड़े स्तर पर लीक के पर्याप्त प्रमाण नहीं मिले।

लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे लीक सीमित स्तर पर हुआ हो या बड़े स्तर पर, भरोसा एक बार टूट जाए तो उसे वापस बनाना बहुत कठिन होता है। लाखों छात्र यह सोचने लगते हैं कि उनकी मेहनत कहीं किसी पैसे वाले या प्रभावशाली व्यक्ति के सामने कमजोर तो नहीं पड़ जाएगी। यही डर सबसे बड़ी क्षति है।

पेपर लीक का कारोबार अब संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें केवल एक व्यक्ति शामिल नहीं होता। कई बार पूरा गिरोह सक्रिय होता है। कुछ लोग छात्रों तक पहुंचते हैं। कुछ लोग प्रश्नपत्र के स्रोत तक पहुंचते हैं।

# प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर राजनीति कितनी जायज

उमेश चतुर्वेदी

रिजर्व बैंक और कारोबारी आंकड़ों के अनुसार मौजूदा वित्त वर्ष में भारत ने कुल 775 अरब डॉलर का आयात किया। इस आयात में सिर्फ चार प्रमुख वस्तुओं की हिस्सेदारी 240.7 अरब डॉलर रही। इसमें सबसे ज्यादा खर्च कच्चे तेल पर रहा। आंकड़ों के अनुसार, देश ने अकेले क्रूड ऑयल आयात पर ही करीब 134.7 अरब डॉलर खर्च किए हैं।

भारतीय परंपरा में आभूषणों को सिर्फ पहनने या सौंदर्य बढ़ाने के लिए ही इस्तेमाल नहीं किया जाता रहा है। भारतीय परिवारों के लिए सोना-चांदी आदि के गहने बुरे वक्त के लिए एक तरह से संचित निधि की भूमिका निभाते रहे हैं। यही वजह है कि भारतीय परिवार शादी-विवाह के मौके पर सोने-चांदी के गहने खरीदने में दिलचस्पी दिखाते रहे हैं। भारतीय गृहिणियों की कमजोरी और सौंदर्य का जरिया रहा यह सोना भी विवादों में आ गया है। इसकी वजह है, प्रधानमंत्री मोदी की अपील, जिसमें उन्होंने लोगों से एक साल तक के लिए सोने की गैरजरूरी खरीद को टालने की अपील की है। प्रधानमंत्री की इस अपील के अपने मायने हैं और जरूरत भी। अव्वल तो इस पर विपक्षी दलों का सहयोग मिलना चाहिए था, लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मसले पर सरकार को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है कि सरकार चलाने में नाकामी के चलते प्रधानमंत्री लोगों से यह खरीदो और यह ना खरीदो की अपील कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के बयान के पीछे 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद उपजे हालात हैं। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर संकट उठ खड़ा हुआ है। चूंकि होमुर्ज जलडमरू मध्य पर ईरान का कब्जा है और अमेरिकी हमले के विरोध में उसने इसके जरिए सहज तरीके से आवाजाही पर रोक लगा रखी है, इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति का संकट खड़ा हो गया है। इसकी वजह से जहां पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति महंगी हुई है, वहीं सोने की वैश्विक स्तर पर कीमतें लगातार बढ़ने से उसका भी आयात महंगा हुआ है। देश ही नहीं, आज पूरी दुनिया के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा जरिया पेट्रोलियम पदार्थ ही हैं। इसके अलावा रासायनिक खादों बनाने के लिए भी पेट्रोलियम पदर्थों को ही कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। वैश्विक सप्लाई कमजोर होने के चलते इन सबके आयात पर होने वाले भारी खर्च के चलते भारत का विदेशी मुद्रा भंडार इन दिनों लगातार कम होता जा रहा है। प्रधानमंत्री की अपील इसी भंडार को बचाने के लिए भारत में सबसे ज्यादा आयात खर्च पेट्रोलियम पदार्थ, खाद्य तेल, सोना और रासायनिक उर्वरकों का है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश ने वित्त वर्ष 2025-26 में इन्हीं चार वस्तुओं के आयात पर करीब 240 अरब डॉलर यानी भारतीय मुद्रा में करीब 20 लाख करोड़ से अधिक का खर्च किया है। जो देश के कुल आयात बिल का करीब एक तिहाई है। इसका असर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहा है। जो लगातार कम होता जा रहा है। एक मई को खत्म हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7.7 अरब डॉलर से घटकर महज 690 अरब अमरीकी डॉलर रह गया। भारतीय रिज़र्व बैंक के मुताबिक, देश के स्वर्ण भंडार में भी कमी आई, जो पांच अरब डॉलर घटकर 115 अरब डॉलर हो गया। भारत की निधियों के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भी इस सप्ताह में 2.7 अरब डॉलर घटकर 551 अरब डॉलर ही रह गई। इसी तरह देश का विशेष यानी ट्राजेक्शन अधिकार भी करीब 1.5 अरब डॉलर बढ़कर 18.78 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास

भारत जो आरक्षित आर्थिक भंडार है, उसमें भी गिरावट देखी गई, जो अस्सी लाख डॉलर बढ़कर 4.86 अरब डॉलर हो गई। वैसे तो वैश्विक संकट के चलते दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खा रही हैं। भारत भी उसी में समाहित है। इसी से बचने के लिए प्रधानमंत्री ने एक तरह से मितव्ययिता और खर्च घटाने की अपील की है।

रिजर्व बैंक और कारोबारी आंकड़ों के अनुसार मौजूदा वित्त वर्ष में भारत ने कुल 775 अरब डॉलर का आयात किया। इस आयात में सिर्फ चार प्रमुख वस्तुओं की हिस्सेदारी 240.7 अरब डॉलर रही। इसमें सबसे ज्यादा खर्च कच्चे तेल पर रहा। आंकड़ों के अनुसार, देश ने अकेले क्रूड ऑयल आयात पर ही करीब 134.7 अरब डॉलर खर्च किए हैं। चूंकि पश्चिम एशिया में तनाव की वजह से तेल की कीमतों में भारी उछाल दिख रहा है, इसलिए भारत पर यह खर्च बढ़ गया है। अप्रैल में भारत ने औसतन 114.48 डॉलर प्रति बैरल की दर से कच्चे तेल का आयात किया। इन कीमतों की तुलना पिछले साल की कीमतों से करें तो इसमें भारी उछाल दिखता है। पिछले वित्त वर्ष में देश ने औसतन 70.99 डॉलर प्रति बैरल की दर से आयात किया। भारत अपने खर्च के पेट्रोलियम पदार्थों का 88 फीसद हिस्सा आयात करता है।

जाहिर है कि इस मद में भारत को हर साल अतिरिक्त आर्थिक दबाव झेलना पड़ता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और कार पूलिंग जैसी योजनाओं को अपनाने की लोगों से अपील की है।

भारतीय घरों, विशेषकर गृहिणियों के लिए सोना सबसे बड़ा आकर्षण रहा है। हाल के वर्षों में चूंकि बैंकों में जमा धन पर खास कमाई नहीं हो रही है, उसकी तुलना में सोने में रिटर्न बढ़ रहा है। इस वजह से सोने की मांग में बढ़ोतरी हुई है।

मौजूदा वित्त वर्ष में भारत ने दूसरे नंबर पर विदेशी मुद्रा सोने के आयात में ही खर्च की है। मौजूदा वर्ष में सोने का आयात रिकॉर्ड 72 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह बढ़ोतरी पिछले साल की तुलना में करीब 24 प्रतिशत ज्यादा है। जाहिर है कि इस पर भी भारत को भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करना पड़ रहा है। चूंकि भारत स्विटजरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, पेरू, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात से सोना आयात करता है। इसलिए यहां विदेशी मुद्रा भारी मात्रा में खर्च करनी पड़ती है। वैसे पिछले साल की तुलना में इस साल करीब 4.7 प्रतिशत कम सोना आयात हुआ है। इसकी वजह वैश्विक स्तर पर बढ़ती इसकी कीमतें हैं। फिर भी सोने के प्रति भारतीयों का मोह कम नहीं हुआ है।

इसीलिए प्रधानमंत्री को सोने के गैर जरूरी खरीद को टालने के लिए अपील करनी पड़ी है।

भारत में जितना खाद्य तेल का इस्तेमाल होता है, उसका करीब 57 से 60 प्रतिशत तक का हिस्सा आयात करना पड़ता है। इस मद में भी भारत को भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करना पड़ रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष में ही अब तक विदेशों से वनस्पति तेलों के आयात पर करीब 19.5 अरब डॉलर खर्च करना पड़ा है। चूंकि लोगों के खानपान पर रोक नहीं लगाई जा सकती, फिर खान-पान में कटौती का कसर राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षमता में गिरावट के रूप में नजर आ सकता है। जिसका असर उत्पादन पर भी पड़ेगा। इसलिए इस मद में हो रहे खर्च को रोकना आसान नहीं है। इसलिए प्रधानमंत्री ने खाद्य तेलों के खर्च में कटौती की बात सीधे तौर पर तो नहीं की है, लेकिन यह जरूर कहा है कि लोग खाद्य तेलों का सीमित उपयोग करें। इसी तरह रासायनिक उर्वरकों के आयात 77 प्रतिशत बढ़कर 14.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसलिए मोदी ने लोगों किसानों से रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल 50 प्रतिशत तक कम करने की अपील की है। उन्होंने किसानों को डीजल पंप की जगह सोलर पंप अपनाने की सलाह भी दी, ताकि पेट्रोलियम ईंधन पर निर्भरता घटाई जा सके।

कारोबारी आंकड़ों के अनुसार सिर्फ इन्हीं चार चीजों का कुल आयात बिल पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इस बार बढ़कर 112 अरब डॉलर से 240.7 अरब डॉलर हो गया है। इससे देश के सामने संकट होना स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री की अपील इसी संकट से बचाव का रास्ता है। याद कीजिए, पिछली सदी के साठ के दशक को, जब भारत में अपनी पूरी जनसंख्या को खिलाने भर के लिए अनाज का उत्पादन तक नहीं हो पाता था।

तब अमेरिका से गेहूं का आयात करना पड़ता था। अमेरिका इसके एवज में भारत को आंख दिखाता था। इससे बचाव के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देश से एक शाम उपवास की अपील की थी। वे खुद भी सोमवार की शाम को उपवास रखते थे। इसके बाद ही उन्होंने कृषि क्रांति का सपना देखा। तब प्रधानमंत्री का लोगों ने साथ दिया था, विपक्षी दल चाहे तब जिस भी स्थिति में रहे हों, उन्होंने भी प्रधानमंत्री पर सवाल नहीं उठाए थे।

# राजनीति-दुष्प्रेरित विचार, राष्ट्र के लिए घातक

पार्थसारथि थपलियाल

भारत में लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां अनेक भाषाएं, जातियां, परंपराएं और विचारधाराएं होते हुए भी समाज को जोड़ने वाली मूल चेतना 'सनातन' रही है। यही कारण है कि जब-जब कुछ राजनीतिक शक्तियां समाज को बांटने के लिए सनातन संस्कृति, जातियों या किसी विशेष वर्ग के विरुद्ध विषवमन करती हैं, तब वह केवल एक वर्ग पर आक्रमण नहीं होता, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा को कमजोर करने का प्रयास होता है। हाल के दिनों में कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं द्वारा सनातन धर्म के विरुद्ध दिए गए बयान, एक पार्टी प्रवक्ता द्वारा ब्राह्मण समाज के लिए प्रयुक्त असभ्य शब्दावली और जातीय विद्वेष को हवा देने वाली भाषा यह संकेत देती है कि राजनीति का स्तर चिंताजनक रूप से गिरता जा रहा है। लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन किसी संस्कृति, परंपरा या समाज के वर्ग विशेष के प्रति घृणा फैलाना कभी स्वीकार्य नहीं हो सकता। दुर्भाग्य यह है कि कुछ लोग समाज को स्वाभिमानी और सक्षम बनाने की बजाय उसे 'पीड़ित' और 'पिछड़ा' सिद्ध करने की राजनीति में अधिक रुचि लेने लगे हैं।

सनातन समाज की मूल भावना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की रही है। भारतीय संस्कृति ने हमेशा समाज को जोड़ने का कार्य किया है। यह सत्य है कि इतिहास में अनेक सामाजिक विकृतियां रही होंगी, लेकिन समय के साथ समाज ने आत्मसुधार भी किया है। आज आधुनिक शिक्षा, शहरीकरण और सामाजिक जागरूकता के कारण ऊंच-नीच और भेदभाव की पुरानी दीवारें धीरे-धीरे कमजोर हो रही हैं। ऐसे समय में पुनः जातीय विद्वेष की आग सुलगाना राष्ट्रहित में नहीं कहा जा सकता।चिंता का विषय यह भी है कि राजनीतिक लाभ के लिए समाज को 'अगड़ा-पिछड़ा' के खांचों में बांटने का प्रयास निरंतर बढ़ रहा है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक समरसता को गहरी चोट पहुंचाई है। एक ओर कुछ नेता सनातन धर्म को समाप्त करने की बातें करते हैं, दूसरी ओर योग्यता और प्रतिस्पर्धा की अवधारणा को भी कमजोर करने की कोशिशें दिखाई देती हैं। यदि शिक्षा और प्रशासन में गुणवत्ता से समझौता होगा तो उसका दुष्परिणाम पूरे राष्ट्र को भुगतना पड़ेगा।

किसी भी विकसित राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसका सक्षम और गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन होता है। यदि योग्य और परिश्रमी विद्यार्थियों की उपेक्षा कर केवल राजनीतिक तुष्टिकरण के आधार पर व्यवस्थाएं बनाई जाएंगी, तो प्रतिभा हतोत्साहित होगी। यह स्थिति देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने की दिशा में बाधा उत्पन्न करेगी। समाज में समान अवसर आवश्यक हैं, लेकिन समान अवसर और योग्यता के मानकों को समाप्त कर देना दो अलग बातें हैं।

सरकार का दायित्व यह होना चाहिए कि वह गरीब, वंचित और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों को बेहतर शिक्षा, कोचिंग, पुस्तकें और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए। आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को सहायता मिलनी चाहिए, ताकि वे भी प्रतिस्पर्धा में समान रूप से भाग ले सकें। लेकिन अंतिम मूल्यांकन और चयन की प्रक्रिया निष्पक्ष तथा समान होनी चाहिए। यदि राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां केवल राजनीतिक समीकरणों के आधार पर तय होंगी, तो इसका प्रभाव स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रशासन और न्याय जैसी मूल व्यवस्थाओं पर पड़ेगा।भारत का भविष्य 'विभाजनकारी राजनीति' में नहीं, बल्कि 'समरस समाज' में निहित है। हमें यह समझना होगा कि किसी भी जाति या वर्ग को अपमानित करके सामाजिक न्याय स्थापित नहीं किया जा सकता। सामाजिक न्याय का अर्थ अवसर देना है, घृणा फैलाना नहीं। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज में आत्मविश्वास, परिश्रम और स्वाभिमान की भावना को प्रोत्साहित किया जाए। युवाओं को यह सिखाया जाए कि सफलता का मार्ग संघर्ष, शिक्षा और योग्यता से होकर जाता है।

## बोध कथा

# मैं किसी को दुःख या सुख नहीं देता वो तो इंसान अपनी करनी से पाता है

एक बार लक्ष्मी और नारायण धरा पर घूमने आए,कुछ समय घूम कर वो विश्राम के लिए एक बगीचे में जाकर बैठ गए।नारायण आंख बंद कर लेट गए,लक्ष्मी जी बैठ नज़ारे देखने लगीं।

थोड़ी देर बाद उन्होंने देखा एक आदमी शराब के नशे में धुत गाना गाते जा रहा था,उस आदमी को अचानक ठोकर लगी, .....तो उस पत्थर को लात मारने और अपशब्द कहने लगा,लक्ष्मी जी को बुरा लगा, अचानक उसकी ठोकरों से पत्थर हट गया,वहां से एक पोटली निकली उसने उठा कर देखा तो उसमें हीरे जवाहरात भरे थे,वो खुशी से नाचने लगा और पोटली उठा चलता बना।लक्ष्मी जी हैरान हुई,उन्होंने पाया ये इंसान बहुत झूठा,चोर और शराबी है।सारे ग़लत काम करता है,इसे भला ईश्वर ने कृपा के काबिल क्यों समझा,उन्होंने नारायण की तरफ देखा,मगर वो आंखें बंद किये मगन थे।तभी लक्ष्मी जी ने एक और व्यक्ति को आते देखा,बहुत ग़रीब लगता था,मगर उसके चेहरे पे तेज़ और खुशी थी,कपडे साफ़ मगर पुराने थे,तभी उससे व्यक्ति के पांव में एक बहुत बड़ा शूल यानि कांटा घुस गया,खून के फव्वारे बह निकले, उसने हिम्मत कर उस कांटे को निकाला,पांव में गमछा बाँधा,प्रभु को हाथ जोड़ धन्यवाद दे लंगड़ाता हुआ चल दिया।इतने अच्छे व्यक्ति की ये दशा।उन्होंने पाया नारायण अब भी आँख बंद किये पड़े हैं मज़े से। उन्हें अपने भक्त के साथ ये भेद भाव पसंद नहीं आया,उन्होंने नारायण जी को हिलाकर उठाया,नारायण आँखें खोल मुस्काये।

## तीर तेवर

सागर कुमार

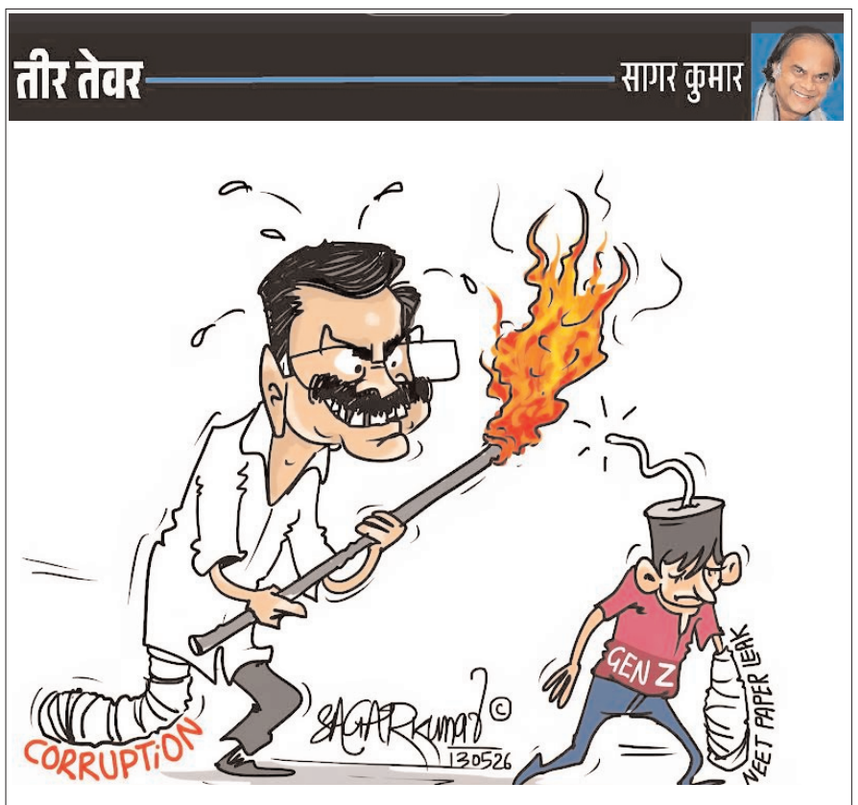


## व्यंग्य केसरी

# सफ़ेद में अधिक दाग!

सतीश उपाध्याय

राजनीति और पाखंड का रिश्ता चोली-दामन का नहीं, बल्कि 'कुर्सी और गोंद' का है। ?आज के युग में राजनीति वह कला है, जिसमें व्यक्ति गंगा की शपथ लेकर यमुना में घोटाला करता है और अंत में कहता है कि सारा दोष 'सिस्टम' का है। राजनीतिज्ञों के पास भावनाओं का ऐसा स्टॉक होता है जिसे वे सिर्फ चुनाव के समय 'सेल' पर लगाते हैं। राजनीति है तो पाखंड होगा ही,क्योंकि पाखंड के बिना राजनीति हो नहीं सकती. कम से कम अपने देश में तो यही हो रहा है. दुनिया का पता नहीं लेकिन मुझे लगता है जहां-जहां मनुष्य होगा, वहां-वहां पाखंड भी भूत की तरह उसका पीछा कर रहा होगा.

किसी ने पूछा कि राजनीति में विचारधारा का क्या मतलब, तो हमने उसे ज्ञान देते हुए बताया? कि हे वत्स! एक राजनेता के लिए विचारधारा किसी पुराने मोजे की तरह होती है—जब छेद बड़ा हो जाए, तो बदल लो। सुबह जो नेता 'पूंजीवाद' को गाली देते हुए चाय पीता है, शाम तक वह 'विकास' के नाम पर किसी उद्योगपति की गोद में बैठकर डिनर कर रहा होता है।

?पाखंड की पराकाष्ठा यह है कि जो नेता खुद को जनता का 'सेवक' कहता है, उसके घर के बाहर उसी जनता को डंडे खाने पड़ते हैं ताकि साहब की नींद में खलल न पड़े।' जैसे ?गरीबी हटाओ. यह नारा नहीं, एक जादुई मंत्र है। आजादी के बाद से यह नारा लगातार हिट है. हर पांच साल में इसे रह रह कर फूंका जाता है, ताकि गरीबी तो वहीं रहे, लेकिन नेताजी की दरिद्रता जरूर मिट जाए। अब समझ में आया कि यह नारा दरअसल नेताओं ने अपनी गरीबी हटाने के लिए लगाया था. ?

राजनीति में इस्तीफे का ड्रामा भी खूब होता है.जब कोई बड़ा घोटाला सामने आता है, तो नेताजी 'नैतिकता' की दुहाई देकर इस्तीफा देते हैं। यह ठीक वैसा ही है जैसे बिल्ली कहे कि वह 'नैतिकता' के आधार पर चूहों का शिकार छोड़ रही है, क्योंकि अब उसका पेट भर चुका है। ?आंसुओं की खेती भी हमारे नेता खूब करते हैं.संसद में जनहित पर मौन रहने वाले नेता, चुनाव आते ही मंच पर जनता के दुख देख ऐसे रोते हैं कि 'ऑस्कर' की जूरी भी आत्महत्या करने की सोचने लगे।?कल तक जो एक-दूसरे को 'देशद्रोही' और 'भ्रष्टाचारी' कह रहे थे, आज वे मंच पर हाथ पकड़कर 'देश बचाने' का संकल्प ले रहे हैं। राजनीति में कोई स्थाई दुश्मन नहीं होता, बस स्थाई 'मलाई' होती है। पाखंड का सबसे बड़ा नमूना तब दिखता है जब दो विपरीत ध्रुव मिलते हैं और उसे 'साझा न्यूनतम कार्यक्रम' का नाम देते हैं, जबकि असल में वह 'अधिकतम व्यक्तिगत लाभ' का कार्यक्रम होता है।अंततः ख सकते हैं कि राजनीति में पाखंड अब कोई दोष नहीं, बल्कि एक 'अनिवार्य योग्यता' बन चुका है। जो जितना सफेद कुर्ता पहनता है, समझ लीजिए उसके अंदर का 'दाग' उतना ही गहरा और महंगा है। जनता भी कमाल की है—वह हर बार नए पाखंडी पर इस उम्मीद में भरोसा करती है कि शायद इस बार का 'झूठ' पिछले वाले से थोड़ा मीठा होगा।

## इतिहास

14 मई (आज का इतिहास) 2026 के अनुसार, इतिहास में यह दिन महत्वपूर्ण घटनाओं से भरा है, जिसमें 1948 में इज़राइल की स्वतंत्रता की घोषणा, 1973 में अमेरिका का पहला अंतरिक्ष स्टेशन 'स्काईलैब' लॉन्च होना, और 1955 में वारसॉ पैक्ट (Warsaw Pact) की स्थापना शामिल हैं। इसके अलावा, 1796 में एडवर्ड जेनर ने चेचक का पहला टीका लगाया था।14 मई की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ:1948: इज़राइल ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की, जिसके बाद अरब-इज़राइल युद्ध शुरू हुआ।1973: अमेरिका ने अपना पहला अंतरिक्ष स्टेशन 'स्काईलैब' (Skylab) लॉन्च किया।1955: शीत युद्ध के दौरान पूर्व सोवियत संघ और सात अन्य कम्युनिस्ट ब्लॉक देशों ने वारसॉ पैक्ट रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए।1796: ब्रिटिश चिकित्सक एडवर्ड जेनर ने चेचक के लिए पहला टीका (vaccine) दिया।

# भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ हरे निशान में बंद

## सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल

**मुंबई।** वैश्विक बाजार से मिले मजबूत संकेतों के चलते गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे कारोबारी दिन हरियाली देखने को मिली और बाजार हरे निशान में बंद हुआ।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 789.74 अंक या 1.06 प्रतिशत उछलकर 75,398.72 पर था, जबकि निफ्टी 50 277 अंक या 1.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,689.60 पर पहुंच गया।

दिन के दौरान 30 शेयरों वाले बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी50 में जोरदार उछाल देखने को मिला और इनमें 1 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। निफ्टी50 ने 23,530.25 पर खुलकर 23,777.20 का इंट्रा-डे हाई बनाया, तो वहीं सेंसेक्स 74,947.12 पर खुलकर 75,681.88 का दिन का उच्चतम स्तर छुआ। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.12 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.01

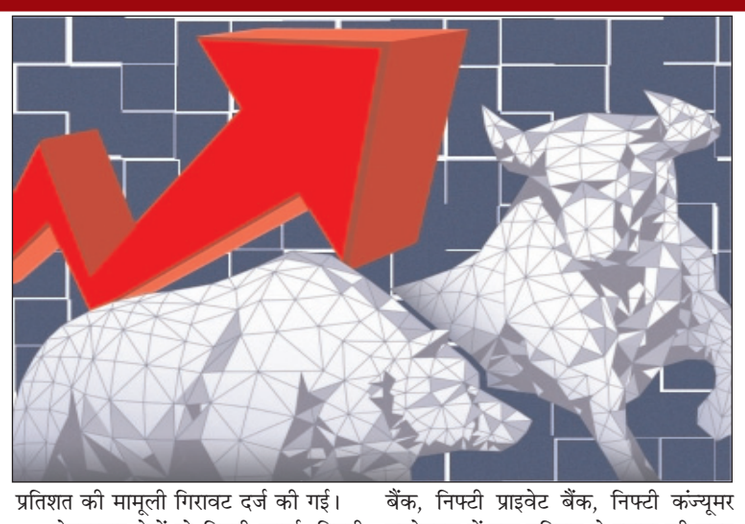

प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी मेटल में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखी गई। इसके अलावा, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा करीब 2 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

निफ्टी 50 पैक में कुल 38 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। इसमें अदाणी इंटरप्राइजेज (8.8 प्रतिशत की तेजी), सिप्ला (8.09 प्रतिशत की तेजी), भारती एयरटेल (5.2 प्रतिशत की बढ़त), इटरनल, हिंडाल्को, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स और मैक्स हेल्थ के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, जबकि इसके विपरीत इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, कोल इंडिया और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।निवेशकों ने एक ही सत्र में 4.3 लाख करोड़ रुपए कमाए क्योंकि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 458.6 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 462.9 लाख करोड़ रुपए हो गया।

भारतीय रुपए के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरने और ब्रेंट क्रूड तेल के 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार करने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखी गई।

# महंगे कच्चे तेल का असर! थोक महंगाई दर अप्रैल में 8.3 प्रतिशत रही

**नई दिल्ली।** थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर या थोक महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 8.30 प्रतिशत (प्रोविजनल) रही है। इससे पहले मार्च में यह 3.88 प्रतिशत थी। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को दी गई।

सरकार ने आधिकारिक बयान में कहा कि अप्रैल में महंगाई के सकारात्मक रहने की वजह खनिज तेल, कच्चे तेल और नेचुरल गैस, बेसिक मेटल, अन्य मैन्युफैक्चरिंग और गैर-खाद्य उत्पादों की कीमतों में इजाफा होना है।

आंकड़ों के मुताबिक, प्राइमरी आर्टिकल्स में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 9.17 प्रतिशत रही। फ्यूल एंड पावर में महंगाई दर सालाना आधार पर 24.71 प्रतिशत और मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स में महंगाई दर 4.62 प्रतिशत रही। हालांकि, खाद्य उत्पादों में महंगाई में नरमी बनी हुई है और अप्रैल में यह सालाना आधार पर 2.31 प्रतिशत रही है।

आंकड़ों के मुताबिक, क्रूड पेट्रोलियम की कीमत में थोक महंगाई दर में सालाना आधार पर 88.06 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एलपीजी में थोक महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 10.92 प्रतिशत रही है।

इससे पहले, सरकार ने खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए थे। भारत में खुदरा महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 3.48 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 3.40 प्रतिशत थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल में ग्रामीण क्षेत्र में खुदरा महंगाई दर 3.74 प्रतिशत रही है। वहीं, शहरी क्षेत्र में यह 3.16 प्रतिशत थी।अप्रैल में खाद्य मंहगाई दर 4.20 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 3.87 प्रतिशत थी। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई दर 4.26 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 4.10 प्रतिशत रही है।

सरकार ने बताया कि तेलंगाना (5.81 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (4.20 प्रतिशत), तमिलनाडु (4.18 प्रतिशत), कर्नाटक (4.00 प्रतिशत) और राजस्थान (3.77 प्रतिशत) के खुदरा महंगाई में अप्रैल में शीर्ष पर थे।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2026-27 के लिए देश की खुदरा महंगाई दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसका कारण रबी की अच्छी फसल से निकट भविष्य में खाद्य आपूर्ति की संभावनाएं बेहतर रहना है।

# सोने की चमक बढ़ी, चांदी में आई 0.75 प्रतिशत की गिरावट

**मुंबई ।** सोने और चांदी में गुरुवार के शुरुआती सत्र में मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। एक तरफ सोने में तेजी बनी हुई थी। वहीं, चांदी लाल निशान में थी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 10:36 पर सोने का 5 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 396 रुपए या 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,62,638 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार ने सोने ने 1,63,055 रुपए का उच्चतम स्तर और 1,61,027 रुपए का न्यूनतम स्तर बनाया है।

सोने के उलट चांदी में कमजोरी देखी जा रही है। चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2,238 रुपए या 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,98,000 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,94,450 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,99,000 रुपए का उच्च स्तर बनाया है।सोने की अपेक्षा चांदी में गिरावट की एक वजह मुनाफावसूली को भी माना जा रहा है, जो कि बुधवार के सत्र में 3,00,000 लाख रुपए के पार निकल गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। कॉमेक्स पर सोना 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 4,708 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 87.68 डॉलर प्रति औंस पर थी।

दूसरी तरफ, भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी। सेंसेक्स और निफ्टी आधा-आधा प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरुआती कारोबार में बाजार में तेजी का नेतृत्व फार्मा, हेल्थकेयर और मेटल शेयर कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी मेटल टॉप गेनर्स थे।निफ्टी एनर्जी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑयल एंड गैस के साथ करीब सभी सूचकांक हरे निशान में थे।

# एमजीएल ने एमएमआर रीजन में सीएनजी की कीमतों को 2 रुपए प्रति किलो तक बढ़ाया

**नई दिल्ली।** महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने कॉम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में 2 रुपए प्रति किलो बढ़ाकर 84 रुपए प्रति किलो कर दिया है। यह सरकारी कंपनी मुख्यत: मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) क्षेत्र में सीएनजी की आपूर्ति करती है।

गैस की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की अधिक कीमतें, कमजोर रुपया और हॉर्मुज स्ट्रेट बंद होने से आपूर्ति श्रृंखला संबंधी बाधाओं को माना जा रहा है।

एमजीएल मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और एमएमआर के आसपास के इलाकों में ऑपरेट करती है और इसका उसर इन इलाकों में रहने वाले उपभोक्ताओं पर होगा।

फिलहाल दिल्ली एनसीआर, जहां परिचालन इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के हाथ में है, कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं है।

एमजीएल की ओर से सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद दिल्ली-एनसीआर के उपभोक्ताओं की नजर भी कीमतों पर बनी हुई है।

एमजीएल ने कहा कि गैस खरीद की बढ़ती लागत, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, रुपए के अवमूल्यन और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के चलते कीमतों में वृद्धि हुई है।

एमजीएल के एक अधिकारी ने बताया, '14 मई आधी रात से सीएनजी की कीमत में 2 रुपए प्रति किलोग्राम की वृद्धि हुई, जिससे शहर और आसपास के इलाकों में नई संशोधित दर 84 रुपए प्रति किलोग्राम हो जाएगी।'

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने के बीच हॉर्मुज स्ट्रेट से आवाजाही बंद हो गई है। दुनिया में होने वाले कच्चे तेल और गैस निर्यात का 20 प्रतिशत हिस्सा इसी स्ट्रेट गुजरता है। इससे पूरी दुनिया में ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की है।

इस महीने की शुरुआत में, सरकार ने कहा था कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार है और घरेलू खाना पकाने के लिए एलपीजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है।

कीमतों में बढ़ोतरी के बाद एमजीएल का शेयर दोपहर 12 बजे 1.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,065 रुपए पर था।

# सरकार ने सितंबर तक चीनी निर्यात पर रोक लगाई, कीमतों पर नियंत्रण रखने में मिलेगी मदद

**नई दिल्ली।** दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक देश भारत ने 30 सितंबर या अगले आदेश तक चीनी के निर्यात पर रोक लगा दी है। इसकी वजह कम उत्पादन की संभावना के बीच घरेलू स्तर पर उपलब्धता बढ़ाकर चीनी की कीमतों को नियंत्रण में रखना है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने चीनी की निर्यात नीति में संशोधन करते हुए एक अधिसूचना जारी की है।

अधिसूचना के अनुसार, कच्ची चीनी, सफेद चीनी और रिफाइंड चीनी के निर्यात की स्थिति 'प्रतिबंधित' से बदलकर 'वर्जित' कर दी गई है।

सरकार ने कहा कि यह रोक 30 सितंबर, 2026 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, लागू रहेगा।

हालांकि, सरकार ने कहा कि यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका को सीएक्सएल और टैरिफ दर कोटा (टीआरक्यू) व्यवस्था के तहत निर्यात संबंधित सार्वजनिक अधिसूचनाओं में निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार जारी रहेगा।

सरकार ने आगे स्पष्ट किया कि अग्रिम प्राधिकरण योजना (एएएस) के तहत चीनी निर्यात विदेश व्यापार नीति (एफटीपी), 2023 और प्रक्रिया पुस्तिका, 2023 के प्रावधानों द्वारा नियंत्रित होता रहेगा।

ब्राजील के बाद दुनिया के सबसे बड़े चीनी निर्यातक भारत ने पहले घरेलू मांग से अधिक उत्पादन की उम्मीद में मिलों को लगभग 1.59 मिलियन मीट्रिक टन चीनी निर्यात करने की अनुमति दी थी।

निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों से वैश्विक स्तर पर कच्ची और सफेद चीनी की कीमतों को समर्थन मिलने की उम्मीद है, साथ ही ब्राजील और थाईलैंड जैसे प्रतिद्वंद्वी उत्पादकों के लिए एशियाई और अफ्रीकी बाजारों में निर्यात के अवसर खुल सकते हैं।

इसके अलावा, हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि गन्ने के उत्पादन में साल-दर-साल लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे चीनी और इथेनॉल इकोसिस्टम को समर्थन मिला है, हालांकि यह वृद्धि असमान रही और मुख्य रूप से एकीकृत इथेनॉल क्षमता वाली मिलों तक ही सीमित रही।

# भारत में तेजी से बढ़ेंगी इलेक्ट्रिक बसें, वित्त वर्ष 35 तक 40 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी हिस्सेदारी

**नई दिल्ली।** भारत में इलेक्ट्रिक बसों की हिस्सेदारी वार्षिक बिक्री में वित्त वर्ष 35 तक बढ़कर 35-40 प्रतिशत हो सकती है, जो कि फिलहाल करीब 7 प्रतिशत के आसपास है। इस दौरान पब्लिक ट्रांसपोर्ट में ईवी बसों की हिस्सेदारी बढ़कर 85 प्रतिशत से अधिक हो सकती है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

केपीएमजी की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत की वार्षिक बिक्री 35,000 से 50,000 यूनिट्स की है और अब यह इलेक्ट्रिफिकेशन के नए दौरान में प्रवेश कर रहा है। सरकारी खरीद और इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश इस सेक्टर के अगले ग्रोथ फैक्टर्स होंगे।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि भारत में यात्रियों द्वारा तय की गई कुल दूरी का लगभग 57 प्रतिशत बसों द्वारा तय किया जाता है, ऐसे में इस क्षेत्र का इलेक्ट्रिफिकेशन देश की क्लीन मोबिलिटी और कार्बन उत्सर्जन कम करने की महत्वाकांक्षाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केपीएमजी इंडिया के ऑटोमोटिव पार्टनर और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लीड रोहन राव ने कहा, 'भारत में इलेक्ट्रिक बसों की ओर बदलाव अब केवल नीतिगत पहल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक मोबिलिटी इकोसिस्टम के लिए एक संरचनात्मक परिवर्तन का अवसर बन रहा है। सरकारी खरीद कार्यक्रमों, लागत में सुधार और इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़ते निवेश के समर्थन से सार्वजनिक परिवहन के विद्युतीकरण ने पहले ही मजबूत गति पकड़ ली है।'

उन्होंने बताया कि आगे चलकर, घरेलू मैन्फैक्चरिंग, फाइनेंसिंग इनोवेशन, चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार और परिचालन दक्षता को संयोजित करने वाले एक स्केलेबल इकोसिस्टम के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, ताकि सार्वजनिक और निजी परिवहन दोनों क्षेत्रों में सतत दीर्घकालिक विकास को समर्थन मिल सके।

# भारत में यात्री वाहनों की बिक्री अप्रैल में 25.4 प्रतिशत बढ़कर 4,37,312 यूनिट्स हो गई: एसआईएएम डेटा

**नई दिल्ली।** सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में डीलरों को होने वाली घरेलू यात्री वाहनों की डिलीवरी में सालाना आधार पर 25.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह बढ़कर 4,37,312 यूनिट्स तक पहुंच गई। वहीं, पिछले महीने दोपहिया वाहनों की बिक्री 28.4 प्रतिशत बढ़कर 18,72,691 यूनिट्स रही।

अप्रैल में डीलरों को भेजे गए तिपहिया वाहनों की संख्या में 32.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 65,668 यूनिट्स हो गई।

इस दौरान यात्री वाहन, तिपहिया, दोपहिया और क्वाड्रिसाइकिल सहित कुल वाहन उत्पादन 29,22,427 यूनिट्स रहा।

एसआईएएम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में बनी मजबूत रफ्तार नए वित्त वर्ष 2026-27 के पहले महीने में भी जारी रही। अप्रैल 2026 में यात्री वाहन, तिपहिया और दोपहिया वाहनों की बिक्री में दो अंकों की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

उन्होंने कहा कि अप्रैल 2026 में यात्री वाहनों की बिक्री 4.37 लाख यूनिट्स के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जो अप्रैल 2025 के मुकाबले 25.4 प्रतिशत अधिक है।

मेनन ने आगे बताया कि तिपहिया वाहनों ने भी अब तक की सबसे ज्यादा 0.66 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अप्रैल 2025 की तुलना में 32.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

उन्होंने आगे कहा कि अप्रैल 2026 में करीब 18.73 लाख दोपहिया वाहन बिके, जिससे पिछले साल अप्रैल के मुकाबले 28.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। हालांकि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे माल की कीमतों को लेकर चिंता बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद ऑटो इंडस्ट्री में मांग अच्छी बनी हुई है। इससे पहले मार्च में घरेलू यात्री वाहनों की डीलरों को सप्लाई 16 प्रतिशत बढ़कर 4,42,460 यूनिट्स रही थी, जिसकी वजह बेहतर मांग और डीलरशिप पर बढ़ा हुआ स्टॉक रहा।यात्री वाहन सेगमेंट का आउटलुक फिलहाल सकारात्मक बना हुआ है।

# 12 साल की उम्र से शुरू हुआ सफर, जिसने बना दिया अल्ला रक्खा खां को तबले का बादशाह

**नई दिल्ली।** भारतीय शास्त्रीय संगीत में तबला वादन को नई पहचान और ऊंचाई देने वाले महान उस्ताद अल्ला रक्खा खां ने मात्र 12 वर्ष की उम्र में खुद को तबले की साधना में पूरी तरह समर्पित कर दिया था। 1960 के दशक में उन्हें उस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर की ख्याति मिली, जब उन्होंने पंडित रवि शंकर के साथ मंच पर जुगलबंदी की।

उस्ताद अल्ला रक्खा का जन्म 29 अप्रैल 1919 को जम्मू-कश्मीर के घगवाल गांव में एक मुस्लिम डोगरा परिवार में हुआ था। बचपन से ही संगीत की ओर उनका गहरा रुझान था। उनके परिवार की इच्छा नहीं थी कि वे संगीत के क्षेत्र में जाएं, लेकिन परिवारवालों की इच्छा के खिलाफ उन्होंने संगीत की राह पकड़ी।

उन्होंने पंजाब घराने के उस्ताद मियां कादिर बख्श से शिक्षा ली। उन्होंने तबले के साथ-साथ पखावज भी बजाया। कम समय में ही उस्ताद अल्ला रक्खा खां ऑल इंडिया रेडियो के पहले एकल तबला वादक बन गए। ताल पर असीम नियंत्रण, तेज गति की बोलियां और भावपूर्ण प्रस्तुति उनके तबला वादन के विशेषता थी।

अल्ला रक्खा खां को विश्व पटल पर तबला पहुंचाने का श्रेय मुख्य रूप से पंडित रवि शंकर के साथ उनकी लंबी जोड़ी को जाता है। 1960 के दशक में रवि शंकर के साथ उनकी जुगलबंदी ने यूरोप और अमेरिका में भारतीय शास्त्रीय संगीत की लहर पैदा कर दी। मॉन्टेरी पॉप फेस्टिवल और वुडस्टॉक जैसे मंचों पर उनकी थापों ने कमाल कर दिया था।

उन्होंने तबला को केवल संगत वाद्य नहीं, बल्कि स्वतंत्र एकल वाद्य के रूप में स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अनेक शास्त्रीय कलाकारों के साथ काम किया। वर्ष 1985 में उन्होंने मुंबई में अल्ला रक्खा इंस्टीट्यूट ऑफ म्यूजिक की स्थापना की, जहां उन्होंने सैकड़ों शिष्यों को प्रशिक्षित किया। अल्ला रक्खा खां के बेटे उस्ताद जाकिर हुसैन आज तबला की दुनिया के सुपरस्टार हैं और पिता की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

उस्ताद अल्ला रक्खा खां को वर्ष 1977 में पद्मश्री और वर्ष 1982 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 3 फरवरी 2000 को दिल का दौरा पड़ने के कारण उनका निधन हो गया, लेकिन उनके तबले की धुन आज भी गूंजती हैं।

उस्ताद जाकिर हुसैन पिता से मिले ज्ञान से तबला वादन की दुनिया में कम उम्र में प्रसिद्ध हो गए थे। जाकिर हुसैन को वर्ष 1988 में उनको सबसे कम उम्र में तबला वादन के लिए पद्मश्री सम्मान मिला, वर्ष 2002 में पद्म भूषण और वर्ष 2023 में भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

# कहीं आपका शरीर भी तो नहीं दे रहा ये संकेत? लिवर से हो सकता है कनेक्शन, ऐसे करें बचाव

**नई दिल्ली ।** आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई लोग दिन भर थकान, कम ऊर्जा और कमजोरी महसूस करते रहते हैं। इन्हें सामान्य थकान समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट इसे नजरअंदाज न करने की सलाह देते हैं। नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, यह लिवर की समस्या का संकेत भी हो सकता है। लिवर हमारे शरीर का प्राकृतिक डिटॉक्स सिस्टम है, जो शरीर से हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालकर हमें स्वस्थ और एनर्जी से भरपूर रखता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता तो थकान, कमजोरी और ऊर्जा की कमी जैसे लक्षण दिखने लगते हैं।

लिवर स्वस्थ रहेगा तो पूरा शरीर स्वस्थ रहेगा।

डॉक्टरों का सुझाव है कि अगर थकान लगातार बनी रहती है तो ब्लड टेस्ट करवाकर लिवर फंक्शन जांच जरूर कराएं। समय रहते छोटी-छोटी आदतों में बदलाव करके आप लिवर संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं।

लिवर शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्य करता है। यह भोजन को पचाने में मदद करता है, पोषक तत्वों को स्टोर करता है, शरीर से टॉक्सिन्स निकालता है और इम्युनिटी को भी मजबूत रखता है। जब लिवर पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है तो उसकी कार्यक्षमता घट जाती है, जिससे पूरे शरीर में थकान महसूस होती है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आप सुबह उठते ही थके हुए महसूस करते हैं, छोटे-छोटे कामों में भी सांस फूलती है या दिन में बार-बार ऊर्जा कम पड़ती है, तो इसे हल्के में न लें। यह लिवर से जुड़ी समस्या का शुरुआती संकेत हो सकता है।

लिवर को स्वस्थ रखने के लिए एक्सपर्ट आसान उपाय सुझाते हैं- लिवर को हेल्दी रखने के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार लें, हरी सब्जियां, फल, साबुत अनाज और दालें ज्यादा खाएं। चीनी, मैदा और प्रोसेस्ड फूड से बचें। पर्याप्त पानी पिएं, रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना लिवर के लिए बहुत जरूरी है। यह शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करता है। इसके साथ ही नियमित व्यायाम करें, रोज 30-45 मिनट की वॉकिंग, योग या कोई भी व्यायाम लिवर को सक्रिय रखता है।

साथ ही, जंक फूड और नशे से दूरी बनाएं, फास्ट फूड, तला-भुना खाना और शराब का सेवन लिवर के लिए बेहद हानिकारक है। इनसे पूरी तरह परहेज करें। साथ ही स्वस्थ आदतें अपनाएं जैसे रात को जल्दी सोएं और सुबह जल्दी उठें। तनाव कम रखने के लिए ध्यान और प्राणायाम का अभ्यास करें।

# विश्व पृथ्वी दिवस : मौसम के चक्र से रोचक बनावट तक, अपने 'ब्लू प्लैनेट' के बारे में कितना जानते हैं आप?

**नई दिल्ली ।** आज दुनिया भर में पृथ्वी दिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर पूरी दुनिया अपने ब्लू प्लैनेट की रक्षा के लिए जागरूकता फैला रही है। एक ऐसा दिन जो हमें हमारे एकमात्र घर, पृथ्वी, की अहमियत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का एहसास कराता है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा प्लैनेट' है, सौर मंडल का यह अनोखा 'ब्लू प्लैनेट' न सिर्फ जीवन का आधार है, बल्कि अपनी विविधता, संतुलन और रहस्यों के कारण बेहद खास भी है। आइए, इस खास मौके पर जानते हैं पृथ्वी से जुड़े रोचक तथ्य।

पृथ्वी सौर मंडल का पांचवां सबसे बड़ा ग्रह है। यह सूर्य से तीसरे स्थान पर है और पास के शुक्र ग्रह से थोड़ा ही बड़ा है। सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह हमारे पूरे सौर मंडल का एकमात्र ऐसा ग्रह है, जहां सतह पर तरल पानी मौजूद है। इसी पानी और अनुकूल तापमान की वजह से यहां जीवन संभव है। पृथ्वी के विशाल महासागरों ने लगभग 3.8 अरब साल पहले जीवन की शुरुआत की जगह प्रदान की थी।

अन्य ग्रहों के नाम ग्रीक या रोमन देवी-देवताओं पर रखे गए हैं, लेकिन पृथ्वी का नाम पुरानी अंग्रेजी और जर्मनिक भाषाओं से आया है। इसका मतलब सीधा सा 'जमीन' है। भारत में हम इसे 'पृथ्वी' कहते हैं, जो लगभग एक हजार साल पुराना नाम है। दुनिया की हजारों भाषाओं में इस ग्रह के अलग-अलग नाम हैं, लेकिन यह हर जगह जीवन का आधार है। पृथ्वी का आकार भी खास है। इसका भूमध्यरेखीय व्यास करीब 12,756 किलोमीटर है। सूर्य से इसकी औसत दूरी 150 मिलियन किलोमीटर यानी एक खगोलीय इकाई (एयू) है। सूर्य की रोशनी पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग 8 मिनट का समय लेती है। पृथ्वी हर 23.9 घंटे में अपनी धुरी पर एक चक्कर पूरा करती है, जिससे दिन और रात बनते हैं। सूर्य की परिक्रमा में इसे 365.25 दिन लगते हैं।

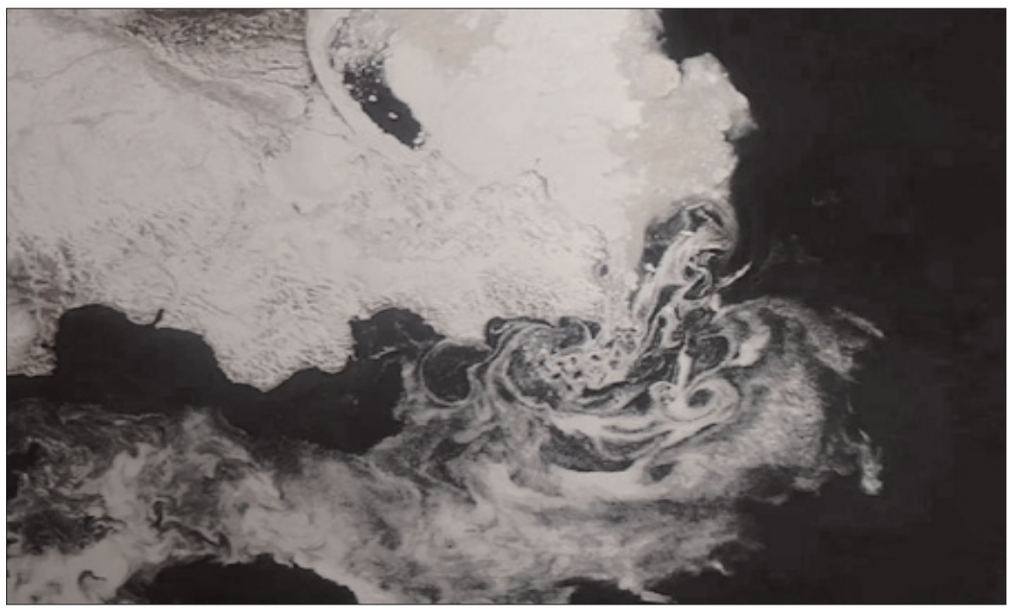

हर चार साल में लीप ईयर में एक अतिरिक्त दिन जोड़ा जाता है ताकि कैलेंडर सूर्य की परिक्रमा से मेल खाए। पृथ्वी की धुरी 23.4 डिग्री झुकी हुई है, इसी झुकाव की वजह से मौसमों का चक्र चलता है।

गर्मी, सर्दी, वसंत और पतझड़ इसी कारण बनते हैं। हमारा चांद पृथ्वी को और खास बनाता है। पृथ्वी सौर मंडल का एकमात्र ग्रह है जिसका सिर्फ एक चांद है। चांद पृथ्वी के घूमने को स्थिर रखता है, जिससे मौसम ज्यादा नहीं बदलता। वैज्ञानिकों का मानना है कि अरबों साल पहले एक बड़े पत्थर से टकराने के बाद पृथ्वी के कुछ हिस्से अलग होकर चांद बना। चांद की औसत दूरी पृथ्वी से 3,84,400 किलोमीटर है।

पृथ्वी की बनावट भी रोचक है। यह चार मुख्य परतों से बनी है- आंतरिक कोर, बाहरी कोर, मेंटल और क्रस्ट। आंतरिक कोर लोहे और निकिल का ठोस गोला है जहां तापमान 5,400 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। बाहरी कोर तरल है और मेंटल सबसे मोटी परत है। पृथ्वी के कोई छल्ले नहीं हैं।

लेकिन पृथ्वी को चिंता की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों से पृथ्वी की कई विशेषताएं बदल रही हैं। तापमान बढ़ रहा है, महासागर गर्म हो रहे हैं और जीवन की संतुलित व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

# तेज धूप और लू से बचाव: बढ़ती गर्मी में गर्भवती महिलाएं रखें खास ख्याल, इन बातों का बांध लें गांठ

**नई दिल्ली।** मां बनना जिंदगी के सबसे खूबसूरत अहसासों में से एक है, लेकिन गर्भावस्था के दौरान मां और आने वाले शिशु दोनों की सेहत का खास ध्यान रखना पड़ता है। खान-पान, मौसम और दिनचर्या में थोड़ी-सी लापरवाही भी जोखिम बढ़ा सकती है। खासकर इन दिनों जब देशभर में गर्मी तेज हो रही है और लू चल रही है, तब गर्भवती महिलाओं को और भी ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, गर्भावस्था में बढ़ते तापमान के कारण कई स्वास्थ्य जोखिम बढ़ सकते हैं। तेज धूप, पसीना, डिहाइड्रेशन और थकान से मां और बच्चे दोनों प्रभावित हो सकते हैं, इसलिए समुचित देखभाल, संतुलित आहार और कुछ जरूरी सावधानियां अपनाकर इस मौसम को सुरक्षित तरीके से पार किया जा सकता है। गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी बचाव के उपाय पर नजर डालें तो-

हल्के और आरामदायक कपड़े पहनें:- गर्मी में ढीले, सूती और हल्के रंग के कपड़े पहनने चाहिए। इससे शरीर को हवा लगती रहेगी और पसीना आसानी से सूख सकेगा।

पानी ज्यादा पिएं: - गर्भावस्था में डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। साथ ही नींबू पानी, नारियल पानी या छाछ जैसे प्राकृतिक पेय पदार्थ भी लें। ये शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स भी देते हैं।

दोपहर में बाहर निकलने से बचें: - दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच तेज धूप और लू का प्रकोप सबसे ज्यादा होता है। इस समय घर के अंदर रहना सबसे सुरक्षित है। अगर बाहर जाना बहुत जरूरी हो तो छाता, टोपी, चश्मा और स्कार्फ का इस्तेमाल जरूर करें।

स्वस्थ आहार लें:- ताजे फल, सब्जियां, दही और घर का बना हल्का भोजन खाएं। भारी, तला-भुना और मसालेदार भोजन से बचें।

लक्षणों पर तुरंत ध्यान दें: - अगर चक्कर आना, तेज सिरदर्द, उल्टी, मतली, ज्यादा थकान या पेट में कोई असुविधा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि गर्भवती महिला को आराम की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए। परिवार के सदस्यों को भी उनकी देखभाल में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। नियमित जांच करवाना और डॉक्टर की सलाह मानना इस मौसम में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।गर्मी के इस मौसम में थोड़ी-सी सावधानी और सही देखभाल से मां और शिशु दोनों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

# निखिल आडवाणी: रोमांस से लेकर क्राइम तक हर जॉनर में माहिर, कल हो ना हो समेत कई हिट फिल्मों से बनाई पहचान

**नई दिल्ली।** प्रसिद्ध फिल्म डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और पटकथा लेखक निखिल आडवाणी मंगलवार को अपना 55वां जन्मदिन मनाएंगे। उनका जन्म 28 अप्रैल 1971 को मुंबई में हुआ था। निखिल अपनी अनोखी फिल्ममेकिंग के लिए जाने जाते हैं।

उन्होंने वर्ष 2003 में शाहरुख खान, प्रीति जिंटा और सैफ अली खान अभिनीत फिल्म 'कल हो ना हो' से बतौर डायरेक्टर काम शुरू किया था, जो एक बड़ी हिट रही और आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। इसके बाद उन्होंने 'सत्यम शिवम सुंदरम' ही नहीं, बल्कि 'बाटला हाउस', 'एयरलिफ्ट', 'पटियाला हाउस' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया।

निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म 'कल हो न हो' ने कई अवार्ड्स जीते। बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का अवार्ड शंकर-एहसान-लॉय ने जीता था। बेस्ट प्लेबैक सिंगर (मेल) का अवॉर्ड सोनू निगम ने जीता था। 49वें फिल्मफेयर में इस फिल्म को 11 नॉमिनेशन मिले और आठ अवॉर्ड झोली में आए। इस तरह की उन्होंने कई शानदार फिल्में दी हैं।

निखिल के निर्देशन में पिछले वर्ष रिलीज हुई फिल्म वेदा में जॉन अब्राहम लीड रोल में नजर आए। उनके अलावा शरवरी, अभिषेक बनर्जी और आशीष विद्यार्थी जैसे सितारों ने अहम रोल किया, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कारगर साबित नहीं हुई। करीब 60 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने टोटल 22.54 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया।

फिल्म बाटला हाउस में उनके निर्देशन में बनी थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम और मृणाल ठाकुर लीड रोल में थे। वर्ष 2019 में 15 अगस्त के दिन रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। इसे करीब 50 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया। फिल्म ने 99.24 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया था। निखिल आडवाणी अपनी बहन मोनिषा आडवाणी और मधु भोजवानी के साथ एम्मे एंटरटेनमेंट के को-फाउंडर भी हैं। हाल के वर्षों में उन्होंने वेब सीरीज जैसे 'रॉकेट बॉयज' और 'फ्रीडम एट मिडनाइट' जैसी प्रोजेक्ट्स पर भी काम किया है, जो दर्शकों और समीक्षकों को खूब पसंद आईं।

# अनिल कपूर की सेहत कैसे रहती है 'झकास', आयुष मंत्रालय ने एक्टर का पुराना वीडियो शेयर कर बताया

**नई दिल्ली।** विश्व योग दिवस के करीब आने के साथ ही भारत सरकार का आयुष मंत्रालय योग को आम जनता तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। मंत्रालय विभिन्न योगासनों की जानकारी, उनके फायदे और सही विधि के साथ लोगों को योग अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसी क्रम में आयुष मंत्रालय ने बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर का एक पुराना वीडियो पोस्ट किया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पुराने वीडियो को पोस्ट करते हुए आयुष मंत्रालय ने कैप्शन में लिखा, 'अनिल कपूर की वेलनेस (तंदुरुस्ती) पर विचारों की एक झलक। वे योग को एक संवारने वाली शक्ति और मानवीय क्षमताओं को उजागर करने का एक माध्यम मानते हैं, जो हर किसी को बेहतरीन बनने में सक्षम बनाता है।'

वहीं, वीडियो में अनिल कपूर अपनी फिटनेस का राज बताते हुए कहते हैं, 'मैं हर रोज योग करता हूं। इसने मेरे जीवन को संवारा और समृद्ध किया है। योग को अपनाकर जीवन को उसकी पूरी क्षमता के साथ जिया जा सकता है।'

अभिनेता ने यह भी सलाह दी कि योग हमेशा उचित मार्गदर्शन और परामर्श के साथ ही करना चाहिए।

70 साल से ऊपर की उम्र में भी अनिल कपूर की एनर्जी और फिटनेस देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। खास बात है कि योग किसी भी उम्र में अपनाया जा सकता है और यह शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक शांति भी प्रदान करता है। योगासन के नियमित अभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, तनाव कम होता है, नींद अच्छी आती है और पूरे दिन एनर्जी बनी रहती है।योग न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन और आत्मा को भी संतुलित करता है। आयुष मंत्रालय पहले भी अमिताभ बच्चन के साथ ही कई सितारों, योग गुरुओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के माध्यम से योग की लोकप्रियता बढ़ाने का काम कर रहा है।

# सिर्फ रोमांटिक फिल्मों तक सीमित नहीं रहना चाहतीं लिंडसे लोहान, बोलीं- 'अब अलग किरदार निभाने का समय है'

**लॉस एंजिल्स।** हॉलीवुड अभिनेत्री लिंडसे लोहान एक बार फिर चर्चा में हैं। फिल्म 'द पेरेंट ट्रैप' से दुनियाभर में पहचान बनाने वाली लिंडसे अब अपने करियर में नया मोड़ लाना चाहती हैं। लंबे समय तक रोमांटिक और कॉमेडी वाले किरदार निभाने के बाद वह अब गंभीर और अलग तरह की भूमिकाओं में खुद को आजमाना चाहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी आने वाली ड्रामा सीरीज 'काउंट माय लाइज' को लेकर खुलकर बात की और बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए क्यों इतना खास है।

लिंडसे लोहान ने कहा, 'यह मेरी पहली बड़ी स्क्रिप्टेड सीरीज है, जिसमें मैं पूरी तरह से मुख्य भूमिका निभा रही हूं। इससे पहले मैंने कुछ छोटे किरदार किए थे, लेकिन इस बार अनुभव बिल्कुल अलग है। इस सीरीज का किरदार मेरे पुराने सभी कामों से काफी अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित कर रही है।''

लिंडसे ने कहा, ''अक्सर मुझे सिर्फ रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों वाली अभिनेत्री के रूप में देखा जाता है। दर्शकों ने मुझे ज्यादातर ऐसे ही किरदारों में पसंद किया, लेकिन अब मैं खुद को एक कलाकार के तौर पर और ज्यादा साबित करना चाहती हूं। रचनात्मक रूप से आगे बढ़ने के लिए नए किरदार निभाना जरूरी होता है, इसलिए अब अलग तरह की कहानियों और भूमिकाओं की तलाश कर रही हूं।''

इस नई सीरीज में लिंडसे के साथ किट हैरिंगटन भी नजर आएंगे, जो मशहूर सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोन' से दुनियाभर में लोकप्रिय हुए थे। शो में दोनों पति-पत्नी का किरदार निभा रहे हैं।

किट हैरिंगटन ने भी इस शो को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ''यह एक मजेदार और ट्विस्ट्स से भरी थ्रिलर कहानी है। शो की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह पहला मौका है जब मैं इसके बारे में मीडिया से बात कर रहा हूं, इसलिए मुझे खुद भी समझ नहीं आ रहा कि इस शो को लोगों के सामने किस तरह पेश करें।''

लिंडसे लोहान ने बातचीत के दौरान अपने पुराने दिनों को भी याद किया। उन्होंने कहा, 'छोटी उम्र में अचानक मिली लोकप्रियता मेरे लिए आसान नहीं थी। फिल्म 'द पैरेंट ट्रैप' से मशहूर होने के बाद मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल गई थी। उस समय मुझे अपने माता-पिता की बात मानकर न्यूयॉर्क लौट जाना चाहिए था, लेकिन मैं लॉस एंजेलिस में रहना चाहती थी।'

अभिनेत्री ने कहा, ''अब पीछे मुड़कर देखने पर लगता है कि किशोर उम्र में इंसान खुद यह नहीं समझ पाता कि उसे किस तरह अपने फैसले लेने चाहिए। लोकप्रियता और ग्लैमर की दुनिया बाहर से जितनी खूबसूरत दिखती है, अंदर से उतनी ही मुश्किल भी होती है।''

लिंडसे लोहान ने कहा, ''एक समय ऐसा आ गया था जब मैं फिल्मी दुनिया से बोर हो गई थी। मुझे ऐसे किरदार नहीं मिल रहे थे, जिन्हें मैं सच में करना चाहती थी। लगातार चर्चा में रहना और निजी जिंदगी पर नजर रखे जाना भी मुझे परेशान करने लगा था। इसी वजह से मैंने साल 2014 में दुबई जाकर रहने का फैसला लिया।

# फीफा वर्ल्ड कप 2026 में पहली बार होगा मेगा हाफटाइम शो, मैडोना, बीटीएस और शकीरा एक साथ मचाएंगे धमाल

**लॉस एंजेलिस।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर दुनियाभर में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बार फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट को और भी खास बनाने के लिए फीफा ने एक बड़ा फैसला लिया है। पहली बार फीफा वर्ल्ड कप में सुपर बाउल की तरह एक मेगा हाफटाइम शो आयोजित किया जाएगा, जिसमें दुनिया के कई बड़े म्यूजिक स्टार्स एक साथ मंच पर नजर आएंगे। इस शो में पॉप म्यूजिक की मशहूर स्टार मैडोना, के-पॉप सुपरस्टार ग्रुप बीटीएस और इंटरनेशनल सिंगर शकीरा एक साथ परफॉर्म करने वाले हैं।

इसकी जानकारी इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) की तरफ से दी गई। फीफा ने एक टीजर वीडियो जारी किया, जिसमें क्रिस मार्टिन और मशहूर करैक्टर एल्मो नजर आए। वीडियो में मपेट शो के कई लोकप्रिय किरदार भी शामिल थे। इसी दौरान क्रिस मार्टिन और एल्मो ने मैडोना, बीटीएस और शकीरा के नामों का ऐलान किया। वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा शुरू हो गई।

फीफा ने जानकारी दी कि इस हाफटाइम शो से होने वाली कमाई फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड को दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य दुनियाभर के बच्चों तक अच्छी शिक्षा और फुटबॉल की सुविधाएं पहुंचाना है। इस फंड के जरिए करीब 100 मिलियन डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है ताकि जरूरतमंद बच्चों की मदद की जा सके।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यू जर्सी में खेला जाएगा। वहीं, टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगी। इससे पहले आखिरी बार फीफा वर्ल्ड कप 1994 में अमेरिका में आयोजित हुआ था और वह टूर्नामेंट इतिहास का सबसे ज्यादा दर्शकों वाला वर्ल्ड कप बना था। अब 2026 में एक बार फिर अमेरिका में होने वाला यह टूर्नामेंट रिकॉर्ड तोड़ सकता है।

वहीं, बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री नोरा फतेही फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म करती नजर आएंगी। नोरा टोरंटो में होने वाले इस कार्यक्रम में सिंगिंग और डांस दोनों करेंगी।

# बेटे अव्यान के जन्मदिन पर भावुक हुईं दीया मिर्जा, बोलीं- 'तुम्हारे आने से जिंदगी में उम्मीद के मतलब ही बदल गए'

**मुंबई।** दीया मिर्जा अपनी निजी जिंदगी और परिवार को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने बेटे अव्यान आजाद की तस्वीरें और खास पल फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने बेटे के पांचवें जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया और अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए कहा कि अव्यान को अपनी जिंदगी में नई रोशनी बताया।

दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर बेटे अव्यान आजाद की कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में अव्यान के शुरुआती पल से लेकर अब तक की कई खूबसूरत फोटोज हैं। कुछ तस्वीरों में दीया अपने बेटे का साथ खेलती, मुस्कुराती और परिवार के साथ समय बिताती दिखाई दे रही हैं।

इन तस्वीरों के साथ दीया मिर्जा ने अपने बेटे के लिए लंबा कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा, ''हमारे मिरेकल बच्चे को पांचवें जन्मदिन की शुभकामनाएं। हमारा बहादुर, तुम जन्म से ही आजाद थे और हमेशा आजाद रहो। तुम अपनी जिंदगी अपने तरीके से जियो। खुलकर हंसो, दिल से प्यार करो और बड़े सपने देखो।''

उन्होंने आगे लिखा, ''तुम हमेशा उन चीजों की रक्षा करो, जो कोमल और खूबसूरत हैं। हमेशा नई चीजों को बढ़ने और आगे बढ़ाने में मदद करो। तुम्हारे हमारे जिंदगी में आने के बाद उम्मीद का मतलब ही बदल गया।

# जुनून और दीवानगी में कोई फर्क नहीं, इन शब्दों के पीछे गहरा मतलब होना चाहिए : दिव्येंदु

**मुंबई।** नेटफ्लिक्स की बॉक्सिंग क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'ग्लोरी' की सफलता से अभिनेता दिव्येंदु गदगद हैं। इस बीच उन्होंने जुनून, दीवानगी और सब्र जैसे शब्दों के असली अर्थ पर गहरे विचार साझा किए हैं। उनका कहना है कि लोग इन शब्दों का इस्तेमाल बहुत हल्के में कर देते हैं जबकि इनके पीछे कोई न कोई गहरा मतलब जरूर होता है।

दिव्येंदु ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि उन्हें 'पागलपन की हद तक जुनूनी' होने और 'दीवाना' होने के बीच बहुत कम फर्क नजर आता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'मुझे पागलपन की हद तक जुनूनी होने और दीवाना होने के बीच कोई फर्क नजर नहीं आता। ये दोनों एक ही बात हैं। अभिनेता ने बताया कि किसी किरदार को निभाते समय वह पूरी दीवानगी के साथ उसकी गहराई में उतर जाते हैं। लेकिन साथ ही उन्हें खुद को रोकना भी पड़ता है, ताकि वे चीजों को लेकर हद से ज्यादा न सोचें या न करें। उन्होंने संतुलन बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। दिव्येंदु के अनुसार, यह प्रक्रिया 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि एक लंबी मैराथन है। इसमें बहुत सब्र की जरूरत होती है।उन्होंने कहा, 'एक एक्टर होने के नाते आपको इस पूरी यात्रा के लिए सब्र की जरूरत पड़ती है।' उन्होंने यह भी बताया कि इन शब्दों का मतलब व्यक्ति के पेशे पर भी निर्भर करता है। एक खिलाड़ी इन शब्दों को अलग नजरिए से देखता है जबकि एक कलाकार उन्हें अलग तरह से समझता है।अभिनेता का स्पष्ट कहना है कि सच्चा जुनून और दीवानगी लंबे समय तक टिकने वाली होती है, न कि क्षणिक। दिव्येंदु ने 'दीवाना' शब्द के हल्के इस्तेमाल पर भी टिप्पणी की। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'आजकल लोग कहते हैं कि वे किसी शो के दीवाने हैं, छह-सात एपिसोड देखते हैं और फिर उनका मन भर जाता है। वे तुरंत नया शो या नया ट्रेंड ढूंढने लगते हैं। उनका मानना है कि ऐसे शब्दों का इस्तेमाल इतना हल्का नहीं होना चाहिए।

# तलाक की अफवाहों के बीच डिनर आउटिंग पर दिखीं मौनी रॉय, कैप्चर करने पर मोबाइल से छिपाया चेहरा

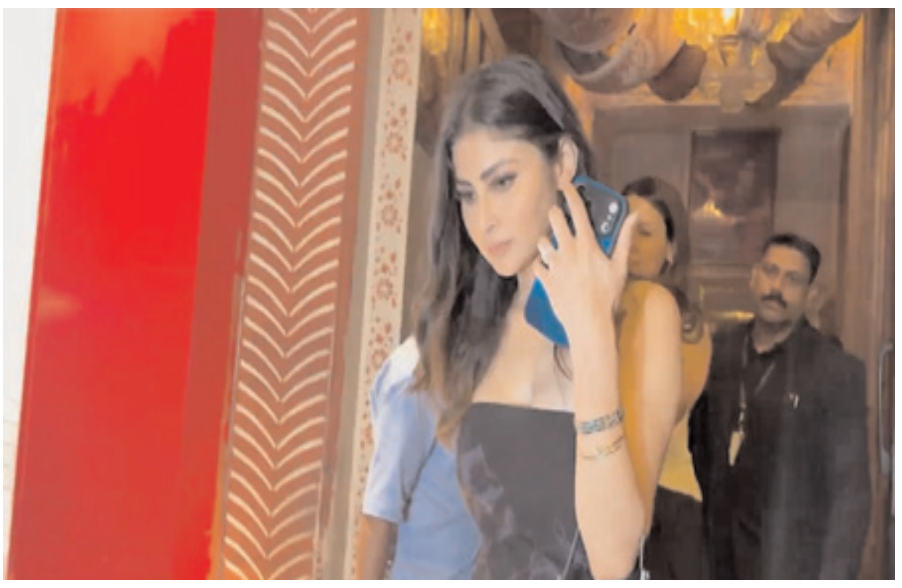

**मुंबई।** टीवी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में सितारों की निजी जिंदगी अक्सर चर्चा में बनी रहती है। इन दिनों मौनी रॉय भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार के बीच तलाक की खबरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद ये चर्चाएं जोरों पर हैं। हालांकि दोनों की तरफ से अभी तक किसी भी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इन खबरों के बीच मौनी रॉय को मुंबई में अपने करीबी दोस्तों के साथ डिनर आउटिंग पर देखा गया। इस दौरान की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे है।

मुंबई के एक मशहूर रेस्टोरेंट के बाहर मौनी रॉय को स्पॉट किया गया। इस दौरान वहां पहले से मौजूद पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैद करने की कोशिश की। इंटरनेट पर वायरल हो रही वीडियो में देखा जा सकता है कि मौनी रॉय रेस्टोरेंट से बाहर निकलते समय काफी जल्दी में नजर आ रही हैं।

उन्होंने कैमरों से बचने के लिए अपना चेहरा मोबाइल फोन से छिपाने की कोशिश की।

इस दौरान मौनी का स्टाइलिश अंदाज भी लोगों का ध्यान खींचता नजर आया। उन्होंने काले रंग की स्ट्रैपलेस फिटेड ड्रेस पहनी हुई थी, जिसमें उनका लुक काफी ग्लैमरस दिखाई दे रहा था। इसके साथ उन्होंने बहुत कम एक्सेसरीज कैरी की थीं।

उनका सिंपल लुक काफी आकर्षक लग रहा था। बता दें कि मौनी रॉय पिछले कुछ दिनों से अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार खबरों में बनी हुई हैं। दरअसल, सोमवार को सोशल मीडिया यूजर्स ने नोटिस किया कि मौनी और उनके पति सूरज नांबियार ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। इसके बाद दोनों के रिश्ते में तलाक की अफवाहों ने तेजी पकड़ ली।

सोशल मीडिया पर लोगों ने तरह-तरह की बातें करना शुरू कर दिया और देखते ही देखते यह खबर वायरल हो गई।खबरों के तेजी से फैलने के बाद सूरज नांबियार ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी हटा दिया।

हालांकि, इस पर अब तक न तो मौनी रॉय और न ही सूरज नांबियार ने कोई बयान दिया है।इन चर्चाओं के बीच बुधवार को मौनी रॉय ने सोशल मीडिया के जरिए मीडिया और लोगों से खास अपील की। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि उनके बारे में गलत खबरें और झूठी कहानियां प्रकाशित न की जाएं। उन्होंने विनम्रता के साथ मीडिया से प्राइवेसी और थोड़ा निजी समय देने की मांग की। इसके साथ ही मौनी ने हाथ जोड़ने वाले इमोजी के साथ लिखा कि उन्हें और उनके परिवार को थोड़ा स्पेस दिया जाए।

# 80-90 के दौर के अपराधों को याद कर बोले शालीन भनोट, 'आज के शहर पहले से ज्यादा सुरक्षित महसूस होते हैं'

**मुंबई।** अभिनेता शालीन भनोट इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज 1980 और 1990 के दशक के उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें अपराध, गैंगवार और पुलिस की चुनौतियों को दिखाया गया है। पुराने दौर में कानून व्यवस्था को लेकर शालीन भनोट ने आईएएनएस संग बातचीत में अपने विचार खुलकर साझा किए। उन्होंने

बताया कि 80 और 90 के दशक के मुकाबले आज कई शहरों में हालात काफी बेहतर हुए हैं और लोग पहले से ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं।

मीडिया से बात करते हुए शालीन भनोट ने कहा, ''अगर कोई 80 और 90 के दशक में होने वाले अपराधों को ध्यान से देखे, तो समझ सकता है कि उस समय पुलिस बल को कितनी मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था। उस दौर में अपराध ज्यादा खुले तौर पर होते थे और अपराधियों के अंदर कानून का डर भी कम दिखाई देता था। आज के समय में कई शहरों में सुरक्षा व्यवस्था पहले की तुलना में मजबूत हुई है।

शालीन ने खासतौर पर महिलाओं की सुरक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि अब महिलाएं पहले से ज्यादा आत्मविश्वास के साथ घर से बाहर निकल पाती हैं। समाज में बदलाव आया है और कई जगहों पर अपराध के मामलों में कमी भी देखने को मिली है।

शालीन भनोट ने अपनी सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के बारे में बात करते हुए कहा, ''यह सिर्फ एक मनोरंजन करने वाली कहानी नहीं है, बल्कि यह उस दौर की पुलिसिंग की सच्चाई को भी सामने लाती है। आज के दर्शक जब पुराने समय को देखते हैं, तो उन्हें लगता है कि उस दौर में पुलिस का काम शायद आसान रहा होगा। लेकिन असलियत इससे बिल्कुल अलग है।

# ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता, जिनपिंग-ट्रंप इस पर सहमत : व्हाइट हाउस

**वाशिंगटन।** बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बात पर सहमत हो गए हैं कि ईरान को परमाणु हथियार संपन्न होने की इजाजत नहीं दी जा सकती। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी।

व्हाइट हाउस के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सकारात्मक और अहम बैठक हुई।

बैठक में दोनों नेताओं ने अमेरिका और चीन के बीच 'आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की।' इसमें अमेरिकी कंपनियों के लिए चीन के बाजार तक ज्यादा पहुंच और अमेरिकी उद्योगों में चीनी निवेश बढ़ाने जैसे मुद्दे शामिल रहे।।

बैठक के एक हिस्से में अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों के प्रमुख भी शामिल हुए। दोनों नेताओं ने अमेरिका में फेंटेनिल

से जुड़े रसायनों (फेंटेनिल प्रीकर्सर्स) की तस्करी रोकने की दिशा में जारी सहयोग को आगे बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। इसके अलावा चीन की ओर से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में होर्मुज स्ट्रेट का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। दोनों देशों ने माना कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार को सुचारु बनाए रखने के लिए इस अहम समुद्री मार्ग का खुला रहना जरूरी है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने होर्मुज स्ट्रेट के सैन्यीकरण का विरोध किया और इस मार्ग के इस्तेमाल पर किसी तरह का शुल्क या टोल लगाने की कोशिशों को भी गलत बताया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि चीन भविष्य में अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने में रुचि रखता है, ताकि इस समुद्री मार्ग पर अपनी निर्भरता कम की जा सके।

व्हाइट हाउस ने अपने बयान में दोहराया कि अमेरिका और चीन दोनों इस बात पर एकमत हैं कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए।

यह चर्चा ट्रंप के तीन दिवसीय चीन दौरे के दौरान हुई, जिसे दोनों देशों के बीच रिश्तों को नए सिरे से संतुलित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

# लातविया की प्रधानमंत्री इविका सिलिना ने दिया इस्तीफा

**रीगा।** लातविया की प्रधानमंत्री इविका सिलिना ने गुरुवार को अपने इस्तीफे की घोषणा की और इसे हालातों के मद्देनजर 'सही फैसला' करार दिया। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को बताया कि जब तक नए कैबिनेट मंत्रियों को मंजूरी नहीं मिल जाती, सरकार अपना काम करती रहेगी।

लातविया के मीडिया हाउस एलएसएम के अनुसार, देश के राष्ट्रपति को सिलिना का इस्तीफा मिल गया है और नई सरकार बनाने का फैसला शुक्रवार को रीगा कैसल में साइमा ग्रुप के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान किया जाएगा। सिलिना के पद छोड़ने से वर्तमान सरकार स्वत: बुधवार को गिर गई। इसी दिन गठबंधन में शामिल दल 'प्रोग्रेसिव्स' ने सरकार से समर्थन वापस लेने का ऐलान कर दिया था। सिलिना ने तंज कसते हुए कहा, 'इस समय, सियासी विद्वेष और छोटी पार्टी के फायदे जिम्मेदारी

से ज्यादा जरूरी हो गए हैं। रक्षा मंत्री के पद के लिए एक ताकतवर उम्मीदवार (कर्नल रायविस मेलनिस, जिन्हें सिलिना ने त्यागपत्र देने वाले प्रोग्रेसिव्स के मंत्री एंड्रिस स्मूड्स की जगह नॉमिनेट किया था) को देखकर, सियासी हवाबाजों ने एक सरकारी संकट को चुन लिया है। इसीलिए मैं अपने इस्तीफे की घोषणा कर रही हूं। यह कोई आसान फैसला नहीं है, लेकिन इस हालात में यही सही है। 'इससे पहले बुधवार को, लातविया के गृहमंत्री रिहार्ड्स कोजलोव्स्कीस (न्यू यूनिटी) ने कहा था कि सिलिना इस्तीफा देने का प्लान नहीं बना रहे हैं। हालांकि, एलएसएम की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोग्रेसिव पार्लियामेंट्री ग्रुप के लीडर, एंड्रीस सुवाजेव्स ने गुरुवार को कहा कि अगर आज साइमा (लातवियाई पार्लियामेंट) में सिलिना के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर वोट होता है, तो सरकार गिर जाएगी। पोलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले हफ्ते, लातविया के रक्षा मंत्री एंड्रीस स्मूड्स ने पद छोड़ दिया था, जब यूक्रेन के ड्रोन रूस से देश के एयरस्पेस में घुस आए और एक तेल भंडारण केंद्र पर हमला कर दिया। 10 मई को, लातविया की पीएम एविका सिलिना ने कहा कि उन्होंने स्मूड्स से इस्तीफा देने को कहा क्योंकि हमले से 'यह पता चलता है कि रक्षा क्षेत्र का सियासी नेतृत्व हमारे देश के ऊपर सुरक्षित आसमान का अपना वादा पूरा करने में फेल रहा है।'

## संक्षिप्त खबर

### कोरियाई और अमेरिकी हवाई अड्डों की वीडियो बनाने के आरोप में दो चीनी नागरिकों को जेल की सजा

**सियोल।** दो चीनी नागरिकों को गुरुवार को दक्षिण कोरिया और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर लड़ाकू विमानों की अवैध रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग करने तथा ट्रैफिक कंट्रोल संचार को इंटरसेप्ट करने की कोशिश करने के मामले में जेल की सजा सुनाई गई। सुवोन जिला अदालत ने 18 वर्षीय चीनी हाईस्कूल के छात्र को डेढ़ से दो साल की अनिश्चितकालीन जेल की सजा और 20 वर्षीय चीनी युवक को दो साल की जेल की सजा सुनाई। दोनों को सामान्य राजद्रोह के आरोप में दोषी पाया गया। किशोर कानून के तहत नाबालिगों पर अनिश्चितकालीन सजा लागू की जाती है। यह दक्षिण कोरिया में पहली बार है जब किसी विदेशी नागरिक को आपराधिक कानून के तहत सामान्य राजद्रोह का दोषी ठहराया गया है।

योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, अदालत ने अपराध में इस्तेमाल किए गए कैमरे और अन्य उपकरणों को जब्त करने का भी आदेश दिया। दोनों को 2024 की दूसरी छमाही से लेकर पिछले वर्ष मार्च तक दक्षिण कोरिया की कई यात्राओं के दौरान देशभर के प्रमुख एयरबेस पर उड़ान भरते और उतरते लड़ाकू विमानों की सैकड़ों विस्तृत तस्वीरें लेने के आरोप में गिरफ्तार कर आरोपपत्र दाखिल किया गया था। उस समय दोनों हाईस्कूल के छात्र थे। जांच में पता चला कि उन्होंने सुवोन, ओसान, प्योंगटेक और चेओंगजू स्थित दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ-साथ इंचियोन, गिम्पो और जेजू के तीन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का दौरा किया था। पिछले साल मार्च में सुवोन एयर बेस पर लड़ाकू विमानों की अवैध रिकॉर्डिंग करने की शिकायत एक स्थानीय निवासी द्वारा किए जाने के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया था।

अदालत ने सभी आरोपों में उन्हें दोषी ठहराते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे राजद्रोहपूर्ण कार्य किए, जो दक्षिण कोरिया के सैन्य हितों को प्रभावित कर सकते थे। अदालत ने यह भी कहा कि तस्वीरों के जरिए एयरबेस पर विमानों की तैनाती और उनके मुख्य अभियानों से जुड़ी जानकारी उजागर हुई, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर नुकसान पहुंचा। इसलिए कड़ी सजा आवश्यक थी।

बुसान में एक अलग मामले में भी चीनी नागरिकों पर अमेरिकी विमानवाहक पोत की अवैध रिकॉर्डिंग करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि उस मामले में अभी फैसला नहीं सुनाया गया है।

# ईयू देशों के मिशन प्रमुखों ने की राहुल गांधी से मुलाकात

**नई दिल्ली।** यूरोपीय संघ (ईयू) के (27 सदस्य देश) के मिशन प्रमुखों (एचओएम) ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस बैठक में भारत-यूरोपीय संघ के 'मजबूत होते रणनीतिक संबंधों' और मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति पर चर्चा हुई।

कांग्रेस की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष भी इस दौरान मौजूद रहे, और ईयू प्रतिनिधिमंडल की ओर से शांति निकेतन में आयोजित लंच में शामिल हुए।

भारत में ईयू के राजदूत हर्वे डेल्फिन ने एक्स पोस्ट में बताया, ' ईयू एचओएम की ओर से आयोजित लंच में एलओपी राहुल गांधी और कांग्रेस के विदेश मामलों की समिति अध्यक्ष सलमान खुर्शीद शामिल हुए। इस बैठक में भारत और ईयू के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों और वैश्विक परिस्थितियों पर विचार-

विमर्श हुआ।

पिछले हफ्ते डेल्फिन ने ईयू और भारत के घनिष्ठ संबंधों की ओर ध्यान दिलाया था। कहा था कि ये दुनिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं हैं।

उन्होंने यह भी कहा था कि हाल के समय में संबंधों में 'गुणात्मक और रणनीतिक' स्तर पर बड़ा बदलाव आया है और दोनों पक्ष एक अधिक महत्वाकांक्षी और प्रगतिशील साझेदारी की ओर बढ़ रहे हैं।

वहीं, गुरुवार को ही भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर सवाल पूछे। बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की घोषित आय और विदेश यात्राओं पर किए गए खर्च में बड़ा अंतर है। उन्होंने दावा किया कि पिछले वर्षों में राहुल गांधी की घोषित आय लगभग 11 करोड़ रुपये रही है, जबकि उनकी विदेशी यात्राओं पर करीब 60 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

पात्रा ने सवाल उठाया कि इन यात्राओं के लिए धन कहां से आता है—क्या यह व्यक्तिगत फंड है, किसी अन्य स्रोत से है या विदेशी फंडिंग का मामला है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में पारदर्शिता की कमी है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा सवाल भी बन सकता है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हाल के वर्षों में कुछ विदेश यात्राओं की जानकारी समय पर सार्वजनिक नहीं की गई, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंताएँ भी सामने आई हैं।

हालांकि, इस पूरे विवाद पर कांग्रेस की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

# यूएस की कंपनियों के लिए चीन में और भी बड़े मौके होंगे: शी जिनपिंग

**नई दिल्ली।** चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी ऐतिहासिक मीटिंग के दौरान अमेरिकी अधिकारियों से भी मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि चीन में अमेरिकी कंपनियों के लिए और भी बड़े मौके होंगे।

ट्रंप के साथ टेस्ला के मालिक एलन मस्क, एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग और एप्पल के टिम कुक समेत कई अमेरिकी बिजनेस लीडर्स बीजिंग गए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, राष्ट्रपति शी ने कहा, 'चीन के खुलने का दरवाजा और भी बड़ा होता जाएगा। चीन, अमेरिका के साथ आपसी फायदे वाले सहयोग को मजबूत करने का स्वागत करता है। मेरा मानना है कि चीन में अमेरिकी कंपनियों के लिए और भी बड़े मौके होंगे।' अमेरिकी सीईओ के समूह में एयरोस्पेस से लेकर टेक और बैंकिंग तक की इंडस्ट्री

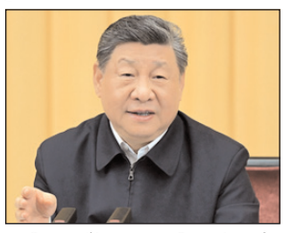

शामिल हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के डेलिगेशन में एप्पल के सीईओ टिम कुक और टेस्ला और स्पेसएक्स के चीफ एलन मस्क के साथ-साथ ब्लैकरॉक, ब्लैकस्टोन, बोइंग, कारगिल, सिटी, सिस्को, कोहेरेंट, जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) एयरोस्पेस, गोल्डमैन सैक्स, इलुमिना, मास्टरकार्ड, मेटा, माइक्रोन, क्वालकॉम और वीजा के सीनियर एग्जीक्यूटिव शामिल हैं। जिनपिंग के साथ बैठक की शुरुआत में ट्रंप ने शी से कहा, 'हमने दुनिया के टॉप 30 लोगों से पूछा। उनमें से हर एक ने हां कहा और मुझे कंपनी में दूसरे या तीसरे नंबर के लोग नहीं चाहिए थे। मुझे सिर्फ टॉप वाले चाहिए थे।

# जिनपिंग के बयान पर ताइवान का पलटवार, चीन को इलाके में असुरक्षा का एकमात्र कारण बताया

**बीजिंग।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीन दिवसीय चीन दौरे पर पहुंचे हुए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी प्रेसिडेंट शी जिनपिंग ने द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के दौरान व्यापार, तकनीक समेत कई मुद्दों पर बातचीत हुई, जिसमें ताइवान भी एक मुद्दा रहा। शी ने कहा कि अगर ताइवान के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तो अमेरिका और चीन के बीच टकराव देखने को मिल सकते हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ताइवान ने चीन पर इस इलाके में असुरक्षा का एकमात्र सोर्स होने का आरोप लगाया।

अमेरिकी मीडिया सीएनएन के अनुसार, ताइवान कैबिनेट प्रवक्ता मिशेल ली ने कहा, 'ताइवान स्ट्रेट और हिंद-प्रशांत इलाके में असुरक्षा का एकमात्र सोर्स चीन का सैन्य खतरा है। क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डिफेंस को लगातार

बेहतर बनाना और असरदार संयुक्त निवारण सबसे जरूरी फैक्टर हैं।' चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार, राष्ट्रपति शी ने अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप से कहा कि ताइवान चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे जरूरी मुद्दा है और अगर इसे गलत तरीके से हैंडल किया गया तो यह बहुत खतरनाक स्थिति पैदा कर सकता है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ताइवान पर अपना दावा करती है और उसने कसम खाई है कि अगर जरूरत पड़ी तो एक दिन वह इसे जबरदस्ती ले लेगी। शी ने कहा, 'ताइवान की आजादी और क्रॉस-स्ट्रेट शांति आग और पानी की तरह एक-दूसरे के खिलाफ हैं।

# पाकिस्तान के बलूची और ब्राहुई रेडियो प्रोग्राम बंद, छात्र संगठन ने फैसले को चालाकी और दुर्भावनापूर्ण बताया

**क्वेटा।** एक बड़े छात्र संगठन ने 'बलूचिस्तान डिजिटल पॉलिसी 2026' के तहत पाकिस्तान के रेडियो ब्रॉडकास्ट से बलूची और ब्राहुई भाषा के प्रोग्राम हटाने की कड़ी निंदा की है। छात्र संगठन ने पाकिस्तानी अधिकारियों के इस कदम को बहुत चालाकी और बदनीयत बताया है।

बलूच स्टूडेंट्स एक्शन कमेटी (बीएसएसी) ने कहा कि यह फैसला, बलूची एकेडमी की सालाना फंडिंग में कटौती के साथ, बलूच समुदाय की भाषाओं को खत्म करने की कोशिश है।

स्टूडेंट बॉडी के मुताबिक, बलूचिस्तान की दो मुख्य भाषाएं, बलूची और ब्राहुई, पहले से ही खत्म होने के खतरे का सामना कर रही हैं। आरोप है कि सरकार ने न तो उनके प्रमोशन और विकास के लिए सही इंतजाम किए और न ही उनके बचाव के लिए कोई प्रैक्टिकल कदम उठाए हैं।

बीएसएसी ने कहा, 'दुनियाभर में, देश अपनी मातृभाषाओं में शिक्षा देते हैं और उनकी तरक्की के लिए साहित्य बनाते हैं ताकि मातृभाषाओं में ज्ञान का एक बड़ा भंडार मौजूद हो। फिर भी बलूचिस्तान में मातृभाषाओं का विकास करने के बजाय, सरकार उन्हें खत्म करने पर तुली हुई है। यह प्रक्रिया सीधे बलूच देश की पहचान से जुड़ी है। सरकार एक तरफ स्कूल के काम करने के तरीके और साक्षरता दर को बेहतर बनाने का दावा करती है। वहीं दूसरी तरफ, हम बलूची और ब्राहुई भाषाओं पर पाबंदियां और रुकावटें लगाते हुए देख रहे हैं।'

छात्र संगठन ने कहा कि बलूचिस्तान में लंबे समय से मातृभाषाओं पर बिना बताए बैन लगा हुआ है, जिससे ये भाषाएं खतरनाक रूप से खत्म होने के करीब पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि इन भाषाओं को बचाने के बजाय, सरकार उन्हें पूरी तरह से खत्म करने की कोशिश कर रही है। बीएसएसी ने दावा किया कि पिछले साल बलूचिस्तान यूनिवर्सिटी में बलूची, ब्राहुई और पश्तो भाषाओं के विभाग को खत्म करने की साजिश रची गई थी, जिसे प्रांत में पढ़ाई का सबसे पुराना और मुख्य सेंटर माना जाता है। इसमें यह भी कहा गया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने असेंबली में एक बिल पेश करके इस कदम का बचाव करने की कोशिश की, जिसमें स्टूडेंट एनरोलमेंट में कमी का हवाला दिया गया। बीएसएसी ने कहा, 'हमारा मानना है कि यह भी एक सोची-समझी साजिश है, क्योंकि इन डिपार्टमेंट को जानबूझकर स्टूडेंट के एनरोलमेंट और पढ़ाई के लिए जरूरी सुविधाओं से वंचित रखा गया था। इतना ही नहीं, बल्कि हाल ही में सरकार ने कहा है कि बलूची एकेडमी के सालाना फंड में कटौती की जाएगी, जो पूरी तरह से मातृभाषा के बचाव और विकास के लिए काम करती है, यह मातृभाषाओं के खिलाफ सरासर जुल्म और अन्याय है।

# लेबनान हिंसा से 7.7 लाख बच्चे मानसिक तनाव का शिकार: यूनिसेफ

**नई दिल्ली।** यूनिसेफ ने लेबनान में जारी हिंसा के बीच लाखों बच्चों की गंभीर मानसिक स्थिति की ओर दुनिया का ध्यान दिलाया है। बताया है कि हिंसा और बड़े पैमाने पर विस्थापन से करीब 7.7 लाख बच्चे मानसिक तनाव झेल रहे हैं।

आधिकारिक साइट पर जारी रिपोर्ट के अनुसार पिछले सात दिनों में हालात और भी गंभीर बन गए हैं। 17 अप्रैल 2026 को घोषित संघर्षविराम के बावजूद करीब 59 बच्चों के मारे जाने या घायल होने की रिपोर्ट सामने आई है।

लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, संघर्षविराम के बाद अब तक 23 बच्चों की मौत हो चुकी है और 93 घायल हुए हैं। वहीं

2 मार्च से अब तक कुल 200 बच्चों की जान जा चुकी है और 806 बच्चे घायल हुए हैं।

इसका मतलब है कि औसतन हर दिन लगभग 14 बच्चे या तो मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं, जो स्थिति की भयावहता को दर्शाता है। यूनिसेफ ने कहा कि ये बच्चे लगातार हिंसा, अपनों को खोने और बार-बार घर छोड़ने की मजबूरी जैसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। इससे उनके मन पर गहरा असर पड़ रहा है, जो आने वाले कई वर्षों तक बने रह सकता है। यूनिसेफ के मध्य पूर्व और उत्तर अफ्रीका के क्षेत्रीय निदेशक एडुआर्ड बेइगबेडर ने कहा, 'यदि तुरंत मदद नहीं पहुंचाई गई, तो इस संकट के मानसिक घाव बच्चों के साथ कई साल तक रह सकते हैं। इसका असर सिर्फ उनकी जिंदगी पर नहीं, बल्कि देश के भविष्य-दोनों पर पड़ेगा।' उन्होंने खेद जताते हुए कहा, 'जिन बच्चों को अब स्कूल लौटकर सामान्य जीवन जीना चाहिए, दोस्तों के साथ खेलना चाहिए और डर के माहौल से बाहर निकलना चाहिए, वे आज हिंसा में मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं।

# मनीला में हुई भारत और फिलीपींस की आतंकवाद-रोधी बैठक

**मनीला।** भारत और फिलीपींस ने मनीला में आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की दूसरी बैठक की, जिसमें क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उभरते आतंकवाद के हालात पर चर्चा हुई।

मनीला में दो दिनों तक चली इस बैठक का समापन गुरुवार को हुआ। इस बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (काउंटर टेररिज्म) विनोद बहादे और फिलीपींस के विदेश विभाग में एशियन और पैसिफिक मामलों के सहायक सचिव मार्शल लुईस एम अल्फेरेज ने की।

दोनों देशों ने आतंकवाद-रोधी सहयोग, कानून लागू करने, न्यायिक सहयोग और क्षमता बढ़ाने जैसे कई मुद्दों पर बात की।

विदेश मंत्रालय (एमईए) की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'दोनों पक्षों ने आतंकवाद के हर रूप और उसके सभी तरीकों की कड़ी निंदा की, जिसमें सीमा पार से होने वाला आतंकवाद भी शामिल है।

उन्होंने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम, जम्मू-कश्मीर में हुए भयानक आतंकी हमले और 10 नवंबर 2025 को नई दिल्ली के लाल किले के पास हुई आतंकी घटना की भी निंदा की। फिलीपींस ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ अपनी एकजुटता और समर्थन दोहराया।'

विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'आतंकवाद से जुड़े मौजूदा और नए खतरों से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने की जरूरत को देखते हुए, दोनों पक्षों ने समय पर जानकारी साझा करने और आतंकवादी गतिविधियों तथा आतंक के वित्त पोषण में नई और उभरती तकनीकों के इस्तेमाल को रोकने के लिए मिलकर काम करने पर जोर दिया। उन्होंने कट्टरपंथ और हिंसक उग्रवाद को रोकने के लिए सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की। '

दोनों देशों ने आतंकवाद से व्यापक और लगातार तरीके से लड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र, फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स, एपीजी और एआरएफ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। इस दौरे के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने फिलीपींस की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल और एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग काउंसिल के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। दोनों देशों के अधिकारियों ने आपसी सहमति से अगली संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक भारत में आयोजित करने पर सहमति जताई।

# अगर कोई नागरिकों पर हमला करेगा, तो हम उसके घर में घुसकर जवाब देंगे : राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर ने तो इतिहास ही बदल दिया। इसके साथ ही उन्होंने आतंकवाद के प्रति एक बार फिर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए बताया है कि आतंकवाद को लेकर भारत जीरो टॉलरेंस की नीति रखता है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट एयर स्ट्राइक का उदाहरण दिया।

रक्षा मंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारतीय सेना आतंकवादियों को सीमा पार जाकर भी मार सकती है। गुरुवार को रक्षामंत्री ने कहा, 'हमने दुनिया को साफ संदेश दिया है, कि आतंकवाद के खिलाफ अब हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है। हमने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक करके दिखा दिया, कि भारत की सेना सीमा पार जाकर भी आतंकियों को मार सकती है। 2019 में हमारे बालाकोट एयरस्ट्राइक ने, आतंकवादियों के ट्रेनिंग कैंप को तबाह किया। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर ने तो जैसे इतिहास ही बदल दिया। ऑपरेशन सिंदूर में हमने ऐसा करारा जवाब दिया कि दुश्मन के होश ही उड़ गए।'

गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राजस्थान में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हमारे जवान, देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं, ठीक उसी तरह से, हमारी सरकार भी, योजनाओं के मामले में, उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। रक्षा मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, पिछले दस वर्षों में, भारत ने अपनी सुरक्षा नीति में ऐतिहासिक बदलाव किया है उन्होंने कहा, 'हमने साबित किया है कि अब भारत चुपचाप सहने वाला देश नहीं रहा। अब अगर कोई हमारे नागरिकों पर हमला करेगा, तो हम उसे उसके घर में घुसकर जवाब देंगे। कोई सीमा हमें रोक नहीं सकती, कोई सरहद बाधा नहीं बन सकती।' उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से लेकर महिला सुरक्षा के सख्त कानूनों तक, सरकार हर स्तर पर नारी शक्ति को सशक्त कर रही है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'हमने तो महिलाओं को, उनका राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए, उनको 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने का भी पूरा प्रयास और प्रबंध किया था। लेकिन विपक्ष के हमारे साथियों के विरोध के कारण, ऐसा नहीं हो सका।' इस विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वह यह बताना चाहते हैं कि वह बिल केवल एक बिल भर नहीं था, बल्कि वह हमारी सामूहिक इच्छा का एक परिचायक था। उन्होंने कहा कि बिल एक बार को भले ही सदन के मैदान में विफल हो जाए, हमारी इच्छा को कभी कोई विफल नहीं कर सकता है। हमारी इच्छाशक्ति और मजबूत हुई है।

# योगी सरकार का अस्पतालों और चिकित्सकों के डाटा सत्यापन से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार पर फोकस

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में लगातार बड़े कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जय) के तहत अस्पतालों और चिकित्सकों के डाटा को और अधिक सटीक बनाने के लिए विशेष सत्यापन एवं सैनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य योजना के लाभार्थियों को सुरक्षित, पारदर्शी और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ का प्रयास है कि गरीब और जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे। साथ ही किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना को समाप्त किया जा सके।

ऐसे में विभाग की ओर से तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर कई सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। हाल ही में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान अस्पतालों एवं चिकित्सकों से जुड़े डाटा का गहन परीक्षण किया गया, जिसमें कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए।

समीक्षा के दौरान पाया गया कि 28 चिकित्सकों के नाम 15 से अधिक अस्पतालों से जुड़े हुए थे, जबकि 274 चिकित्सकों के नाम सात से अधिक अस्पतालों में दर्ज पाए गए। इस पर संबंधित चिकित्सकों एवं अस्पतालों को नोटिस जारी किए गए और तीन दिवसीय सत्यापन प्रक्रिया संचालित की गई। इस दौरान सभी संबंधित पक्षों को अपना पक्ष रखने तथा आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने का पूरा अवसर दिया गया। सीईओ ने बताया कि जांच के दौरान कई ऐसे मामले सामने आए, जहां चिकित्सक पूर्व में संबंधित अस्पतालों में कार्यरत थे, लेकिन समय पर डाटा अपडेट न होने के कारण उनके नाम अब भी रिकॉर्ड में दर्ज थे। वहीं, दूसरी ओर यह भी स्पष्ट हुआ कि कई विशेषज्ञ चिकित्सक वास्तव में विभिन्न अस्पतालों से जुड़े हुए हैं और अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इससे प्रदेश के दूरस्थ एवं जरूरतमंद क्षेत्रों में भी विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो पा रही हैं, जो मरीजों के लिए बड़ी राहत है। अभियान का उद्देश्य किसी भी चिकित्सक या अस्पताल को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को मजबूत बनाना है।

## संक्षिप्त खबर

### तमिलनाडु : सीएम विजय ने सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते को 58 से बढ़ाकर 60 फीसदी किया

**चेन्नई।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते को 58 से बढ़ाकर 60 फीसदी करने का फैसला किया है। उनका यह फैसला 1 जनवरी 2026 से ही प्रभावी माना जाएगा।

मुख्यमंत्री विजय ने जनहित में शुरू किए गए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं को लागू करने की दिशा में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। जनहित में शुरू की गई इन योजनाओं को हर हाल में लागू किया जाएगा।

आमतौर पर इन सरकारी योजनाओं को लागू करने की दिशा में सरकारी अधिकारी और शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अब इनके महंगाई भत्ते में इजाफा करने का फैसला किया है, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते में इजाफा करने से पहले पूरी वस्तुस्थिति की समीक्षा की। इसके बाद ही फैसले को धरातल पर उतारने का फैसला किया गया। सरकार के इस फैसले के बाद लगभग 16 लाख सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को सीधा फायदा पहुंचेगा। अपने इस फैसले के बाद सरकार ने स्पष्ट किया कि किसी भी कर्मचारियों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस फैसले के बाद से राज्य सरकार पर 1,230 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वार्षिक व्यय का बोझ पड़ेगा। सरकार सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए आवश्यक अतिरिक्त धनराशि आवंटित करेगी।

### बिहार: भोजपुर-बक्सर विधान परिषद उपचुनाव में राजद की जीत

**पटना।** बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद गुरुवार को राजद के लिए एक अच्छी खबर मिली है। विधान परिषद के भोजपुर-बक्सर स्थानीय प्राधिकार निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव में राजद के सोनू कुमार राय ने शानदार जीत हासिल की है। इस उपचुनाव में राजद के सोनू राय ने जदयू के कन्हैया प्रसाद को हराया। इस उपचुनाव में निर्णायक बढ़त के बाद से ही कार्यकर्ताओं ने मतगणना स्थल के बाहर जश्न मनाना शुरू कर दिया। इधर, पटना प्रदेश कार्यालय में भी कार्यकर्ताओं ने जीत को लेकर खुशियां मनाईं। एमएलसी राधा चरण सेठ की बिहार विधानसभा चुनाव जीत पर उन्होंने भोजपुर-बक्सर स्थानीय प्राधिकार सीट से त्याग पत्र दे दिया था। तभी से यह सीट रिक्त है, जिसके लिए उपचुनाव हुआ। इस विधान परिषद उपचुनाव में कुल छह उम्मीदवार चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे थे। एनडीए की ओर से नीतीश कुमार की पार्टी से कन्हैया प्रसाद चुनावी मैदान में हैं, जबकि महागठबंधन से राजद के सोनू कुमार राय चुनावी अखाड़े में हैं। 12 मई को इस उपचुनाव के लिए मतदान हुआ था। राजद की इस जीत को एनडीए के लिए एक झटका माना जा रहा है।

# पंजाब बोर्ड इंटरमीडिएट की तीनों टॉपर छात्राओं से मिले सीएम भगवंत मान, 416 सरकारी स्कूलों ने दिए 100 फीसदी परिणाम

**चंडीगढ़।** पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पीएसईबी) ने बीते बुधवार को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर कक्षा 12वीं (इंटरमीडिएट) की बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणाम घोषित किए। इस वर्ष पंजाब बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 91.46 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए, जिसमें लड़कियां 94.73 प्रतिशत अंक के साथ आगे रहीं। वहीं, लड़कों का पास प्रतिशत 88.52 फीसदी दर्ज किया गया।

पंजाब 12वीं बोर्ड की परीक्षा में इस वर्ष पहले तीन स्थानों पर 3 छात्राओं ने 500 में से 500 अंक प्राप्त कर पूरे 100 फीसदी मार्क्स स्कोर किए, इनमें मानसा की सुपनीत कौर ने 500/500 अंक हासिल कर पंजाब में पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, लुधियाना की सुहानी चौहान ने 500/500 अंक लेकर दूसरा स्थान और तीसरी रैंक लुधियाना की दिव्यांशी ने 500/500 अंक के साथ हासिल किया। पंजाब इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के परिणामों के बाद, राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को चंडीगढ़ में तीनों टॉपर छात्राओं और उनके माता-पिता से मुलाकात की। इसी के साथ सीएम मान ने छात्राओं से मुलाकात की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर कर लिखा, 'आज चंडीगढ़ में पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के परिणामों में राज्य का नाम रोशन करने वाली होनहार बेटियों को सम्मानित किया। यह बेहद गर्व की बात है कि इस परीक्षा में 94.73 प्रतिशत लड़कियां पास हुई हैं।'

उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मेरिट सूची में स्थान हासिल करने वाले कुल 278 विद्यार्थियों में से 217 बेटियां हैं। मैं इन विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता और शिक्षकों की कड़ी मेहनत को भी सलाम करता हूं।'

सीएम मान आगे लिखते हैं, 'ये परिणाम इस बात के गवाह हैं कि अगर अवसर मिले तो साधारण परिवारों के बच्चे भी शानदार उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। हमारी सरकार 'शिक्षा क्रांति' के माध्यम से पंजाब के हर बच्चे के सपनों को साकार करने के लिए स्कूलों को आधुनिक बना रही है। हम ऐसा माहौल तैयार कर रहे हैं, जहां गरीबी किसी की तरक्की में बाधा नहीं बनेगी और पंजाब का शिक्षा तंत्र विश्वस्तरीय होगा।' बता दें कि 12वीं बोर्ड में राज्य के 416 सरकारी स्कूलों ने पूरे 100 प्रतिशत पास रिजल्ट हासिल किया है, जिससे मान सरकार की शिक्षा क्रांति का असर दिखने लगा है। वहीं, इस वर्ष 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं 17 फरवरी से 4 अप्रैल तक आयोजित की गई थीं, जिनमें कुल 2,65,417 छात्र शामिल हुए, जिनमें से 2,42,755 छात्र उत्तीर्ण हुए।

# अपराधियों से जुड़े सिंडिकेट मामले में कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर विश्वास ईडी के सामने पेश

**कोलकाता।** कोलकाता पुलिस उपायुक्त शांतनु सिन्हा विश्वास गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय में एक आपराधिक सिंडिकेट से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए पेश हुए।

यह घटनाक्रम ईडी द्वारा सुरक्षा निदेशालय को लिखे गए उस पत्र के दो दिन बाद सामने आया है, जिसमें उसने बिस्वास की मौजूदा स्थिति और यह जानकारी मांगी थी कि क्या वह इस समय किसी ड्यूटी पर तैनात हैं। ऐसा इसलिए किया गया था, ताकि उस पुलिस अधिकारी को ईडी के सामने पेश होने के लिए बाध्य किया जा सके, जिसने एजेंसी के कई समन को नजरअंदाज किया था।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने उन्हें इससे पहले भी कई बार समन भेजा था, जिसमें 28 अप्रैल का दिन भी शामिल था, जो पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से ठीक एक दिन पहले था। हालांकि, बिस्वास पेश नहीं हुए। इस आशंका के चलते कि बिस्वास देश छोड़कर भाग सकते हैं, ईडी ने उनके खिलाफ 'लुकआउट नोटिस' जारी कर दिया।

कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में पेश होने के लिए कहा गया। यह ईडी की उस मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच का हिस्सा है, जो सोना पप्पू उर्फ बिस्वजीत पोद्दार द्वारा चलाए जा रहे एक कथित अपराधी-लिंक्ड सिंडिकेट से जुड़ा है। दक्षिण कोलकाता के बालीगंज निवासी सोना पप्पू पर जमीन पर कब्जा करने और जबरन वसूली सहित कई आरोप हैं।

# झारखंड में बिना नक्शा बने मकानों को नियमित कराने के लिए सरकार ने लॉन्च किया ऑनलाइन पोर्टल

**रांची।** झारखंड सरकार ने राज्य के शहरी क्षेत्रों में बिना स्वीकृत नक्शे के बने मकानों और भवनों को नियमित कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नगर विकास मंत्री सुदिव्य सोनू ने गुरुवार को 'झारखंड अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितीकरण नियमावली-2026' के ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया। इसके जरिए राज्य के करीब सात लाख लोगों को अपने अनियमित भवनों को वैध कराने के लिए आवेदन कर सकेंगे।

यह योजना उन लोगों के लिए राहत लेकर आई है, जिन्होंने किसी कारणवश अपने मकान का नक्शा पास नहीं कराया था। नियमावली के तहत 300 वर्गमीटर तक क्षेत्रफल और 10 मीटर तक ऊंचाई वाले भवनों का नियमितीकरण किया जा सकेगा। जी प्लस 2 तक के आवासीय भवन भी इसके दायरे में आएंगे। नगर विकास मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि पिछले 25-26 वर्षों में अनियमित भवनों के नियमितीकरण के कई प्रयास हुए, लेकिन लोगों की भागीदारी सीमित रही। उन्होंने कहा कि सरकार इस बार एक 'लिबरल पॉलिसी' लेकर आई है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने लोगों से पोर्टल पर आवेदन कर भवनों का नियमितीकरण कराने की अपील की।

नगर विकास सचिव सुनील कुमार ने बताया कि नियमितीकरण नियमावली को राज्य कैबिनेट से 15 अप्रैल को मंजूरी मिल चुकी है।

# 25 नए पीआरवी को दिखाई गई हरी झंडी, रिमोट एरिया, एक्सप्रेसवे और संवेदनशील मार्गों पर पुलिस की बढ़ेगी सक्रियता

**नोएडा।** गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने और आपातकालीन स्थितियों में पुलिस रिस्पॉन्स टाइम को बेहतर करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने गुरुवार को सेक्टर-108 स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय से 25 नए टू-व्हीलर पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों को डायल-112 सेवा के बेड़े में शामिल किया गया है, जिनकी तैनाती नोएडा, सेंट्रल नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इन नए वाहनों का मुख्य उद्देश्य शहर के रिमोट एरिया, एक्सप्रेसवे और संवेदनशील मार्गों पर पुलिस की सक्रिय मौजूदगी बढ़ाना है। खासतौर पर आगामी महीने में शुरू होने जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट के आसपास और उससे जुड़े लिंक रोड पर मोबाइल पेट्रोलिंग को और सशक्त बनाया जा रहा है।

डायल-112 की टीमें लगातार एयरपोर्ट क्षेत्र में गश्त करती नजर आएंगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पहले ही तीन पुलिस चौकियों का विस्थापन किया जा चुका है। इसके साथ ही नई पीआरवी गाड़ियों को ऐसे इलाकों में तैनात किया जाएगा, जहां पुलिस की त्वरित पहुंच पहले चुनौतीपूर्ण मानी जाती थी। मोबाइल पेट्रोलिंग के जरिए एक्सप्रेसवे, लिंक रोड और एयरपोर्ट कॉरिडोर पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। नई व्यवस्था के तहत नोएडा जोन को 10 पीआरवी, सेंट्रल नोएडा जोन को 10 पीआरवी और ग्रेटर नोएडा जोन को 5 अतिरिक्त पीआरवी वाहन आवंटित किए गए हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इससे न केवल पुलिस की दृश्य उपस्थिति बढ़ेगी, बल्कि आमजन में सुरक्षा की भावना भी मजबूत होगी। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं, आपराधिक घटनाओं और अन्य आपात परिस्थितियों में पुलिस का रिस्पॉन्स टाइम पहले से बेहतर हो सकेगा। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट लगातार आधुनिक संसाधनों और तकनीक के माध्यम से खुद को अपग्रेड कर रहा है। नई टू-व्हीलर पीआरवी को भी आधुनिक संचार प्रणाली और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र से लैस किया गया है, जिससे पुलिसिंग को अधिक प्रभावी और स्मार्ट बनाया जा सके।

# प्रधानमंत्री योजना के नाम पर लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाले 6 गिरफ्तार

**ग्रेटर नोएडा।** गौतमबुद्धनगर की बिसरख पुलिस और साइबर सेल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएम ईजीपी) के नाम पर लोगों को सब्सिडी लोन दिलाने का झांसा देकर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले बड़े साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से ठगी में इस्तेमाल किए जा रहे 18 की-पैड मोबाइल फोन, 6 स्मार्ट फोन और कॉलिंग डाटा से जुड़े 15 रजिस्टर बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 13 मई को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर थाना बिसरख पुलिस एवं साइबर सेल टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान सेक्टर-1 स्थित कृष्णा काउंटी टॉवर ए की छत से छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान धर्मराज राठौर, रवि कुमार, किशन राठौर, अक्षय, किरण नायर और किरण बाबू राठौर के रूप में हुई है। सभी आरोपी कर्नाटक के बीजापुर और विजयपुर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।

आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में खुलासा किया कि वे इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आधार कार्ड और पैन कार्ड से संबंधित आकर्षक विज्ञापन चलाते थे। जब कोई व्यक्ति इन विज्ञापनों पर क्लिक करता था तो उसे आरोपियों का मोबाइल नंबर दिखाई देता था।

# केजरीवाल समेत 5 आप नेताओं के खिलाफ अदालत की आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी

**नई दिल्ली।** केजरीवाल के अलावा आम आदमी पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और दुर्गेश पाठक के खिलाफ भी अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान न्यायपालिका की गरिमा का जिक्र करते हुए कोर्ट ने एक बेहद अहम और कड़ी टिप्पणी की।

दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने अदालत की आपराधिक अवमानना के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए अरविंद केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। अदालत ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो समाज में अराजकता फैल जाएगी। इस मामले में केजरीवाल के अलावा आम आदमी पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और दुर्गेश पाठक के खिलाफ भी अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान न्यायपालिका की गरिमा का जिक्र करते हुए कोर्ट ने एक बेहद अहम और कड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि जब न्यायपालिका जैसी सर्वोच्च संस्था को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाती है, तो एक जज का यह सर्वोपरि दायित्व बन जाता है कि वह बिना किसी दबाव के काम करे और बदनामी की ऐसी कोशिशों से अपने फैसले को प्रभावित न होने दे। अदालत ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए यह भी कहा कि जब जज को इस मामले की सुनवाई से अलग होने की याचिका पर विचार किया जा रहा था, तब कोर्ट को ऐसा लगा था कि यह मुद्दा केवल एक न्यायिक आदेश की वैधता और पक्षपात की आशंका तक ही सीमित है।

इससे पहले, अदालत ने कहा था कि वह आम आदमी पार्टी के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक का प्रतिनिधित्व करने के लिए तीन वरिष्ठ अधिवक्ताओं को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त करेगी। ये अधिवक्ता आबकारी नीति मामले में उनके पक्ष में पारित बरी करने के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका में शामिल होंगे। यह तब हुआ जब केजरीवाल, सिसोदिया और पाठक ने न्यायमूर्ति शर्मा को पत्र लिखकर कहा था कि आबकारी मामले की कार्यवाही में उनका कोई वकील नहीं होगा। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति शर्मा को पत्र लिखकर कहा था कि वे न्यायाधीश के समक्ष लंबित कार्यवाही में भाग नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता से न्याय मिलने की मेरी उम्मीद खत्म हो गई है।

# स्पेस में सोने से पहले क्या तैयारियां करते हैं एस्ट्रोनॉट्स? नासा ने दिखाई आर्टेमिस II मिशन की स्लीप रूटीन

**नई दिल्ली।** स्पेस की दुनिया रहस्यों और हैरत से भरी जानकारियों से भरी हुई है। कई सवाल हैं जो जिज्ञासा पैदा करते हैं। ऐसा ही एक सवाल है कि स्पेस में सोने से पहले एस्ट्रोनॉट्स क्या-क्या तैयारियां करते हैं? अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने आर्टेमिस II मिशन के दौरान ली गई एक दिलचस्प वीडियो क्लिप के जरिए इस सवाल का जवाब दिया है।

नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आर्टेमिस II मिशन के 8वें फ्लाइट डे का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'हमारे साथ सोने की तैयारी करें... सोने से पहले स्लीप रूटीन जरूरी है, खासकर अंतरिक्ष में।'

वीडियो क्लिप में मिशन के चारों सदस्य कमांडर रीड वाइजमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन स्पेशलिस्ट क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन सोने से पहले अपनी पूरी चेकलिस्ट पूरा करते नजर आए। वीडियो में वे व्यवस्थित तरीके से सोने की तैयारियां करते दिख रहे हैं।

अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी के कारण रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें भी चुनौतीपूर्ण हो जाती हैं।

इसलिए नासा के एस्ट्रोनॉट्स नींद से पहले इन सभी बातों को बहुत सावधानी से चेक करते हैं ताकि रात के दौरान कोई समस्या न आए और वे सुरक्षित रूप से आराम कर सकें। एस्ट्रोनॉट्स सोने से पहले क्या चेक करते हैं? वीडियो में एस्ट्रोनॉट्स एक-एक करके चेकलिस्ट पूरी करते हुए सुनाई दे रहे हैं:-

स्लीपिंग बैग ठीक से लगाए गए हैं, केबिन का सामान सही जगह पर है। क्या साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक है, हाइजीन बे में कोई रुकावट तो नहीं। एयर इनलेट्स, डिफ्यूजर, नेगेटिव और पॉजिटिव प्रेशर रिलीफ सिस्टम चेक है या नहीं, इमरजेंसी उपकरण साफ और आसानी से पहुंच में हैं? सभी ज्वलनशील चीजें आग न पकड़ने वाले कंटेनरों में बंद हैं? लिथियम-आयन बैटरियां खिड़कियों के पास तो नहीं रखी गई हैं, डिस्प्ले बंद कर दिए गए हैं। ऑडियो को स्लीप मोड में डाला गया है या नहीं और अंत में चेक करना है कि केबिन की लाइट्स बंद की गई हैं या नहीं।

वीडियो में एस्ट्रोनॉट की आवाज साफ सुनी जा सकती है, ' हम शुरू कर रहे हैं... क्या तुम लोग लाइटें बंद करने के लिए तैयार हो?' और बाकी सदस्य 'तैयार हैं' कहते हैं।

# लहरदार बादलों का खूबसूरत दृश्य, क्या होते हैं 'वेव क्लाउड्स', जानें कैसे बनते हैं?

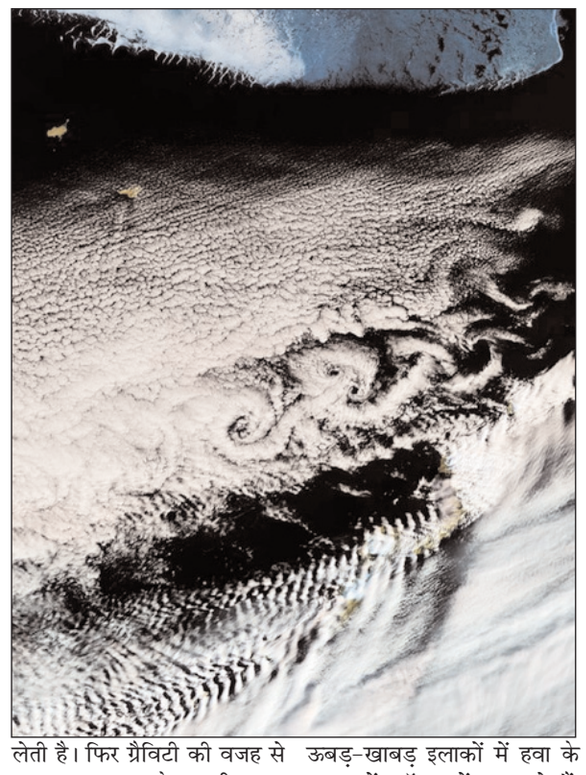

**नई दिल्ली ।** क्या आपने कभी आसमान में लहरों की तरह नाचते सफेद बादल देखे हैं? इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद एस्ट्रोनॉट्स अक्सर ऐसी तस्वीरें ले चुके हैं। फ्रेंच दक्षिणी और अंटार्कटिक क्षेत्र के क्रोजेट द्वीपों के ऊपर ऐसे भी ऐसे ही लहरदार बादलों की शानदार दृश्य देखने को मिली थी। इन बादलों को 'वेव क्लाउड्स' कहा जाता है, जो देखने में बेहद खूबसूरत लगते हैं।

वेव क्लाउड्स न सिर्फ खूबसूरत नजारा पेश करते हैं बल्कि मौसम विज्ञान की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। वेव क्लाउड्स को अंडुलेटस या बिलो क्लाउड्स भी कहा जाता है। ये बादल आमतौर पर पहाड़ी इलाकों या द्वीपों के ऊपर बनते हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की साझा की गई एक तस्वीर दक्षिण हिंद महासागर में स्थित क्रोजेट द्वीपों पर ली गई थी। ये द्वीप दक्षिण अफ्रीका और अंटार्कटिका के बीच स्थित हैं।

अब सवाल है कि वेव क्लाउड्स कैसे बनते हैं? वैज्ञानिक बताते हैं कि वेव क्लाउड्स का निर्माण वायुमंडलीय गुरुत्वाकर्षण तरंगों के कारण होता है। जब तेज हवा किसी पहाड़ या द्वीप से टकराती है तो वह ऊपर की ओर उठती है। इस दौरान हवा ठंडी हो जाती है और उसमें मौजूद नमी संघनित होकर बादल का रूप ले लेती है। फिर ग्रैविटी की वजह से यह हवा पहाड़ के दूसरी तरफ नीचे की ओर गिरती है। नीचे आने पर हवा गर्म हो जाती है, जिससे बादल गायब हो जाते हैं। लेकिन हवा की यह गति रुकती नहीं। हवा फिर से ऊपर उठती है, ठंडी होती है और नया बादल बनाती है। यह चक्र बार-बार दोहराता रहता है, जिससे लहरों जैसा पैटर्न बन जाता है। ठीक वैसे ही जैसे पानी में एक पत्थर फेंकने पर लहरें उठती हैं।

वहीं, क्रोजेट द्वीपों जैसे ऊबड़-खाबड़ इलाकों में हवा के प्रवाह में क्रॉस-करेंट्स बनते हैं, जिससे बादलों का यह लहरदार रूप और भी स्पष्ट दिखाई देता है। इन द्वीपों के ऊपर पहले भी कई बार वेव क्लाउड्स देखे जा चुके हैं। ये द्वीप पूरी तरह निर्जन हैं। यहां कोई स्थायी आबादी नहीं है, लेकिन वैज्ञानिकों के लिए ये महत्वपूर्ण अनुसंधान केंद्र हैं। यहां मुख्य रूप से किंग पेंगुइन और अन्य समुद्री जीवों का अध्ययन किया जाता है।

# कहीं स्ट्रेस में तो नहीं आपका बच्चा? इन लक्षणों से पहचानें परेशानी, करें आसान समाधान

**नई दिल्ली।** आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, पढ़ाई का दबाव, बढ़ता कॉम्पिटिशन परिवार में कलह या आसपास की बुरी घटनाएं बच्चों के मन पर गहरा असर डाल रही हैं। क्या आपका बच्चा भी चुपचाप स्ट्रेस झेल रहा है? विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चे तनाव को अलग-अलग तरीके से व्यक्त करते हैं। कुछ लक्षण आसानी से दिख जाते हैं, तो कुछ छिपे रह जाते हैं। समय पर इन्हें पहचानकर सही कदम उठाए जा सकते हैं।

यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) के अनुसार, बच्चों में तनाव के लक्षण उम्र के अनुसार अलग-अलग होते हैं। अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें तो डॉक्टर या काउंसलर की मदद लेनी चाहिए।

0-3 साल के बच्चों में लक्षण : - इस उम्र में बच्चे देखभाल करने वालों से ज्यादा चिपक जाते हैं। पुराने व्यवहार जैसे बिस्तर गीला करना या थंब चूसना वापस शुरू हो सकता है। सोने-खाने में बदलाव, ज्यादा चिड़चिड़ापन, रोना, चंचलता बढ़ना और छोटी-छोटी चीजों से डरना आम लक्षण हैं।

4-6 साल के बच्चों में लक्षण :- बड़ों से चिपके रहना, पुराने व्यवहार पर लौटना, सोने-खाने में गड़बड़ी, ध्यान न लगना, खेलना बंद करना, बोलना कम करना या ज्यादा बेचैन रहना तनाव के संकेत हो सकते हैं।

7-12 साल के बच्चों में लक्षण :- इस उम्र में बच्चे अकेले रहना पसंद करने लगते हैं। दूसरों पर पड़ने वाले असर को लेकर बार-बार चिंता करना, सोने-खाने में बदलाव, लगातार डरना, गुस्सा बढ़ना, याददाश्त कम होना और शारीरिक दर्द जैसे सिरदर्द या पेट दर्द होना आम है।

13-17 साल के किशोरों में लक्षण :- गहरा दुख, अपराधबोध, शर्मिंदगी, माता-पिता की बात न मानना, जोखिम भरे काम करना, खुद को नुकसान पहुंचाना या निराशा जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

सभी उम्र के बच्चों में शारीरिक लक्षण :- थकान, सीने में जकड़न, सांस लेने में तकलीफ, मुंह सूखना, पेट दर्द, सिरदर्द, कांपना और शरीर में दर्द तनाव के कारण हो सकते हैं। ये लक्षण किसी बीमारी के भी हो सकते हैं, इसलिए डॉक्टर से जांच जरूर कराएं।

विशेषज्ञ बताते हैं कि गंभीर लक्षण होने पर डॉक्टर की तुरंत मदद लें जैसे पूरी तरह अलग-थलग रहना, बोलना बंद करना, लगातार कांपना, आक्रामक व्यवहार, दूसरों को चोट पहुंचाने की कोशिश या उलझन में रहना बहुत गंभीर संकेत हैं।

ऐसे समय में तनाव में घिरे बच्चों या शख्स की मदद के लिए सबसे पहले बच्चे से भावनात्मक चेक-इन करें। उनसे सीधे पूछें या चित्र बनाने को कहें। चित्र के बारे में बात करने से बच्चे अपनी भावनाएं आसानी से व्यक्त कर पाते हैं।

# 6500 पाउंड कार्गो लेकर आईएसएस जाएगा रीसप्लाई मिशन सीआरएस-34, जानें कब होगा लॉन्च, कहां देख सकेंगे लाइव

**नई दिल्ली।** अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और स्पेस एक्स ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए अपने 34वें कमर्शियल रीसप्लाई सर्विस यानी सीआरएस-34 मिशन के लॉन्च को लेकर नया लक्ष्य तय किया है। खराब मौसम के कारण 13 मई को लॉन्चिंग स्थगित होने के बाद अब टीम ने शुक्रवार, 15 मई की शाम 6 बजकर 5 मिनट (ईडीटी) पर लॉन्च करने का फैसला किया है।

वहीं, भारतीय समयानुसार यह मिशन 16 मई की सुबह 3 बजकर 35 मिनट पर होगा। यह मिशन फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन स्थित स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स-40 से लॉन्च होगा। स्पेस एक्स का ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आईएसएस के लिए करीब 6,500 पाउंड साइंस उपकरण, सप्लाई और अन्य जरूरी सामान ले जाएगा।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार, मौसम संबंधी नियमों (अनविल क्लाउड नियम) का उल्लंघन होने के कारण पिछले प्रयासों को रद्द करना पड़ा। नया लॉन्च विंडो न सिर्फ कार्गो को ताजा रखने की अनुमति देगा बल्कि स्पेस स्टेशन के साथ सही फेजिंग भी सुनिश्चित करेगा।

नासा का लाइव लॉन्च कवरेज 15 मई को शाम 5 बजकर 45 मिनट पर नासा प्लस ऐप, एमेजॉन प्राइम और नासा के यूट्यूब चैनल पर शुरू होगा। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आईएसएस से रविवार, 17 मई को सुबह करीब 7 बजे डॉक करेगा। डॉकिंग का लाइव कवरेज सुबह 5 बजकर 30 मिनट से शुरू होगा।

नासा के इस मिशन के महत्व पर नजर डालें तो सीआरएस-34 मिशन स्पेस स्टेशन पर मौजूद एस्ट्रोनॉट्स के लिए जरूरी खाद्य सामग्री, वैज्ञानिक प्रयोगों के उपकरण और अन्य आपूर्ति पहुंचाएगा।

यह नासा के कमर्शियल रीसप्लाई प्रोग्राम का 34वां मिशन है, जिसमें स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इस बीच स्पेस एजेंसी और नासा की टीमें मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। यदि 15 मई को भी मौसम साथ नहीं देता तो अगला लॉन्च अवसर बाद में तय किया जाएगा। अंतरिक्ष प्रेमी इस लॉन्च को लाइव देख सकते हैं।

# सोते समय कंबल से बाहर क्यों निकल आता है एक पैर? शरीर और दिमाग से जुड़ा है इसका दिलचस्प कारण

**नई दिल्ली।** रात को सोते समय हर व्यक्ति की अपनी अलग आदतें होती हैं। कोई बिना तकिए के नहीं सो पाता, किसी को हल्की रोशनी पसंद होती है अक्सर देखा जाता है कि लोग सोते समय एक पैर कंबल के बाहर निकाल लेते हैं। लेकिन इस आदत को अगर विज्ञान की नजर से देखें तो इसके पीछे शरीर की कार्यप्रणाली और दिमाग से जुड़ी कई अहम बातें छिपी हुई हैं।

विज्ञान के अनुसार, अच्छी और गहरी नींद के लिए शरीर का तापमान संतुलित रहना बहुत जरूरी होता है। दिनभर काम करने के बाद जब शरीर आराम की अवस्था में पहुंचता है, तब दिमाग शरीर को धीरे-धीरे रिलैक्स मोड में ले जाने लगता है। इसी दौरान शरीर अपने तापमान को थोड़ा कम करने की कोशिश करता है। ऐसे में कई लोगों का एक पैर कंबल से बाहर निकालना शरीर की उसी प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा होता है।

हमारे पैर शरीर की गर्मी बाहर निकालने का काम तेजी से करते हैं। पैरों के तलवों में बहुत सी छोटी रक्त नलिकाएं होती हैं, जो शरीर की गर्मी को बाहर की हवा तक पहुंचाने में मदद करती हैं। जब कोई व्यक्ति कंबल के अंदर ज्यादा गर्म महसूस करता है, तो शरीर खुद ही ऐसा तरीका अपनाता है, जिससे तापमान संतुलित हो सके। ऐसे में कई बार लोग नींद में अनजाने में ही अपना एक पैर बाहर निकाल लेते हैं। इससे शरीर को हल्की ठंडक मिलती है और दिमाग को आराम का संकेत पहुंचता है।

नींद आने की प्रक्रिया मानसिक भी होती है। जब शरीर को ठंडक और आराम महसूस होता है, तब दिमाग में तनाव कम होने लगता है। इससे व्यक्ति जल्दी रिलैक्स महसूस करता है और उसे गहरी नींद आने लगती है।

मनोवैज्ञानिकों की मानें तो कई लोगों को पूरी तरह ढककर सोने पर बेचैनी महसूस होती है। ऐसे में शरीर का थोड़ा हिस्सा बाहर रखने से उन्हें खुलापन का एहसास होता है और नींद बेहतर आती है।

# लेबनान हिंसा से 7.7 लाख बच्चे मानसिक तनाव का शिकार: यूनिसेफ

**नई दिल्ली।** यूनिसेफ ने लेबनान में जारी हिंसा के बीच लाखों बच्चों की गंभीर मानसिक स्थिति की ओर दुनिया का ध्यान दिलाया है। बताया है कि हिंसा और बड़े पैमाने पर विस्थापन से करीब 7.7 लाख बच्चे मानसिक तनाव झेल रहे हैं।

आधिकारिक साइट पर जारी रिपोर्ट के अनुसार पिछले सात दिनों में हालात और भी गंभीर बन गए हैं। 17 अप्रैल 2026 को घोषित संघर्षविराम के बावजूद करीब 59 बच्चों के मारे जाने या घायल होने की रिपोर्ट सामने आई है।

लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, संघर्षविराम के बाद अब तक 23 बच्चों की मौत हो चुकी है और 93 घायल हुए हैं। वहीं 2 मार्च से अब तक कुल 200 बच्चों की जान जा चुकी है और 806 बच्चे घायल हुए हैं।

इसका मतलब है कि औसतन हर दिन लगभग 14 बच्चे या तो मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं, जो स्थिति की भयावहता को दर्शाता है।

यूनिसेफ ने कहा कि ये बच्चे लगातार हिंसा, अपनों को खोने और बार-बार घर छोड़ने की मजबूरी जैसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। इससे उनके मन पर गहरा असर पड़ रहा है, जो आने वाले कई वर्षों तक बने रह सकता है।

यूनिसेफ के मध्य पूर्व और उत्तर अफ्रीका के क्षेत्रीय निदेशक एडुआर्ड बेइगबेडर ने कहा, 'यदि तुरंत मदद नहीं पहुंचाई गई, तो इस संकट के मानसिक घाव बच्चों के साथ कई साल तक रह सकते हैं। इसका असर सिर्फ उनकी जिंदगी पर नहीं, बल्कि देश के भविष्य- दोनों पर पड़ेगा। उन्होंने खेद जताते हुए कहा, 'जिन बच्चों को अब स्कूल लौटकर सामान्य जीवन जीना चाहिए, दोस्तों के साथ खेलना चाहिए और डर के माहौल से बाहर निकलना चाहिए, वे आज हिंसा में मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं।'

यूनिसेफ की रिपोर्ट अनुसार, बच्चों और उनके केयर गिवर्स (देखभाल करने वालों) में गंभीर मानसिक तनाव और शोक से जुड़े लक्षण सामने आ रहे हैं।

# बांग्लादेश में खसरे से आठ की मौत, संख्या बढ़कर 432

**ढाका।** बांग्लादेश में खसरे और उससे मिलते-जुलते लक्षणों से होने वाली मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा जानकारी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में आठ और लोगों की मौत हुई है, जिसके बाद कुल मृतकों की संख्या बढ़कर 432 हो गई है। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने स्वास्थ्य विभाग के हवाले से दी है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के मुताबिक, मृतकों की ये संख्या बुधवार सुबह तक दर्ज की गई रिपोर्ट्स में शामिल हैं।

देश में हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। इसी दौरान खसरे के संदिग्ध और पुष्टि किए गए मामलों की संख्या भी 60,000 के पार पहुंच चुकी है।पिछले 24 घंटों में 1,489 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिससे कुल संदिग्ध मरीजों की संख्या 53,056 हो गई है। वहीं 126 नए मामलों की पुष्टि के साथ कुल मामलों की संख्या 7,150 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह हाल के वर्षों में खसरे का सबसे बड़ा प्रकोप है। उनका मानना है कि समय पर टीकाकरण न होने और इलाज में देरी की वजह से संक्रमण तेजी से फैला है और मौतों में बढ़ोतरी हुई है।सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ मुश्ताक हुसैन ने कहा कि अगर मरीजों के इलाज के लिए सही स्तर की व्यवस्था और समय पर कार्रवाई होती, तो कई जानें बचाई जा सकती थीं। उन्होंने यह भी कहा कि जब मामले 50,000 से ऊपर पहुंच जाएं, तो इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया जाना चाहिए था।वहीं, विशेषज्ञ महबूबा जमील का कहना है कि अगर टीकाकरण अभियान लगातार चलता रहा तो आने वाले हफ्तों में मामलों में कमी आ सकती है। जिन इलाकों में टीकाकरण हुआ है, वहां स्थिति थोड़ी बेहतर दिख रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले साल टीकाकरण की कमी और कुपोषण इस बीमारी के तेजी से फैलने के बड़े कारण हैं। इसी बीच ढाका के धनमंडी 27 इलाके में 'सचेतन नागरिक समाज' के बैनर तले कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया।

# आईपीएल 2026: एमआई ने पीबीकेएस को 6 विकेट से हराया

**धर्मशाला।** मुंबई इंडियंस (एमआई) ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 6 विकेट से जीत दर्ज की।

पंजाब किंग्स को इस सीजन लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा है। यह टीम 13 अंकों के साथ फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर बनी हुई है। वहीं, मुंबई इंडियंस ने 12 मुकाबलों में चौथी जीत दर्ज की है। यह टीम प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी है।

एचपीसीए स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पंजाब किंग्स ने 8 विकेट खोकर 200 रन बनाए। प्रियांश आर्य ने प्रभसिमरन सिंह के साथ पहले विकेट के लिए 33 गेंदों में 50 रन की साझेदारी की। प्रियांश 17 गेंदों में 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद प्रभसिमरन ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 57 रन जोड़कर टीम को 107 के स्कोर तक पहुंचाया।

प्रभसिमरन ने 32 गेंदों में 4 छक्कों और 6 चौकों के साथ 57 रन की पारी खेली। प्रभसिमरन के आउट होने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि पीबीकेएस 140 के स्कोर तक 7 विकेट गंवा चुकी थी।

यहां से अजमतुल्लाह ओमरजाई ने 17 गेंदों में 38 रन बनाए, जबकि विष्णु विनोद 15 रन और जैवियर बार्टलेट 7 गेंदों में 18 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से शार्दुल ठाकुर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि दीपक चाहर ने 2 विकेट निकाले। कॉर्बिन बॉश और राज बावा ने 1-1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में मुंबई इंडियंस ने 19.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को रयान रिकेल्टन और रोहित शर्मा की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 39 गेंदों में 61 रन की साझेदारी की।

रिकेल्टन 23 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 48 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम ने 9.3 ओवरों के खेल तक नमन धीर (9) और रोहित शर्मा (25) का विकेट भी गंवा दिया।

टीम ने 88 के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट खो दिया था, जिसके बाद तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला। तिलक ने शेरफेन रदरफोर्ड के साथ चौथे विकेट के लिए 42 गेंदों में 61 रन की साझेदारी की। रदरफोर्ड 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद तिलक ने विल जैक्स के साथ 20 गेंदों में 56 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

जैक्स 10 गेंदों में 25 रन बनाकर नाबाद रहे। तिलक ने 33 गेंदों में 6 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 75 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से अजमतुल्लाह ओमरजाई ने 2 विकेट हासिल किए। मार्को जानसेन और युजवेंद्र चहल ने 1-1 विकेट निकाला।

# थाईलैंड ओपनः पीवी सिंधु, सात्विक-चिराग ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

**बैंकॉक ।** दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और थॉमस कप ब्रॉन्ज मेडलिस्ट सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को यहां अपनी-अपनी दूसरी जीत के साथ बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट थाईलैंड ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। विश्व की 12वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने डेनमार्क की शटलर अमाली शुल्ज को सिर्फ 28 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया। इस टूर्नामेंट में सिंधु की यह लगातार दूसरी जीत थी। इससे पहले पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने पहले राउंड के मैच में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को 21-9, 21-12 से हराया था।

सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जापान की अकाने यामागुची से भिड़ेंगी। भारतीय स्टार ने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में जापानी खिलाड़ी पर 15-13 की बढ़त बनाई हुई है।

दूसरी ओर, सात्विक और चिराग ने मलेशियाई जोड़ी ब्रायन जेरेमी गूनटिंग और मुहम्मद हाइकल को सीधे गेम में 21-12 और 21-19 से हराया। खास बात यह है कि सात्विक और चिराग ड्रॉ में टॉप सीड वाले अकेले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट में पिछली बार (2019, 2024) जीत हासिल की है। अब वे सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए छठी सीड वाली जापानी जोड़ी ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी से भिड़ेंगे।

थॉमस कप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद टूर्नामेंट में शिरकत करने उतरी सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पहले मुकाबले में इंडोनेशिया के मुह पुत्रा एरवियनस्याह और बगास मौलाना के खिलाफ 21-19, 21-23, 21-10 से जीत दर्ज की थी।

# पीडब्ल्यूएल के सितारों का सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में जलवा

**गोंडा।** प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का असर घरेलू सर्किट पर दिखाई दे रहा है। लीग के ऐतिहासिक पांचवें सीजन में हिस्सा लेने वाले कई पहलवानों ने 10 से 12 मई के बीच गोंडा में हुए सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में अपना दमखम दिखाया। इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले पहलवानों को आगामी वर्ल्ड चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल में शामिल होने की पात्रता मिल गई है।

पीडब्ल्यूएल सीजन-5 में कई एथलीट्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए। इससे यह साबित होता है कि लीग द्वारा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर के शीर्ष पहलवानों के साथ लगातार अभ्यास और मुकाबले का जो मौका दिया जाता है, वह कितना कीमती है।

पीडब्ल्यूएल के सितारों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया था, और अब घरेलू स्तर पर मिली उनकी सफलता इस बात को और पुख्ता करती है कि लीग ने बेहतरीन खिलाड़ियों को निखारा है।

पुरुषों की फ्रीस्टाइल श्रेणी में, यूपी डोमिनेटर्स के सागर ने 57 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड जीता। वहीं, महाराष्ट्र केसरी के पहलवान यश तुशीर ने 74 किलोग्राम वर्ग में जीत हासिल की।

वर्ल्ड जूनियर ब्रॉन्ज मेडलिस्ट तुशीर ने आखिरी बार दो साल पहले एशियन चैंपियनशिप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिस्सा लिया था। इसके बाद उन्हें घुटने, कंधे और पैर के

अंगूठे में चोटों जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ा, जिसके चलते छह महीने तक ब्रेक लेना पड़ा था। इसके बाद तुशीर ने शानदार वापसी की।

मुंबई दंगल्स के पहलवान नवीन ने 79 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड जीता। वहीं, मशहूर पहलवान दीपक पूनिया ने महाराष्ट्र केसरी का प्रतिनिधित्व करते हुए 92 किलोग्राम वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए अपने शानदार करियर में एक और गोल्ड जीत लिया है।

महिलाओं की प्रतियोगिता में, दिल्ली दंगल वॉरियर्स की पहलवान अंजलि ने 62 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर जीता। इसी के साथ अंजलि ने आगामी राष्ट्रीय टीम चयन प्रक्रिया से पहले दावेदारी को मजबूत कर लिया है।

इस लीग का असर इस बात से भी पता चलता है कि सीनियर एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत के जीते 17 मेडल्स में से 11 मेडल्स पीडब्ल्यूएल के पहलवानों ने जीते हैं।

## बीबीएल में सिडनी थंडर के कोच बन सकते हैं एंड्रयू फ्लिंटॉफः रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा संचालित टी20 लीग बिग बैश लीग (बीबीएल) में इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ को बड़ी जिम्मेदारी मिलने वाली है जिसकी घोषणा जल्द हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक एंड्रयू फ्लिंटॉफ सिडनी थंडर के कोच बनाए जा सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सिडनी थंडर के मुख्य कोच पद के लिए एंड्रयू फ्लिंटॉफ सबसे पसंदीदा उम्मीदवार के तौर पर उभरे हैं। फ्रेंचाइजी जल्द ही उनके नाम का आधिकारिक ऐलान कर सकती है।

एंड्रयू फ्लिंटॉफ के पास यह पहला मौका है जब वह किसी विदेश लीग में कोच की भूमिका में नजर आएंगे। फ्लिंटॉफ ने पूर्व में करीब एक साल तक 'इंग्लैंड लायंस' टीम के साथ काम किया है। वह लायंस के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोचिंग टीम का भी हिस्सा थे। यह दौरा एशेज सीरीज़ के साथ ही चल रहा था। पूर्व ऑलराउंडर के पास 'द हंड्रेड' में 'नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स' के साथ कोच के रूप में काम करने का अनुभव है। उन्होंने 2024 से 2025 तक, दो सीजन के लिए इस टीम की कोचिंग की थी। उनके नेतृत्व में टीम क्रमशः चौथे और तीसरे स्थान पर रही थी।

इसके अलावा, उनके पास ऑस्ट्रेलिया के घरेलू टी20 क्रिकेट में खेलने का भी अनुभव है। फ्लिंटॉफ ने 2014-15 के बीबीएल सीजन में 'ब्रिस्बेन हीट' टीम का प्रतिनिधित्व किया था। यह उनके पेशेवर क्रिकेट करियर का आखिरी दौर साबित हुआ। हीट के लिए सात मैच खेलने के बाद उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

# वनडे 'ट्राई सीरीज' के लिए 'भारत-ए' टीम घोषित, तिलक को कमान, वैभव को 'गोल्डन चांस'

**मुंबई।** पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में होने वाली आगामी वनडे ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया 'ए' टीम का चयन किया है। 15 सदस्यीय टीम की कमान तिलक वर्मा को सौंपी गई है, जिसमें 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी मौका दिया गया है। श्रीलंका 'ए', इंडिया 'ए' और अफगानिस्तान 'ए' के बीच यह सीरीज 9-21 जून के बीच खेली जाएगी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान रियान पराग को इस ट्राई सीरीज के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। इस टीम में प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, विपराज निगम, सूर्यांश शेडगे, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज जैसे उभरते होनहार खिलाड़ी भी शामिल हैं।लिमिटेड-ओवर्स की इस ट्राई-सीरीज के बाद, इंडिया 'ए' की टीम श्रीलंका 'ए' के खिलाफ दो मल्टी-डे मैच भी खेलेगी। इन रेड-बॉल मुकाबलों के लिए टीम की घोषणा बाद में होगी। व्हाइट-बॉल सीरीज दांबुला में खेली जाएगी, जबकि

मल्टी-डे मैच गाले में आयोजित होंगे।

वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। पिछले सीजन 7 मुकाबलों में 36 की औसत के साथ 252 रन बनाने वाले वैभव ने इस सीजन 11 मुकाबलों में 40 की औसत के साथ 440 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 2 अर्धशतक निकले हैं।

भारतीय टीम इस ट्राई सीरीज में 9 जून को श्रीलंका-ए से भिड़ेगी, जिसके बाद 11 जून को उसका सामना अफगानिस्तान-ए से होगा। 15 जून को भारत के सामने एक बार फिर मेजबान श्रीलंका होगा। इसके बाद 17 जून को अफगानिस्तान से भारतीय टीम की एक बार फिर भिड़ंत होगी। फाइनल मैच 1 जून को आयोजित होगा।

ट्राई-नेशन ए सीरीज का पूरा कार्यक्रम:

9 जून: भारत-ए बनाम श्रीलंका-ए

11 जून: भारत-ए बनाम अफगानिस्तान-ए

13 जून: अफगानिस्तान-ए बनाम श्रीलंका-ए

15 जून: भारत-ए बनाम श्रीलंका-ए

17 जून: भारत-ए बनाम अफगानिस्तान-ए

19 जून: अफगानिस्तान-ए बनाम श्रीलंका-ए

21 जून: फाइनल

ट्राई-सीरीज के लिए भारत-ए की टीम: तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान।

## आईसीसी रैंकिंगः शांतो ने लगाई लंबी छलांग, मोमिनुल हक को भी पहुंचा फायदा

**नई दिल्ली।** आईसीसी की जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में बांग्लादेश के खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिला है। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली ऐतिहासिक जीत का फायदा बांग्लादेश के प्लेयर्स को मिला है। नजमुल हुसैन शांतो ने लंबी छलांग लगाई है जबकि मोमिनुल हक भी 12 पायदान ऊपर चढ़े हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ ढाका में खेले गए टेस्ट की पहली पारी में शतक और दूसरी में अर्धशतक लगाने का इनाम शांतो को मिला है। शांतो ने 16 पायदान की छलांग लगाई है, और वह अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 23वें नंबर पर आ गए हैं। यह उनके टेस्ट करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। शांतो ने पहली पारी में 101 रनों की दमदार पारी खेली थी जबकि दूसरी इनिंग में उन्होंने 87 रनों का योगदान दिया था। मोमिनुल को 12 पायदान का फायदा पहुंचा है और वह अब 35वें नंबर पर आ गए हैं।

पहले टेस्ट में 4 विकेट लेने वाले बांग्लादेश के गेंदबाज तैजुल इस्लाम को 3 पायदान का फायदा पहुंचा है, और वह अब गेंदबाजों की रैंकिंग में 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। लगभग दो साल बाद बांग्लादेश की टेस्ट टीम में लौटे तस्कीन अहमद भी 48वें नंबर पर आ गए हैं। नाहिद राणा ने 5 पायदान की छलांग लगाई है, और वह अब गेंदबाजों की रैंकिंग में 64वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट की पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास अब 28वें नंबर पर आ गए हैं।

बांग्लादेश ने पहले टेस्ट में पाकिस्तान को 104 रनों से हराया। बांग्लादेश ने अपनी सरजमीं पर यह पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में पहली जीत हासिल की। बांग्लादेश से मिले 268 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम चौथी पारी में सिर्फ 163 रन बनाकर ढेर हो गई थी।

# ला लीगाः डेपोर्टिवो अलावेस ने एफसी बार्सिलोना को 1-0 से हराया

**मैड्रिड ।** ला लीगा का खिताब अपने नाम करने वाली एफसी बार्सिलोना को डेपोर्टिवो अलावेस के खिलाफ टूर्नामेंट में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

रला लीगा का खिताब जीतने का जश्न मनाने का असर इस मुकाबले में बार्सिलोना के प्रदर्शन में साफतौर पर नजर आया। टीम मैच में संघर्ष करती हुई नजर आई। मैच का एकमात्र गोल पहले हाफ के आखिरी प्ले में इब्राहिम डायबेट ने किया। अलावेस के स्ट्राइकर ने एरिया के अंदर लेऑफ का फायदा उठाते हुए गोलकीपर स्जेसनी को छकाते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ ही अलावेस अब सबसे निचले स्थान पर मौजूद तीन टीमों की लिस्ट से ऊपर उठ गई है।

रिलेगेशन जोन से बाहर निकलने के लिए प्वाइंट्स जुटाने की कोशिश में लगी मेजबान टीम धीरे-धीरे मैच में अपनी पकड़ बनाई। गोलकीपर स्जेसनी को लगातार बचाव करने पड़े, लेकिन पहले हाफ की आखिरी किक को वो गोल पोस्ट के अंदर जाने से नहीं रोक सके।

कॉर्नर के बाद इब्राहिम डायबेट ने मार्क बर्नाल को पछाड़ा और स्टार गोलकीपर को छकाते हुए एक जबरदस्त वॉली लगाकर गोल दागा। डायबेट दूसरे हाफ की शुरुआत में लगभग दूसरा गोल करने ही वाले थे, लेकिन स्जेसनी ने शानदार रिएक्ट करके आइवोरियन के हेडर को रोक दिया। दूसरे हाफ में घरेलू टीम का प्रदर्शन थोड़ा फीका नजर आया और टीम अपनी बढ़त को बनाए रखने पर ज्यादा जोर देती हुई दिखाई दी।

मैच के अंतिम पलों में डेपोर्टिवो अलावेस ने अपने पेनाल्टी एरिया के आसपास बहुत गहरी डिफेंस लाइन बनाई और एफसी बार्सिलोना की पासिंग लय को बिगाड़ने की पूरी कोशिश की। मेजबान टीम ने समय निकालने और खेल की गति कम करने पर भी ध्यान दिया। अंत में, गोल करने के काफी कम मौके बने। चौंकाने वाली बात यह रही कि स्टॉपेज टाइम भी काफी कम दिया गया।

मैच की अंतिम सीटी बजने के साथ ही अलावेस ने अपनी इस जीत का शानदार जश्न मनाया। दूसरी तरफ, सेविला ने विलारियल के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की और अंक तालिका में 10वां स्थान हासिल किया।

विलारियल की ओर से जेरार्ड मोरेनो और जॉर्जेस मिकौतादज़े ने दो गोल दागते हुए टीम को शुरुआत बढ़त दिलाई। हालांकि, ओसो और काइक सालास ने गोल करते हुए स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद एकोर एडम्स ने 72वें मिनट में गोल दागते हुए सेविला को जीत दिलाई।

# लाजियो को 2-0 से हराकर इंटर मिलान ने 10वीं बार जीता कोप्पा इटालिया का खिताब

**रोम।** इंटर मिलान ने लाजियो पर 2-0 से जीत के साथ अपना दसवां कोप्पा इटालिया फुटबॉल खिताब जीता। इस जीत के साथ ही इंटर मिलान ने इस सीजन का ऐतिहासिक 'डोमेस्टिक डबल' पूरा किया।

इंटर मिलान ने इसी साल मई में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए 21वां सीरी ए के खिताब को अपने नाम किया था। टीम के लिए पहला गोल मार्कस थुरम ने किया। फेडेरिको डिमार्को के कॉर्नर पर मार्कस थुरम का शानदार हेडर लाजियो के खिलाड़ी एडम मारुसिक से टकराकर गोल पोस्ट में चला गया। इसके बाद मैच के 35वें मिनट में इंटर मिलान ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। पेनल्टी बॉक्स से दिए गए डेनजेल डमफ्रीज के शानदार पास को लुटारो मार्टिनेज ने खाली पड़े गोल पोस्ट में पहुंचाया।

लाजियो के खिलाफ फाइनल में मिली धमाकेदार जीत के बाद इंटर मिलान के मैनेजर क्रिस्टियन चिवु ने इंटरव्यू में अपनी भावनाएं शेयर कीं। उन्होंने कहा, 'इंटर ने इस सीजन में दो ट्रॉफी जीती हैं, और हम इसके हकदार थे क्योंकि हमारा कैंपेन बहुत अच्छा रहा। हमने इन वर्षों में जो भी कुछ हासिल किया है, उसके लिए हम बेहद खुश हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हमें इन जबरदस्त फैंस और क्लब के लिए भी खुशी है, जिन्होंने हमेशा हमारा साथ दिया है। हम इस सीजन में जो कुछ भी हासिल करेंगे, उसका आनंद लेंगे। लीग और कोप्पा इटालिया जीतना कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे आप हल्के में ले सकते हैं; दो ट्रॉफी उठाना कभी आसान नहीं होता।'

लौटारो मार्टिनेज ने कहा, 'हमारे लिए यह एक बहुत ही जरूरी और सार्थक जीत है, पिछले साल के बाद वापसी करना आसान नहीं था। हम खेल, तेजी, परफॉर्मेंस और नतीजों के मामले में सच में एक महत्वपूर्ण सीजन बनाने में कामयाब रहे। मैं खुश हूं क्योंकि हम साल को दो ट्रॉफी के साथ खत्म कर रहे हैं; यह हमारे लिए सच में बहुत जरूरी रहा है। हाल के सालों में हमने जो कुछ भी किया है, उसके लिए इंटर मिलान के बारे में हमेशा बहुत बातें होती हैं, लेकिन हमें खिताब जीतने के लिए इसी रास्ते पर चलते रहना होगा क्योंकि हम यही चाहते हैं: इस सीजन में हमने दो जीते हैं और हम सच में बहुत खुश हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव ( पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा ) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415